The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 21]

नई विल्ली, शनिवार, मई 24, 1975 (ज्येष्ठ 3, 1897)

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1975 (JYAISTHA 3, 1897)*

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, देश विमाग और माप्त करकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचमाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

मुख्य वेतन तथा लेखा श्रिधिकारी का कायलिय पूर्ति। पनर्वास तथा खाद्य श्रीर कृषि मन्त्रालय नई दिल्ल 110011, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1975

सं० ए०-24013/II/74-75/एच० क्यू०/प्रशासन (समन्वय) 113--मुख्य- पंच चथा लेखा श्रधिकारी, पुनर्वास विभाग, नर्द्र दिल्ली के स्थानापन्न जॅतन तथा लेखा श्रधिकारी श्री एस० डी० गुप्ता सेवा निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर दिनांक 31 मार्च, 1975 से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

पी० पी० गंगाधरन, मुख्य वेतन तथा लेखा ग्रधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई विकास

्र, दिनांक 29 मार्च, 1975 ⁻

सं० प्र०/17011/(38)/72-प्र०-6—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उत्तरी निरीक्षण मंडल के स्थायी भंडार निरीक्षक भौर स्थानापन सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (वस्त्र) श्री धार० के० मिश्रा दिनाक 2842/1975 के श्रपराह्म से निवर्तन ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 9 श्रप्रैल, 1975

सं० ए०-17011/1/71-प्र०-6--- महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्द्वारा उत्तरी निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री श्रार० एम० रायचौधरी को दिनांक 25-3-75 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रिष्ठकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 श्रप्रैल, 1975

सं० ए०-17011/87/75-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक प्रगति (ग्रेड-II) श्री पी० एम० भ्रार० नम्बूदिरी को दिनांक 1-3-75 के पूर्वाह्म से स्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षण मडल में सहायक निरीक्षण श्रिष्ठकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री नम्बूदिरी ने दिनांक 1-2-75 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक प्रगति (ग्रेंड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 1-3-75 के पूर्वाह्म से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

के॰ एल॰ कोहली, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रोर खान मन्त्रालय

(खान विभाग) भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 28 मार्च, 1975

सं० ए०-19011 (38)/70-सि० ए०--- प्रफगानिस्तान सरकार के साथ प्रतिनियुक्ति की ग्रविध समाप्त हो जाने के पश्चात श्री बी० सी० मिश्रा भारतीय खिन विभाग में वापस ग्रा गए हैं श्रीर विनांक 24 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से उप-खान नियन्त्रक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 11 **प्रप्रै**ल, 1975

सं० ए०-19011 (30)/75-सिब्बन्दी ए—श्री डी० वी० कुलकर्णी, स्थायी उप श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी, भारतीय खिनि विभाग ने पाइराइट्स, फास्फेट्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड में श्रयस्क प्रसाधन इंजीनियर के रूप में प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 31-3-1975 के श्रपराह्म से उप श्रयस्क प्रसाधान श्रधिकारी का पदभार स्थाग दिया है।

ए० के० राघवाचारी, वरिष्ट प्रसाधन ग्रधिकारी, कृते नियन्त्रक ।

नागपूर, दिनांक 14 जनवरी 1975

सं० टी०-31013/3/सी० बी० एम०/72—भारत में खान मालिकों की सामान्य जानकारी के लिए मैं इसके द्वारा भारतीय खिन विभाग के क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के सम्बन्धित प्रादेशिक क्षेत्राधिकार निम्नक्ष्पेण प्रधिसूचित करता हूं:—

I. कलकत्ता क्षेत्र

पता : क्षेद्मीय खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग, पी-21, मिशन रो एक्स्टेंशन कलकता-13 (टेली-फोन नं० 235440)।

राज्य		·····	जिला जिला
मणिपुर			सभी जिले
मिजोरम		•	n
स्निपुरा		•	n
मेषालय		-	"
नागालैण्ड		•	1)
ध्ररणाचल १	नदेश		n
ग्रसम	٠	•	IJ
पश्चिम बंग	ा ल	•	n
उड़ीसा			11
बिहार		•	सिषभूम
II. हजारी	बाग १		

पता: क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग, जुलू पार्क, हजारीबाग, बिहार। (टेलीफोन नं० 491) बिहार

सिंघभूम को छोड़कर शेष स जिले।

III. भजमेर क्षेत्र

पता: क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग 158/X, सिविल लाइन्स, श्रजमेर, राजस्थान (टेलीफोन नं० 21074 श्रौर 20639)

राजस्थान

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर ध्रौर बंसवाड़ा जिलों को छोड़कर शेष सभी जिले।

IV. नागपुर क्षेत्र

पता : क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग, 'पुष्पराज', रविशंकर मार्ग, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001, महाराष्ट्र । (टेलीफोन नं० 26496)

मध्य प्रदेश

महाराष्ट्र

बस्तर, रायपुर, रायगढ़, सरगुजा, बिलासपुर दुर्ग , बालाघाट, सिवनी बेतूल, छिदवाड़ा होशंगाबाद राय- सेन, बिदिशा भोपाल राजगढ़, शहजापुर, मन्दसोर रतलाम उज्जैन, झबुझा धार, इन्दौर देवास खंडवा, खरगांव।

राजुरा, चन्द्रपुर, भण्डारा, नागपुर वर्धा, यवतमाल, भमरावती, भकोला परभणी, बुलढ़ाणा, जलगांव, भौरंगाबाव, बीड, महमदनगर धुले, थाना, कोलाबा, नासिक्क

V. हैदराबाद क्षेत्र

पता : क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग, 3-6-170, हैदरगुडा, डा॰ हिमायत नगर, हैदराबाद-500029। (टेलीफीन न॰ 37004)

मान्ध्र प्रवेश

नेल्लूर, कडपा श्रौर चित्तूर, जिलों को छोड़कर सभी जिले।

महाराष्ट्र

नान्देड उस्मानाबाद।

कर्नाटक

बिदार गुलबर्गा, रायचूर

VI गोवा क्षेत्र

पता : क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खिन विभाग, फातिमा बिल्डिंग , बर्नार्डो द कोस्टा रोड, क्रेंट्र गन्नो, गोवा (टेलीफोन नं० 2559)

गोवा

सभी जिले।

महाराष्ट्र

रत्नागिरि, कोल्हापुर, मागली, णोला-

पुर, सातारू पूना ।

कर्नाटक

उत्तर कनारा, धारवाड, बेलगांव,

बीजापूर ।

VII. बंगलौर क्षेत्र

पता: क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग, 17, कुमार पार्क ईस्ट, विमल प्रभा, बंगलौर-560001 (टेलीफोन नं० 26176)

कर्नाटक . . बेल्लारी, चित्रदुर्ग, शिमोगा, दक्षिण कनारा, चिकमगलुर, तुमकूर, हसन

कुर्ग, मैसूर, बंगलौर, माण्डय, कोलार ।

तमिलनाडु . सभी जिले।

केरल . . सभी जिले ।

VIII. उवयपुर उप-क्षेत्र

पता: उप-खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग, 10, पोलो ग्राउण्ड, नया फतेहपुरा, उदयपुर, राजस्थान।

राजस्थान . . उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बंस-

वाड़ा ।

गुजरात . सभी जिले।

IX. देहरादून उप-क्षेत्र

पता : उप खान नियंन्नक, भारतीय खनि विभाग, घर नं० 17डी, रेस कोर्स, देहरादून, उ० प्र० ।

जम्मू एवं कश्मीर . सभी जिले।

हिमाचल प्रदेश . सभी जिले।

पंजाब . . सभी जिले।

हरियाना . . सभी जिले।,

दिल्ली . दिल्ली।

उत्तर प्रदेश . . झांसी, हमीरपुर, बांदा, इलाहाबाद

भीर मिर्जापुर को छोड़कर शेष सभी

जिले≀

X. नेल्लूर उप-क्षेत्र

पता : उप खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग, 19/543, झण्डा स्ट्रीट, नेल्लूर-524001, **म्रां**० प्र०।

भान्ध्र प्रदेश . नेल्लूर कडपा, चित्तूर। XI. जबलपुर उप-क्षेत्र

पता : उप-खान नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग, 735, नैपियर टाउन, जबलपुर, म० प्र० । (टेलीफोन नं० 3599) ।

मध्यप्रदेश . . माण्डला, शहडोल, सीधी, रीवा, सतना,

जबलपुरं, नरसिंहपुर, दमोह, पन्ना, छत्तरपुर, टीकमगढ़, सागर, गुना, णिवपुरी, दितया, भिण्ड, मोरेना,

ग्वालियर ।

उत्तर प्रदेश . झांसी, हमीरपुर, बांदा, इलाहाबाद,

मिर्जापुर ।

ये भ्रावेश तुरन्त लागू होंगे ।

श्रावेश

- ग. स्रादेश दिया जाता है कि भारतीय खिन विभाग के क्षेत्रीय/ उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के ये प्रादेशिक क्षेत्राधिकार खान मासिकों की सामान्य जानकारी हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किये जार्ये।
- 2. यह भी अधिष दिया जाता है कि भारतीय खनि विभाग के क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के क्षेत्राधिकार की एक प्रति इस विभाग के क्षेत्राधिकार के ग्रधीन समस्त खान मालिकों को संचारित की जायें।

देवकी नन्दन भागेव नियंत्रक भारतीय खनि विभाग

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कबकत्ता-13, दिनांक 1 ग्रप्रैल, 1975

सं० 2222 (ए० बी० एस०)/19 ए०—श्री अजय बिहारी श्रीवास्तवा को भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भू-वैज्ञानिक के रूप में 650 रू० महावार के आरम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०-रो०-40-1200 रू० के बेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 7-1-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 म्रप्रैल, 1975

सं० 2222 (टी० पी० यू०)/19 ए०---डा० तारकेश्वर प्रसाद उपाध्याय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप म 650 रू० महावार के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में ग्रस्थायी क्षमता में, ग्रन्य भादेश होने तक, 9-12-1974 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1975

सं० 2222 (पी० के०)/19 ए०—श्री प्रेम कुमार को भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूबैज्ञानिक के रूप में 650 रु० महाबार के भ्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान म भ्रस्थाई क्षमता में, भ्रन्य भादेश होने तक, 31-1-1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

दिनौक 1975

सं० 2222 (ए० के० एस०)/19 ए०—श्री ग्रशोक कुमार सूद को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० महावार के श्रारम्भिक वेतन पर 650-30 740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में ग्रस्थाई क्षमता में ग्रन्थ ग्रावेश होने तक, 27-1-1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 भ्रप्रैल 1975

सं० 2222 (बी॰ डी॰)/19 ए०—श्री भावेश दत को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के श्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रन्य श्रादेश होने तक, 1-2-1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 श्रप्रैल 1975

सं० 2251 (जी० पी० एस०)/19-बी०—-खनिज समन्वेषण निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री जी० पी० शाह ने ड्रिलर के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 11 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 10 श्रप्रैल 1975

सं० 2222 (जी० एस०)/19-ए०--श्री गौतम सरकार को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के ग्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में श्रस्थाई क्षमता में, श्रन्य श्रादेश होने तक, 19-2-1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है ।

सी० करुणाकरन, महा निदेशक

शिक्षा भ्रोर समाज कल्याण मन्नालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1975

निदेशक, भारत के मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री निशतला बैंकट कामेश्वर राव को 12 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से श्रमले श्रावेशों तक के लिए इस सर्वेक्षण के मैंसूर स्थित दक्षिण भारतीय स्टेशन में श्रस्थायी तौर पर सहायक मानव-विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० टी० थोमस, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

राष्ट्रीय एटलस संस्था

विज्ञान ग्रौर प्रौद्योगिकी विभाग

कलकत्ता-19, दिनांक 9 श्रप्रैल 1975

सं० 29-12/75-स्था०—प्रिधसूचना संख्या 29-12/72-स्था० दिनांक 27-1-75 के कम में श्री एस० के० विश्वास की राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ नियुक्ति 16-4-75 से बढ़ाई जाती है जिसकी ग्रवधि तीन महीने से ग्रधिक नहीं होगी।

> एस० पी० दासगुप्त निदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 9 म्रप्रैल 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की ग्रिधिसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई. 1969 में श्रेणी 2 के ग्रिधीन नाईट्रेट मिकस्चर,

- (1) ''पी० श्रार० एम०-12'' की प्रविष्टि में संख्या "1975" के स्थान पर संख्या "1976" प्रति-स्थापित की जाएगी ; श्रौर
- (2) शब्द श्रीर संख्या "पी० श्रार० एम० 12 श्रीर पी० श्रार० एम०-21" के स्थान पर गब्द श्रीर संख्या "परमाफ्लो-1 श्रीर परमाफलो-3" प्रति-स्थापित की जाएगी ।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

ग्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 7 श्रप्रैल 1975

सं० ए०-30014/4/74-एस० छ:——महानिवेशक, श्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री श्रार० डी० मिश्रा, सहायक केन्द्र श्रिभियंता उच्च शक्ति प्रेषित्र, किग्जवैं, दिल्ली को 13 अगस्त, 1968 से सहायक श्रिभयंता के पद पर स्थायीवत् पद-क्षमता मे नियुक्त करते हैं।

> शान्ति लाल प्रशासन उपनिदेशक **इते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1975

सं० ए०-12023/2/74-सि० नि० ए०—-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामो के श्रागे उल्लिखित तारीखों से श्रग्रेतर श्रादेशों तक श्राकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में स्थानापन्न पद क्षमता में नियुक्त करते हैं:---

ऋ 0 नाम सं 0	जिस तिथि से नियुक्त	जिस कार्यालय में नियुक्त
 1. श्री म्रार० कृष्णस्वामी	18-3-75 (पूर्वाह्म)	उप-मंडलीय कार्यालय (सिविल) सिविल निर्माण स्कंध/ग्राकाण- वाणी जालंधर ।
2 श्रीपीराधाकुरुणन	1 0- 3-7 5 (पूर्वाह्म)	उप-मंडलीय कार्यांलय (सिविल) सिविल निर्माण स्कंध/ग्रा- काणवाणी पटना ।

के० जी० कृष्णमूर्ति मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी श्रधिकारी (सिविल) कुते महानिदेशक सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय फिल्म समारोह निदेशालय सार्वजनिक सूचना नई दिल्ली, दिनाँक 5 मार्च 1975 फिल्मी के लिए राष्ट्रीय प्रस्कार

सं० एफ० 1/2/75/एफ०एफ० द्वी० 1—भारत सरकार के सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय के फिल्म समारोह निदेशालय के संकल्प संख्या 1/2/75/एफ० एफ० द्वी० 1 तारीख 5 मार्च, 1975 में ग्रिधसूचित फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों संबंधी नियमावली के नियम 3 श्रीर 6 के श्रनुसार फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ प्रविष्टियां श्रामंतित की जाती है। प्रविष्टियां 1974 के कलेंडर वर्ष में सार्व-जनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित की गई निम्नलिखित श्रेणियों की भारतीय फिल्मों के संबंध में ही भेजी जा सकेगी:—

- (1) फिल्म कला के रूप में
- (1) वर्ष की सर्वौत्तम फीचर फिल्म ।
- (2) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म।
- (3) वर्ष की सर्वोत्तम बाल फिल्म । (2) फिल्म सूचना साधन के रूप में
- (4) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (डाकुमैन्ट्री) ।
- (5) सर्वोत्तम शेक्षणिक फिल्म ।
- (6) सर्वीत्तम सामाजिक फिल्म (जो समकालीन सामाजिक समस्याश्रों का चित्रण तथा उनका निष्पक्ष विश्लेषण करती हो) ।
- (7) सर्वोत्तम व्यवसाय / प्रेरक फिल्म (विज्ञापन) ।
- (8) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (ग्रब्यावसायिक) (3) विशेष प्रकार की छोटी फिल्में
- (9) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म ।
- (10) सर्वौत्तम कार्ट्न (एनीमेशन) फिल्म ।
- 2. उपिर उल्लिखित फीचर फिल्मों तथा ग्रन्थ श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां निर्माता (निर्माताश्रों) या उस (उन) द्वारा विधिवत ग्रिधिकृत किसी ग्रन्थ व्यक्ति (ध्यक्तियों) द्वारा 5 ग्रग्रेल, 1975 तक भेजी जा सकती हैं। प्रविष्टियां उपिर निर्दिष्ट नियमावली से संस्पन पिरिण्ट में दिए गए फार्म में, दो प्रतियों मे, भेजनी चाहिए। 35 कि० मी० में 1000 मीटर श्रौर 16 मि० मी० में 400 मीटर से श्रिधिक लम्बी फीचर फिल्मों श्रौर छोटी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 100-रुपये की ग्रोर इससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 50 रुपये की ट्रैजरी रसीद भी भेजनी चाहिए। उक्त राशि केन्द्रीय सरकार के खाते में मुख्य शीर्ष 085—सूचना ग्रौर पिल्लिमोटी—रिणीट्स फरोम फिल्म्स के श्रन्तर्गत जमा करवानी चाहिए।
- 3. विभिन्न श्रेणियो की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियां निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना और प्रसारण मन्त्रालय, विज्ञान भवन एनेक्स (कमरा नं० 392), नई दिल्ली के पास भेजनी चाहिए।

प्रिन्टें फिल्म समारोह निवेशालय द्वारा बताए गए स्थानों पर भेजनी होंगी।

- 4. सभी प्रविष्टियों के साथ प्रवेशक को प्रपने खर्चे पर कलाकारों की सूची सहित फिल्म प्रिन्ट के प्रतिरिक्त स्क्रिप्ट की 5 प्रतियो सहित फिल्म की भाषा में उसके कथासार 50 प्रतियां, जिनके साथ उनके ग्रंग्रेजी या हिन्दी ग्रनुवाद की 5 प्रतियां भी होंगी, तथा फिल्म की भाषा में गीतो, यदि हों, की 30 प्रतियां जिनके साथ उनके ग्रंग्रेजी या हिन्दी में ग्रनुवाद की 30 प्रतियां भी होंगी, तथा 6 फोटो ग्रौर फिल्म से संबंधित प्रचार सामग्री भी भेजनी होगी। फिल्म के प्रिन्ट टेक्नीकल ग्राफिसर, फिल्म प्रभाग, 1 महादेव रोड, नई दिल्ली के पास ग्रधिक से ग्रधिक 19 मर्गल तक पहुंच जानी चाहिए।
- 5. फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की नियमावली तथा प्रविष्टि फार्मों की प्रतियां निम्नलिखित से प्राप्त की जा सकती हैं:---
 - (1) फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय, विकान भवन एनेक्स, कमरा नं० 39%, नई दिल्ली।
 - (2) प्रादेशिक प्रधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 91-बालकेक्यर रोड, बम्बई-6.
 - (3) प्रादेशिक भ्रधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 35, हेडोस रोड, नुगम-बक्कम, मद्रास-6.
 - (4) प्रादेशिक भ्रधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, 8, एसप्लेनेंड ईसट, थर्ड फ्लोर, कलकत्ता-1.
- 6. पुरस्कारार्थ प्रविष्टि के लिए बाल फिल्म की ग्रधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में
 1360 मीटर होगी। सूचना फिल्म (डाकुमेंट्री) के मामले को
 छोड़कर, 'फिल्म सूचना साधन के रूप में' तथा' "'विशेष प्रकार
 की छोटी फिल्मो" की श्रेणियों के श्रन्तर्गत प्रविष्ट होने वाली
 फिल्म की ग्रधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 1000 मीटर
 या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी। बाल फिल्म
 के रूप में प्रविष्ट फिल्म फीचर फिल्म के रूप मे
 ग्रीर फीचर फिल्म के रूप में प्रविष्ट फिल्म बाल फिल्म
 के रूप में प्रविष्ट नहीं हो सकेगी।

संकल्प

संख्या 1-2/75/एफ० एफ० डी०--1974 की फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के बारे में निम्नलिखत नियम भ्रधिसूचित किए जाते हैं:--

- इन नियमों को फिल्मो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के नियम, 1974 कहा जाएगा ।
- 2. इन पुरस्कारों का उद्देश्य कलात्मक सौन्दर्य तथा तकनीकी दृष्टि से उच्च स्तर की तथा सामाजिक, ग्रैक्षणिक ग्रौर सांस्कृतिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना है।
- इन नियमों के भ्रन्तर्गत पुरस्कारों की निम्नलिखित श्रेणियां होगी:-

- (ए) फिल्म कला के रूप में
- (1) राष्ट्रीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म को पुरस्कार:
 वर्ष की राष्ट्रीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म को राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक श्रीर इसके निर्माता को
 40,000 रुपए नकद पुरस्कार तथा इसके निदेशक
 को 15,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रीर एक
 रजत पदक ।
- (2) द्वितीय राष्ट्रीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म को पुरस्कार: इसके निर्माता को 15,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रीर एक रजत पदक तथा इस के निदेशक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक ।
- (3) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म को विशेष पूरस्कारः
 - इसके निर्माता को 30,000 रुपए का नकद पुरस्कार ग्रीर एक रजत पदक तथा इसके निदेशक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ग्रीर एक रजत पदक।
- (4) म्रधिक प्रभावशाली, पूर्णतया मनोरंजन तथा कलात्मक मूल्य की फीचर फिल्म के लिए विशेष पुरस्कार । इसके निर्माता को एक स्वर्ण पदक तथा निदेशक को एक रजत पदक ।
- (5) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा की सर्वोत्तम फीचर फिल्म को पुरस्कार:

प्रत्येक प्रादेशिक भाषा अर्थात्:

- —हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी तथा भोजपुरी, राज-स्थानी तथा मेथिली जैसी संबंधित बोलियों सिहत), मराठी (कोंकण सहित), गुजराती पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी तथा श्रंग्रेजी बंगला, श्रसमिया, उड़िया और मणिपुर: तिमल, तेलुगु, कन्तड़ श्रौर मलयालम। की सर्वौत्तम फीचर फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक और निदेशक को 5000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत परकार तथा एक रजत पदक ।
- (ख) निदेशक में उत्कृष्टता का पुरस्कार:
 वर्ष के सर्वोत्तम निदेशक को 20,000 रुपए का
 नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदन ।
- (ग) सिनेमाटोग्नाफी (ब्लैंक एण्ड ब्हाइट) में उस्कृष्टता का पुरस्कार: सादी (ब्लैंक एण्ड ब्हाइट) फिल्म के सर्वोत्तम कैमरामैन को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रौर एक एक रजत पदक ।
- (घ) सिनेमाटोग्राफी (रंगीन) में उत्कृष्टता का पुरस्कार: रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम कैमरामैन को 5000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक।

- (ड) वर्ष के सर्वोत्तम ग्रभिनेता का पुरस्कार : सर्वोत्तम ग्रभिनेता को छोटी मूर्ति के रूप में ''भरत पुरस्कार''
- (च) वर्ष की सर्वोत्तम ग्रिभनेत्री का पुरस्कार: सर्वोत्तम ग्रिभनेत्री को छोटी मूर्ति के रूप में ''उर्वेशी पुरस्कार''।
- (छ) वर्ष के सर्वोत्तम बाल ग्रिभनेता / ग्रिभनेती का पुरस्कार: सर्वोत्तम बाल ग्रिभिनेता या ग्रिभिनती, जो 16 वर्ष से ग्रिधिक भ्रायु का / की न हो, को एक रजत
- (ज) वर्ष के सर्वोत्तम पार्श्व गायक का पुरस्कार: सर्वोत्तम पार्श्व गायक को एक रजत पदक।
- (क्ष) वर्ष की सर्वोत्तम पार्श्व गायिका का पुरस्कार: सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को एक रजत पदक।
- (य) वर्ष के सर्वोत्तम संगीत निदेशक का पुरस्कार : (यह पुरस्कार धुनों की मौलिकता के लिए दिया जायेगा ।

सर्वोत्तम संगीत निदेशक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ग्रीर एक रजत पवक

- (ट) वर्ष का सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले पुरस्कार: सर्वोत्तम स्क्रिप्ट लेखक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ग्रीर एक रजत पदक।
- (ठ) वर्ष की सर्वोत्तम कहानी का पुरस्कार: सर्वोत्तम कहानी लेखक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक।
- (ड) वर्ष के सर्वोत्तम गीत का पुरस्कार: राष्ट्रीय एकता के विषय पर सर्वोत्तम फिल्म गीत के लेखक को 5000 रुपये का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक।
- (ढ) वर्ष की सर्वोत्तम बाल फिल्म का पुरस्कार: निर्माता को 15,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रौर एक स्वर्ण पदक तथा निदेशक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रौर एक रजत पदक ।
- (2) फिल्म सूचना साधन के रूप में:
 - (क) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (डाकुमैन्ट्री):
 निर्माता को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार
 ग्रौर एक रजत पदक तथा निधेशक को
 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार ग्रौर एक
 रजत पदक।

- (ख) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म:

 निर्माता को 5,000 रुपए का नकद

 पुरस्कार स्रीर एक रजत पदक तथा निदेशक
 को 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार स्रीर
 एक रजत पदक।
- (ग) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म (जो समकालीन सामाजिक समस्याश्रों को चित्रित करती हो श्रीर उनका निष्पक्ष विश्लेषण करती हो) निर्माता को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रीर एक रजत पदक तथा निदेशक को 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार श्रीर एक रजत पदक ।
- (छ) सर्वोत्तम व्यवसाय प्रेरक फिल्म (विज्ञापन)ः निर्माता श्रौर निदेशक को एक-एक रजत पदक ।
- (ड) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (ग्रव्यावसायिक) :

 (राष्ट्रीय महत्व यथा राष्ट्रीय एकता,
 सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, कृषि
 कार्य सहित विकास की गति, ग्रादि के
 विषयों पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म के लिए)
 निर्माता ग्रौर निर्देशक को एक-एक रजत

(3) विशेष प्रकार की छोटी फिल्मे:

- (क) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म:

 निर्माता को 5,000 रुपए का नकद
 पुरस्कार श्रीर एक रजत पदक सथा निर्देशक
 को 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार
 श्रीर एक रजत पदक।
- (ख) सर्वोत्तम कार्टून (एनीमेशन) फिल्म:

 निर्माता को 5,000 रुपए का नकद
 पुरस्कार श्रीर एक रजत पदक तथा निर्देशक
 को 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार
 श्रीर एक रजत पदक।
- (4) <u>दादा साहेब फाल्के पुरस्कार</u>:
 (भारतीय सिनेमा के निमित्त विशिष्ट योगदान के लिए विशेष पुरस्कार) 20,000 रूपए का नकद पुरस्कार, एक स्वर्ण पदक श्रौर एक शाल ।

स्पष्टीकरण :

यहां पर 'निर्माता', 'निर्देशक,' 'कैमरामैन', 'ग्रभिनेता', 'ग्रभिनेता', 'ग्रभिनेता', 'ग्रभिनेती', 'वाल ग्रभिनेता ग्रभिनेती', 'पार्थ्व गायक', 'संगीत निर्देशक', 'स्क्रीन प्ले लेखक', 'स्क्रिप्ट लेखक', 'कहानी लेखक' तथा 'गीत लेखक' शब्दों से ग्रभिप्राय क्रमशः उस 'निर्माता', 'ग्रभिनेती'

'बाल श्रभिनेता/ग्रभिनेत्नी', 'पार्श्व गायक', 'संगीत निर्देशक', 'स्क्रीन प्ले लेखक/स्क्रिप्ट लेखक', 'कहानी लेखक' भ्रौर 'गीत लेखक' से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा विधिवत प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के णीर्षकों में होगा ।

- 4. (क) जिस श्रेणी की फिल्म की प्रविष्टियां दो से कम प्राप्त होंगी, उस फिल्म के निर्माता या निर्देशक को कोई पुरस्कार नही दिया जाएगा ।
- (ख) सरकार चाहे तो नकद पुरस्कार, राष्ट्रीय बचत पत्न या भारत सरकार द्वारा जारी किए गए इसी प्रकार के किसी ग्रन्य पत्न के रूप में दे सकेगी।
- (ग) नियम 3 की श्रेणी I (क) के भ्रन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाली हिन्दीतर भाषा में निर्मित फीचर फिल्म के निर्माता को उसके उप शीर्षक हिन्दी के करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 3,000 रुपए की भ्रतिरिक्त राशि दी जाएगी।
- 5. केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए पूर्वगामी क्लेंडर वर्ष में प्रमाणित हुई सभी भारतीय फिल्में प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकेंगी । इस बात की घोषणा निर्माता या श्रन्य विधिवत अधिकृत ब्यक्ति संलेग्न परिशिष्ट में दिए गए फार्म में करेगा ।

पुरस्कार के लिए एक फिल्म नियम 3 के ग्रन्तर्गत निर्दिष्ट श्रेणियो ग्रर्थात् सर्वोत्तम फीचर फिल्म, राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फिल्म, सर्वोत्तम बाल फिल्म, सर्वोत्तम सूचना फिल्म, सर्वोत्तम ग्रीक्षणिक फिल्म, सर्वोत्तम ग्रेक्षणिक फिल्म, सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म, सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म ग्रीर सर्वोत्तम कार्टून फिल्म में से केवल एक ही श्रेणी मे प्रविष्ट हो सकेगी।

- 6. (क) पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां प्रति वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित तिथि, जो भारत के राजपन्न में श्रधिसूचित की जाएगी, तक श्रामंत्रित की जायेंगी।
- (ख) प्रत्येक प्रविष्टि इन नियमों के परिशिष्ट में दिये गए फार्म पर भेजी जाएगी श्रौर 35 मि० मी० में 1000 मीटर श्रौर 16 मि० मी० में 400 मीटर से श्रीधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपये श्रौर उससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपये की प्रविष्टि फीस भेजनी होगी । यह फीस वापिस नहीं की जायेगी ।
- (ग) प्रत्येक प्रवेशक निर्वेशक, फिल्म समारोह निर्देशालय, विज्ञान भवन एनैक्स, कमरा नं० 392, नई दिल्ली या दूसरे उस प्राधिकारी को जिसे निश्चित किया जाए, निम्नलिखित चीजें ग्रपने खर्चें पर भेजेगा:—
 - (1) इस प्रकार के प्राधिकारी द्वारा दिए गए समय भ्रौर स्थान पर केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा प्रमाणित फिल्म की एक प्रिट,

- (2) फिल्म की भाषा में उसके कथासार की 50 प्रतियां श्रौर स्क्रिप्ट की पांच-पांच प्रतियां तथा उनके श्रंग्रेजी या हिन्दी श्रनुवाद की 5 प्रतिया, तथा यदि गीत हों तो फिल्म की भाषा में उनकी 30 प्रतियां तथा उनके श्रंग्रेजी या हिन्दी में भावानुवाद की 30 प्रतियां, तथा संबंधित प्रचार सामग्री सहित 6 फीटो।
- (घ) कोई फिल्म, पुरस्कारों के लिए प्रविष्टि पाने के योग्य हैं या नहीं श्रीर कोई फिल्म, फीचर फिल्म, राष्ट्रीय एकता संबंधी फिल्म, बाल फिल्म, सूचना फिल्म, शैक्षणिक फिल्म, प्रयोगात्मक फिल्म या सामाजिक फिल्म, प्रेरक फिल्म, कार्टून फिल्म हैं या नहीं, इस संबंध में भारत सरकार का निर्णय श्रन्तिम होगा।
- (ङ) यदि कोई फिल्म किसी ऐसी फिल्म का डब किया हुन्ना रूप, रिटेक या रूपान्तर हैं, जो पहले केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित राजकीय/राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रविष्ट हो चुकी हो, तो वह नियम 3.1 (क) (1) से (4); 3.1 (ट), (ठ) तथा (ढ़) के अन्तर्गत किसी भी श्रेणी के लिए प्रविष्टि की पान नहीं होगी। परन्तु वह निर्देशन, सिनेमाटोग्राफी, अभिनय, पार्श्व गायन, संगीत निर्देशन तथा गीत में सर्वोत्तमता से संबंधित श्रेणियों श्रर्थात् 3.1 (छ) से (य) तक श्रौर (ङ) के लिए पान होगी।
- (च) यदि किसी फिल्म के कई भाषाश्रों में रूपान्तर हों तो पुरस्कार के लिए उस फिल्म का केवल एक ही भाषा का रूपान्तर प्रविष्ट हो सकेगा।
- (छ) पुरस्कारार्थं प्रविष्टि के लिए बाल फिल्मों की स्रिधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,360 मीटर होगी । नियम 3 की (2) श्रौर (3) श्रेणियों के ग्रन्तर्गत प्रविष्ट होने वाली फिल्म की श्रिधिक-तम लम्बाई 35 मि० मी० में 1000 मीटर या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी । परन्तु यह शर्त सूचना फिल्म (डाकुमैन्ट्री) पर लागू नहीं होगी ।
- (ज) प्रविष्टि की ग्रन्तिम तिथि में विशेष मामलों में भारत सरकार की मर्जी पर छूट की जा सकेगी।
- (झ) ऐसी कोई भी फिल्म, जो राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट नहीं की गई हो, इन पुरस्कारों की पात्र नहीं होगी।
- 7. फिल्म श्रीर प्रचार सामग्री के लाने, ले जाने पर जो खर्च होगा यह सारा प्रवेशक को देना होगा ।
- 8. सभी फिल्में मालिक के जोखिम पर भेजी जाएंगी भ्रौर यद्यपि सरकार उन सभी फिल्मों की समुचित संभाल करेगी, फिर भी उनके पास रखते समय किसी फिल्म के

- गुम हो जाने या खराब हो जाने की जिम्मेदारी सरकार पर नहीं होगी।
- 9. पुरस्कारों का निर्णय सरकार द्वारा नियुक्त फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी श्रौर लघु फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी की सिफारिशों पर किया जायेगा। ये ज्यूरियां सरकार को श्रपनी सिफारिशों देंगी।
- 10. फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा:—
 - (क) सरकार द्वारा नामजद एक ग्रध्यक्ष; ग्रौर
 - (ख) कलाग्रों, मानव प्रकृतियों तथा फिल्म क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त तथा प्रस्तुतीकरण, निर्देशन तथा तकनीकी मूल्यो सिहत फिल्मों की विषय संबंधी तथा कलात्मक योग्यता को जांचने की योग्यता रखने वाले सरकार द्वारा नामजद ग्रिधिक से ग्रिधिक 24 व्यक्ति।
- 11. श्रध्यक्ष प्रत्येक भाषा की फिल्मों को जांच करने के लिए फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के सदस्यों में से श्रधिक से श्रधिक तीन व्यक्तियों का एक पैनल गठित करेगा। यदि किसी विशिष्ट भाषा में प्रविष्टियों की संख्या तीन से कम होगी तो उस भाषा के लिए कोई ध्रलग पैनल गठित नहीं किया जायेगा। उस वशा में, फिल्म (फिल्में) संबंधित प्रदेश को उस भाषा से मिलती-जुलती दूसरी भाषा के वर्ग में रखी जायेंगी।
- 12. प्रत्येक पैनल उपरिनिर्दिष्ट फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी की बिना श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाली श्रधिक से श्रधिक 3 फीचर फिल्मों की सिफारिश करेगा। तथापि, यदि पैनल की राय में कोई विशिष्ट फिल्म उसके द्वारा जांची गई ग्रन्य फिल्मों से नियम 3.1 (ख) से (इ) तक के श्रन्तर्गत व्यक्तिगत सफलताश्रों के लिए नियत पुरस्कारों के लिए श्रेष्ठता रखती है, तो उस श्रवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।
- 13. नियम 3.1 (इ) के अन्तर्गत बाल फिल्मों के लिए प्रविष्ट फिल्मों की जांच के लिए प्रध्यक्ष द्वारा उपिर- उल्लिखित फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के सदस्यों में से प्रधिक से ग्रधिक 5 सदस्यों का एक विशेष पैनल गठित किया जायेगा जो उक्त राष्ट्रीय ज्यूरी को बिना श्रेष्ठता कम का उल्लेख किये ग्रधिक से ग्रधिक तीन फिल्मों की सिफारिश करेगा।
- 1.4. तत्पश्चात् फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी विभिन्न भाषाई पैनलों घ्रौर बाल फिल्मों संबंधी पैनल ब्रारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेगी घ्रौर नियम 3.1 के घ्रन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।

15 छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी:--

छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी, जिसमें ग्रध्यक्ष सहित 5 सदस्य होंगे, सरकार द्वारा गठित की जायेगी जो सूचना फिल्मों (डाकुमेंन्ट्री), शैक्षणिक फिल्मों, सामाजिक फिल्मो, प्रेरक फिल्मो (व्यावसायिक श्रौर अव्यावसायिक), प्रयोगात्मक श्रीर कार्टून फिल्मो की श्रेणिमो के श्रन्तर्गत प्रविष्टियो की जाच करेगी। ज्यूरी सरकार को श्रपने सिफा-रिश सीधी करेगी।

- 16 नियम 10 श्राँर 15 के वावजूद सरकार दोनो राष्ट्रीय ज्यूरियों में से किसी में भी इतने अतिरिक्त सदस्यों को नामजद कर सकेगी, जितने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समझे जाए कि जिन-जिन भाषाओं की फित्मों की जाच होनी है, उन प्रत्येक भाषा के जानने वाले या विणिष्ट ज्ञान रखने वाले सदस्यों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो। किन्तु ऐसे सदस्यों की सख्या पाच से अधिक नहीं होगी।
- 17. दोनो राष्ट्रीय ज्यूरिया फिल्मो की जाच करने के लिए श्रपनी-श्रपनी कार्यविधि स्वय निश्चित करेगी।
- 18 दोनो राष्ट्रीय ज्यूरियो का कोरम नामजद सदस्यो या उपस्थित ग्रौर बोट देने वाले सदस्यों की सख्या के श्राधे से कम नहीं होगा।
- 19 दोनो राष्ट्रीय ज्यूरियो के सदस्य नियमो के श्रतर्गत स्वीकार्य यात्रा श्रीर दैनिक भत्ते के प्रलावा, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से मवधित बैठको मे उपस्थित होने/फिल्मो के प्रिक्यू के लिए 50 रुपये प्रति दिन की दर मे परामर्श फीस पाने के हकदार होगे।
- 20 इस नियमावली के नियम 3 (4) के श्रन्तर्गत भारतीय सिनेमा के निमित विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कार का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जायेगा जो श्रन्तिम होगा।
- 21. इन नियमों म निहित कोई बात फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी और छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के लिए राष्ट्रीय ज्यूरी के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी स्कीन प्ले लेखक, कहानी लेखक, निर्देशक, कैमरामैन, श्रभिनेता, अभिनेन्नी, बाल ग्रभिनेता, पार्ण्व गायक, सगीत निर्देशक और गीत लेखक पूरस्कार के लिए समुचित स्तर का नहीं है।
- 22 सरकार को यह प्रधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म की एक प्रिन्ट को जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सके। उस प्रिन्ट की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और विधायन प्रभारों की निर्माता की प्रतिपूर्ति की जायेगी। प्रतिपूर्ति तभी की जायेगी जब प्रिट बिल्कुल नई दी जायेगी।
- 23 यदि निर्देशन में उत्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय मर्बोत्तम फीचर फिल्म या दिवतीय गर्बोत्तम फीचर फिल्म या राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म ग्रीर प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त करने वाली फिल्म का भी निर्देशक होगा तो वह केवल एक ही रूप में ग्रधिक नकद राशि वाला पुरस्कार ही प्राप्त करेगा।
- 24 यदि किसी पुरस्कृत फिल्म का निर्माता श्रीर निर्देशक एक ही व्यक्ति हो श्रीर वह दोनो रूपो में पुरस्कार का पान्न 2—76GI/75

- हो तो उसको पुरस्कार या तो निर्माता के रूप मे मिलेगा या निर्देशक के रूप में, दोनो के रूप में नहीं।
- 25 पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्देशक को फिल्म की राष्ट्रीय ज्यूरियों या उनके किसी भी पैनल को सार्वजनिक शो में या ऐसे किसी श्रन्य विशिष्ट शो में जो मरकार द्वारा श्रायोजित किया जाए, दिखाने में कोई श्रापत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई श्राय होगी तो वह मरकार के राजस्व में जमा करवाई जायेगी।
- 26 दोनो राष्ट्रीय ज्यूरियो के सदस्य ज्यूरी की बैठकों की कार्रवाई श्रौर सिफारिशो को गोपनीय समझेगे।
- 27 यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के श्रयोग्य ठहरा दी जायेगी। यदि दोनो राष्ट्रीय ज्यूरियो का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुन्ना पाया गया तो वह ज्यूरी की सदस्यता के लिए प्रयोग्य घोषित किया जा सकेगा।
- 28 पुरस्कारो स्त्रौर इन नियमो के सही मतलब का जहा तक सबध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय स्रस्तिम होगे स्त्रौर उनके विरुद्ध कोई श्रपील नहीं की जा सकेगी।
- 29. पुरस्कार, प्रतिवर्ष पुरस्कार वितरण समारोह में दिये जायेगे जिस की तिथि श्रीर जगह सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।
- 30 जो व्यक्ति इन नियमों के श्रतर्गत फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों में भाग लेगा तो यह समझा जायेगा कि उसने यह नियम मान लिए हैं।

फिल्मो के लिए <u>राष्</u>ट्रीय <u>पुरस्कारो के</u> नियमो का परिशिष्ट

सेवा मे,

निदेशक फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन अनैक्स (कमरा न०392) नई दिल्ली।

<u>फिल्मो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्रविध्यि</u>
1 मैं वर्ष 1974 के लिए फिल्मो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ निम्नलिखित फिल्म प्रविष्ट करना चाहता हूं

- (1) फिल्म का नाम
- (2) वर्गीकरण . फीचर/बाल चित्न/डाकुमैन्द्री/ शैक्षणिक/ सामाजिक/प्रेरक (विज्ञापन)/प्रेरक (श्रव्यावसायिक/ प्रयोगात्मक/कार्ट्न फिल्म
- (3) फित्म की भाषा.
- (4) फिल्म की लम्बाई, गेज श्रीर समय
- (5) रीलो की सख्या
- (6) सादी/रंगीन
- (7) सेन्सर प्रमाण-पत्न मे फिल्म का वर्गीकरण 'ए,' है या 'यू':

- (8) निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन न अौर तार का पता हो तो वह भी देवें):
- (9) निर्देशक का नाम फ्रौर पूरा पता:
- (10) कहानी लेखक का नाम और पूरा पता:
- (।।) स्क्रीन प्ले लेखक/स्क्रिप्ट लेखक का नाम ग्रौर पूरा पता:
- (12) (क) नायक श्रौर नायिका के नाम श्रौर पूरे पर्त.
 - (ख) यदि 16 वर्ष मे कम का कोई वाल ग्राभनेता होतो उस का नाम ग्रौर पूरा पता:
- (13) पार्थ्व गायक का नाम ख्रौर पुरा पता:
 - (क) पार्श्व गायकः
 - (ख) पार्श्व गायिकाः
- (14) कैमरामैन का नाम श्रौर पूरा पता:
- (15) संगीत निर्देशक का नाम और पुरा पता:
- (16) गीतकार का नाम तथा पूरा पता:
- (17) केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा जारी किए गए प्रदर्शन-प्रमाण-पन्न की संख्या धौर तारीख:
- (18) रिलीज होने की तारीख:
- (19) यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुग्रा रूप, रूपान्तर या रिटेक हैं, तो जिम फिल्म का वह डब किया हुग्रा, रूप, रूपान्तर या रिटेक हैं, उसका व्योरा:
- मैने इन पुरस्कारो संबंधी नियमों को पढ लिया है श्रीर मैं उनके पालन करने के लिए सहमत हूं।
- 3. मैं घोषणा करता हूं कि मैं यह प्रविष्टि भेजने के लिए फिल्म के निर्माता द्वारा विधिवत भ्रधिकृत हूं (यह घोषणा उस हालन में करनी हैं जब प्रविष्टि भेजने वाला व्यक्ति निर्माता न हो)।
- (4) में प्रमाणित करता हूं कि यह फिल्म किसी ऐसी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटैंक नहीं हैं जो पहले किसी राजकीय/राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए प्रविष्टि हो चुकी हो, और प्रविष्टि के रूप में जो प्रिन्ट भेजी जा रही है, वह ठीक उसी रूप में हैं जिसमें वह केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की हुई हैं।
- 5. मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि उपरोक्त कथन मेरी पूरी जानकारी श्रौर विश्वास के श्रनुसार सच हैं। तारीख: हस्ताक्षर: स्थान: पता:

नोट: जहां भी कोई सूचना देनी हैं, वह वही होनी चाहिए जो फिल्म के नामोल्लेख में हो। फिल्म का नाम ग्रौर प्रोड्यूसरों निर्देशकों ग्रौर तकनीशियनों, श्रादि के नाम ग्रंग्रेजी ग्रौर हिन्दी दोनों में दिये जाने चाहिये।

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26 दिनांक 31-3-1975

सं० ए० 12026/2/73. सीवन्दी-I—श्री एन० एफ० दिवानी, नेखा ग्रिधकारी, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व कार्यान्य, नई दिल्ली, जो फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में उपनियुक्ति पर थे, दिनाक 1-3-1975 के पूर्वान्ह से उनके श्रपने कार्यालय में प्रतिनियुक्त हुये। फिल्म प्रभाग से कार्यभाग छोड़ने के बाद उनको 1-3-1975 से 30-4-1975 तक 61 दिन की छट्टी मंजूर की है।

एम० के० जैन सहायक प्रशासकीय प्रधिकारी इसे प्रमुख-निर्माता

विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च, 1975

सं० 9/53/60-स्थापना-1—विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक ने इस निदेशालय में स्थायी कनिष्ठ कलाकार श्री बी० बी० बैनर्जी को एतद् द्वारा 17 मार्च, 1975 से ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न चीफ माङलर के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है। पद नियुक्त स्थानापन्न ग्रार्ट एक्जीक्यृटिव (विजुग्रलाइजर) के पद पर नियुक्त किए गई श्री सी० बी० परगनिवा के स्थान पर की गई है।

क्रार० एस० जैन, उप निदेशक (प्रशासन) **क्र**ते विज्ञापन और दृष्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1 अर्प्रैल, 1975

सं० 10-4/75-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने श्रीमती गीताश्री मुखर्जी को केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला में कण्टकनाण अवशेष विश्लेषण के लिए कनिष्ठ रसायनज्ञ के पद पर 18 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 श्रप्रस 1975

सं० 1-21/73-एडमिन-1—-राप्ट्रपति जी ने श्री एस० सुव्वा राव को 5 अक्तूबर, 1972 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में पर्यावरणिक स्वच्छता के सह-प्रध्यापक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 7 स्रप्रल 1975

सं० 1-8/72-एडमिन-1—-प्रिखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान श्रोर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, के प्रणासन श्रधिकारी श्री जी० सी० वसु, श्रधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर 31 दिसम्बर 1974 के श्रपराह्म में सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 11-3/74-एडमिन-1--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेशन को 28 जनवरी, 1975 के पूर्वाद्व से 31 मार्च, 1975 के श्र<mark>पराह्म तक केन्द्रीय स</mark>चिवालय सेवा के प्रथम ग्रेट में स्थानापश्न रूप से नियुक्त किया है ।

राष्ट्रपति ने श्री जी० पचापकणन को उपर्युक्त श्रवधि के लिए रवास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

दिनाक 11 श्रप्रेल 1975

स० 1-6/74-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने कुमारी वडलामणी मुभद्रा को 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म से ब्रागामी ब्रादेशो तक ब्राखिल भारतीय स्वारध्य विज्ञान धौर जन रवारध्य सस्थान, कलकत्ता, में घात्री परिचर्या के सहायक प्रोफेसर के पद पर खर्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनाक 14 अप्रेल 1975

म० 1-17/69-एडिमन-1—म्ब्रखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य सरथान, कलकत्ता के जीव भौतिकी के प्रोफेसर डा० जी० सी० करमरकर, ब्रधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर 31 जनवरी, 1975 के अपराह्म म सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनाक 16 स्रप्रैल, 1975

सं० 33-4/75-एडिमिन-1—-राष्ट्रपति ने सेवा-निवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री एन० एस० कालरा, को 3 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक सफदरजग अस्पनाल नई दिल्ली, में जन सम्पर्क प्रधिकारी के पद पर श्रावितिक रूप में नियुक्त किया है।

स० 17-7/75-एडमिन-1—स्वारध्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के वरिष्ठ विज्ञान सहायक श्री वी० श्रार० मैं नकर को इसी निदेशालय में श्री के० सी० गगल के स्थान पर, जो 28 फरवरी, 1975 तक छुट्टी पर है, 1 जनवरी 1975 के प्विह्न से तकनीकी श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन,

नई दिल्ली, दिनाक 15 श्रप्रेल, 1975

स० 16-17/74-एस-1--मेडिकल स्टोर सगठन मे उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर) श्री गुरमुख सिंह ने सरकारी मेवा से निवृत्त होने पर 31 मार्च, 1975 के ग्रपणह्न को ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनाक 10 स्रप्रैल, 1975

स० 35-9/74-सी० एच० एस०-1---टा० (श्रीमती) मबुर गुप्ता ने श्रपने स्थानान्तरण पर केन्द्रीय सरकार स्थास्थ्य योजना, दिल्ली के श्रन्तर्गत 12-2-1975 के प्रपराह्न का कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी (तदर्श श्राधार पर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 13 फरवरी, 1975 (पूर्वाह्न) को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, में वर्तमान शर्ता पर ही कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनोक 11 स्रप्रैल, 1975

स० 13-2/75-सी०एच०एम०-1--केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० छी० ग्रोठ ग्रेड-1 के प्रधिकारी डा० ए० के० सरकार ने स्था-नान्तरण पर 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म को राजकुमारी श्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, में चिक्तिस्सा प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा उसी दिन केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा कार्यालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-महायक निदेशक (जन स्वास्थ्य) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ग्रो० ग्रेष्ठ-1 की श्रिधकारी डा० (श्रीमती) श्रार० चावला ने स्थानान्तरण पर 19 मार्च, 1975 के अपराह्म को ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, म चिकित्मा प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म को राजकुमारी श्रमृतकौर परिचर्या महा-विद्यालय एन्डरूज गज, नई दिल्ली, में चिकित्सा श्रिधकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

स० 34-46/74-सी •एच०एम०-1----श्रपने स्थानान्तरण के फलस्वरूप डा० ग्वी शकर ने 25 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अन्तर्गत तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभाग छोड़ दिया तथा 25 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशा तक विलिगडन अस्पताल, नई दिल्ली मे इसी पद का कार्यभार वर्तमान शतीं पर ही ग्रहण कर लिया।

रवीन्द्र नाथ तिबारी, उप निदेशक प्रशासन (सी०एच०एस०)

कृषि तथा सिचाई मतालय

कृषि विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनाक 22 मार्च, 1975

स० 5(4)/74-सिब्बदी (प्रथम)—विस्तार निदेशालय के उच्लू० सी० सी० एस० अनुभाग के प्रभारी श्रीधकारी श्री एस० पी० छिब्बर को आयात तथा निर्यात, ज्यापार नियत्नण सगठन में नियंत्रक पद, द्वितीय श्रेणी (श्रकेन्द्रीय सचिवालय मेवा) पर चुन सियं जाने के परिणाम स्वरूप उन्होंने 10-3-75 के पूर्वाह्र से विस्तार निदेशालय में अपने पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

दिनाक 2 अप्रैल 1975

सर्वास्त म्हास्त । 12(9)/79-सिब्बढी (प्रथम) — विस्तार निदेशालय के निम्नलिखित ध्रधीक्षक (ग्रंड प्रथम) दिनाक 23 अगस्त, 1973 से स्पर्य 700-30-760-55-900 ी वेशनगान

में सामान्य केन्द्रीय सेवा द्वितीय श्रेणी (राजपितत) (लिपिक) वर्गीय स्थायी प्रधीक्षक (ग्रेड प्रथम) के पद पर मूल रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

- 1 श्री के० एल० इस्मर,
- 2. श्री कें पी० श्रीनिवासन

दिनाक 3 भ्राप्रैल, 1975

न स० मि० 2(7)/70-सिब्बदी (प्रथम)—श्री हिर शकर गौतम स्पर्य 700-30-760-35-900 के वेतनमान में दिनाक 28 फरवरी, 1975 से 31 मई, 1975 तक विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिचाई मत्रालय, (कृषि विभाग) में अधीक्षक (प्रथम ग्रेड), श्रेणी द्वितीय, (राजपितत) (लिपिक वर्गीय) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ रूप से कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग) विषणन और निरीक्षण निदेशालय (प्रधान शाखा कायांलय) नागपुर, दिनाक 2 अप्रैल, 1975

स० फा० 2/8/75-वि० 11—स० 3 (टी०एल०)/2/65-वि० 11, स० 3(44)/9/72-वि० 11, स० 5/11/69-वि० 11, स० 2/8/70-वि० 11 तथा भारत के राजपत्न भाग 111 खण्ड 1 दिनाक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1843) को प्रकाशित ग्रिक्षसूचना के ग्राशिक भ्यान्तरण में श्री एस० के० साभरवाल, सहायक विपणन ग्रिधकारी के नाम को, उक्त ग्रिधसूचना में जहां कहीं भी श्राया हो, रद्द समझा जाए।

स० फा० 2/8/75-वि० II--भारत के राजपत्न मे प्रकाणित और स० 125, 126, 127 दि० 15-9-1962, स० 1131, 1132 दि० 7-8-1965, स० 448 दि० 14-3-1964, स० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965 भारत सरकार के वित्त मल्लालय (राजस्व विभाग) की श्रिधसूचना के लिए मैं एतद्द्वारा श्री के० सूर्यानारायन, सहायक विपणन श्रीधकारी को इस श्रीधसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, इलायची, मिर्च, श्रदरक, हल्दी, खाने के श्रालू, प्याज, लहसुन और दालों के मम्बन्ध में जिनका श्रेणी करण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रौर चिह्न) श्रीधनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के श्रधीन सूत्रीकृत सबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के श्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

संश्र फार्र्थ 2/8/75-विश् 1I—भारत के राजपत्न में प्रकाणित और सर्श 1 25, 126, 127 दिश् 15-9-1962, सर्श 1131, 1132 दिश् 7-8-1965 भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की अधिमूजना के लिए मैं एतद्द्वारा श्री ईश्र एस्श पाउलोंगे, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूजना के

जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, इलायची, मिर्च, अदरक और हत्दी के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण भ्रौर चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूत्रीकृत सबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण भ्रौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हु।

स० फा० 5/11/69-वि० II—जी० एस० श्रार० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965, जी० एस० श्रार०-448 दि० 14-3-1964, स० 124 दि० 15-9-1962, जी० एस० ग्रार० 1421 दि० 18-1963, स० 12 दि० 9-6-1945, स० 1 कैम्प दि० 5-1-1946, स० 6 दि० 5-2-1949, स० 64 दि० 17-6-1961, स॰ 1130 दि॰ 7-8-1965 ग्रौर भारत के राज-पत्न में प्रकाणित भारत सरकार के वित्त मत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रधिसूचनाश्रो के लिए मैं एतदृद्वारा श्री बी० एस० भारद्वाज, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से प्याज, लहसून, दाले, खाने के ग्रालू हड, तम्बाकू ग्रौर तेन्दू के पत्ते के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के ब्रधीन सूलीकृत श्रीर समय समय पर यथासशोधित प्याज, लहसुन, दाले, खाने के भ्रालू, हड, तम्बाकू श्रीर तेन्दू के पत्ते के श्रेणीकरण ग्रौर चिह्नन नियमो के उपबन्धो के ग्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हु।

फरीदाबाद, दिनाक 11 श्रप्रैल, 1975

स० फा० 4-6(84)/75 प्रशा० I---सघ लोक सेवा आयोग की सस्तृतियो के श्रनुसार श्री एन० बी० वर्दे, को विपणन एव निरीक्षण निदेशालय में नागपुर में दिनाक 25 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेण होने तक, स्थानापन्न श्राधार पर सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-तृतीय, नियुक्त किया गया है।

> एन० कं० मुरालीधरा राव, कृपि विपणन सलाहुकार

परमाणु उर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद, 500040 दिनाक 4 श्रप्रैल, 1975

स० नाईस/प्रणा०/22/12/422—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री श्रनन्त बन्धु गुहा को 15 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हँदराबाद, मे श्रस्थायी रूप से, स्टेशन श्रिधकारी नियुक्त करते है।

> एस० पी० म्हान्ने, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1975

सं० ए०-38013/1/74 ई० सी०—-प्रभारी प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, भाषनगर के कार्यालय के श्री ए० डी० एच० कारवेलो सहायक सचार श्रधिकारी ने मूल नियम 56(ट) के अधीन मरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 27-1-75 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

एतद्ढारा इस विभाग की 26-2-74 की ग्रिधिसूचना संख्या ए०-38013/1/74 ई० मी० रह की जाती है।

स ० ए०-32013/9/73 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रिधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से ग्रमले ग्रादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उनके नामों के सामने दिए गए पदो पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है

<u>-</u> क्रम	नाम श्रीर	पद जिस पर	नियुक्ति की	तैनाती स्टेशन
स०	पदनाम	नियुक्त की ग	र्द तारीख ————————————————————————————————————	

	9		
1. श्री के० राम-	वरिष्ठ तकनीकी	20-1-75 ਵ	
लिगन, तकनीकी	र् <u>य</u> ाधकारी	ŧ	iचार स्टेशन
ग्रधिकारी ।		7	क्लकत्ता
2. श्री एस० के०	वरिष्ठ संचार	2-5-74	वैमानिक
गुप्ता, संचार	ग्रधिकारी	सं	वार स्टेशन,
अधिकारी		क	लकत्ता
3. श्री स्रार० पी०	वरिष्ठ संचार	7-5-74	वैमानिक
शर्मा, संचार	ग्र धिकारी	संः	चार स्टेशन,
ग्रधिकारी ।			कलकत्ता

सं० ए० 12025/1/74-ई० एस०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक विमानन निरीक्षकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है.

	 	 तेन	ाती स्टेशन
 श्री यू० पी श्री जे० ग्रा वेदी 	12-2-75 15-2-75	निरीक्षण का काय नियंच्चक निरीक्षण	वैमानिक

सं० ए.०-38013/1/75 ई० मी०—संचार नियंत्रक, वैमानिक सचार स्टेशन, कलकत्ता के कार्यालय के श्री आई० लाल रौरा, सहायक संचार अधिकारी ने निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 जनवरी 1975 (अपराह्त) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनाक ग्रप्रैल 1975

सं० ए० 38012/1/75-ई० सी०---निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्निखिखित श्रिधिकारी 28 फरवरी, 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है। कम सं० नाम, पदनाम श्रीर तैनाती स्टेशन

- 1. श्री ए० के० मित्रा, नियंत्रक संचार, कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम-52।
 - 2. श्री वी० डी० राव, वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी, रेडियो निर्माण एव त्रिकास, एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

दिनाक 5 अप्रौल 1975

स० ए० 32014-1/74-ई० सी०:—-राष्ट्रपति ने नागर विमान नन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी सहायको को उनके नामों के सामने दी गई तारीखो से स्रगले श्रादेश जारी होने तक अस्थायी रूप में सहायक तकनीकी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

क्रमसं० नाम	•	तैनाती का बैमा- निक संचार स्टे- शन		
सर्वश्री				
1. मुख्तियार सिह	1-3-75	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता		
2. ए म० के० चटर्जी	10-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन, इंफाल		
3. प्यारा सिंह	3-1-75	र्वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता		
4 सी० एन० महादेव	14-3-75	वमानिक सचार स्टेशन, पालम		
5. टी० ग्रार० मेनन	4-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता		
 एम० डी० रगानाथन 	2-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास		
7. वाई०पी०भाटिया	22-1-75	वैमानिक सचार स्टेगन बारापानी शिलांग		
8. बी० ग्रार० राव	1 0-1-7 5	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई		
9. एम० ग्रप्पा राव	7-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास		

हरबन्स लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1975

सं ए०-32013/1/7 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री श्रार० एस० गोयला वरिष्ठ तकनीकी श्रीधंकारी को 29 मई 1974 से श्रगले श्रादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया।

दिनांक 25 मार्च 1975

सं० ए०-32013/1/74-ई० सी०---राष्ट्रपति ने श्री वी० एस० श्रायर, सहायक संचार श्रिधकारी, बैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास को स्थान।पन्न रूप से 19-9-1974 (पूर्वाह्म) से, श्री एन० सुन्दरम, संचार श्रिधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन त्रिवेंद्रम, जिनकी छुट्टी स्वीकृत की गई के स्थान पर, वैमानिक संचार स्टेशन (विवेंद्रम में तदर्थ श्राधार पर संचार श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया ।

सं ए०-32013/1/74 ई० सी०—-राष्ट्रपति ने श्री डी० एस० श्रीवास्तव, सहायक तकनीकी श्रीधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन नई दिल्ली को स्थानापन्न रूप से 12 दिसम्बर, 1974 से श्री के० पी० वी० नायर तकनीकी श्रीधकारी, जिनकी छुट्टी स्वीकृत की गई, के स्थान पर केन्द्रीय रेडियो स्टिगरेज डिपो, नई दिल्ली में तदर्थ श्राधार पर तकनीकी श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया।

सं० ए०-32013/1/74 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० सी० नाथ, सहायक निदेशक संचार स्थानपन्न रूप से 17 मई 1974 (पूर्वाह्म) से श्री बी० चन्द्रशेखरन, उप निदेशक संचार जिन की छुट्टी स्वीकृत की गई, के स्थान पर नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) नई दिल्ली में तदर्थ घाधार पर उप निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया।

सं ए०-32013/1/74-ई० सी०---राष्ट्रपति ने श्री एल० पी० सामुल, सहायक तकनीकी श्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को स्थानापन्न रूप से 30 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से श्री एम० एन श्रधुर, तकनीकी श्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई, जिनकी छुट्टी स्वीकृत की गई, के स्थान पर उसी स्टेशन पर तकनीकी श्रधिकारी के पद पर तदर्ष आधार पर नियुक्त किया।

दिनांक 4 श्रप्रैल 1975

(शुद्धि-पत्न)

सं० ए०-32013/5/73-ई० सी०—नागर विमानन महा-निदेशालय के 27 फरवरी, 1975 की श्रिधसूचना मं ए० ए० 32013/5/73 ई० सी० में "श्री एस० के स्वामी श्राय्यर" का नाम संशोधित रूप में "श्री एस० कृष्णास्वामी" **यदा** जाए।

> हर<mark>बंस लाल कोह</mark>ली उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 मार्च 1975

सं० ई०(1) 06562—वेधगालाखों के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधगालाखों के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एस० एन० कथूरिया को पहली मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से श्रीर आगामी आदेशों तक स्थाना-पन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० एन० कथूरिया, वेधगालास्रो के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05102—विधणालाम्रों के महानिदेशक एतद् द्वारा व्यवसायिक सहायक श्री जी० वर्धराजन की जो कि ग्रभी विश्व मौसम विज्ञान पंगठन के मुख्य कार्यालय, जेनेवा में तकनीकी ग्रिधकारी के प में प्रतिनियुक्त हैं, 9 दिसम्बर, 1974 से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक इस विभाग में भारतीय मौसम सेवा, श्रेणी-II (केंद्रीय सेवा, श्रेणी दो) में सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर प्र-पत्न पटोझति का ग्रनुमोदन करते हैं।

> नूतन दास, मौसम विशेषज्ञ, **क्वते** वेधणालाश्रों के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1975

सं० 1/251/75-स्था० :— श्री एम० एम० शर्मा, स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, नई दिल्ली शाखा को 13 मार्च 1975 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले, महानिदेशक।

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय ' बडौदा, दिनांक 20 जनवरी 1975

स० 1/75 श्री एम० एम० ग्रन्ताणी, स्थायी मुख्य लेखा ग्रिधकारी, केंद्रीय उत्पादन गुल्क, वर्ग-II बड़ौदा 30-9-1974 के ग्रवराह्न से निवर्तन पेंशन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं, उनकी जन्म तिथि 6-9-1916 है।

न० वे० मंजाना _समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वडौदा प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमुतगर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रल 1975

निवेश नं० अमृतसर/पी एच जी / एपी-10/75-76--यत: मुझे थी० श्रार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, भौर जिसकी संख्या धरती है तथा जो खलवाड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, प्रतिफल से ऐसे दुश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अघिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मनोहर लाल सुपुत्र सन्त लाल जनरल ग्रटानी श्राफ श्री कृष्ण लाल उर्फ किशन लाल सुपुन्न सन्त लाल मार्फस कलकत्ता मैटिंग हाउस लोहा मण्डी रोड, फगवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री साधु सिंह पुत्र श्री दसोन्दा सिंह निवासी गांव मानक तहसील फग- वाङ्ग (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह अयिक्त, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1094 अगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० श्रार० सागर, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 10- 4- 75

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रप्रैंल 1975

निदेण नं० ग्रमृतसर / टी टी एन / एपी-11/75-76—
यतः मुझे वी ० ग्रार० सागर, ग्रायकर
ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो 1/61 एम सी 168/
237 198/274 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी,
के कार्यालय, तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्रगस्त तथा
नवम्बर, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, जब, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-ग के अनुसरण में, फैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री धर्म सिंह सपुत्र ब्रात्मा सिंह सुसुत्र लाभ सिंह, करतार सिंह सुपुत ब्रात्मा सिंह, नेहरु गेट, ब्रमृतसर रोड तरनतारन अत्र 206 मैंक्टर 15-, चण्डीगढ। (अन्तरक)
- (2) श्री परमजीत सिंह ब्राहुजा मुपुत्र सुन्दर सिंह मार्फत मैंसर्ज सुन्दर सिंह, इन्द्र सिंह, ब्राटा चक्की बाला ब्रम्तसर रोड, तरनतारन। (ब्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा सम्पत्ति मे रहने वाले आदमी (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) कोई न्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3504 श्रगस्त 1974 तथा 4266 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी तरनतारन में है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 10 -4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय भोपाल

तारीख 11-4-75

निर्देश नं० एस० प्रार० / इन्दौर / 30-8-74--- श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पषचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० मुनिय्पल मकान है, जो पिजराबाखल में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30-8-74

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 - ग के ग्रनु-मरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269- ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात् :— 3—76GI/75

- (1) श्रीमती देवकरन वाई पति श्री बृजलाल 65, हरीगंज खण्डवा (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सूरजवाई पति श्री बाबू लाल राठौर रमेण चन्द्र राठौर इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सुचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

मुनिश्पल मकान नं० 90 पिजरा बाखल इन्दौर

एम० एफ० मुन्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, भोवाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगाल दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश नं० एस० श्रार० / रीवा/ 5- 8- 74 --श्रतः , मुझे, एम० एफ० मुन्शी स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रिधिनियम, कहा गया है । की धारा 269-ख

के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं 1560 / 0.05 है, जो रीवा में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रीवा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों ग्रथीत्:-

- 1. श्री बान्धवेण महाराजा साहब बहादुर मार्तण्ड सिंह जूदेव तनप भूतपूर्व महाराजा गुलाब सिंह निवास- किला रीवा तह० हुजूर जिला रीवा (2) श्री अञ्चुदानन्द मिश्रा उर्फ स्वामी जी तनप सूरज दीन मिश्रा भ्रामाहिया रीवा तह० हुजूर जिला रीवा । (श्रन्तरक)
 - 2. श्री रामनदास तनप चौथराम (2) जवाहर लाल तनप रामनदास निवास-धोधर रीवा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं ० 1560 / 0.05 एलोगिष्य विल्डिंग गजरथ खाना नं ० 10/326 रीवा तह० हुजूर।

एम० एफ० मुन्न्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनाँक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० भ्रार० / उज्जैन / 26- 8- 74-- म्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनयिम' कहा गया है)।

अधीन की धारा 269-ख के सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान है, जो कालीदास मार्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह), रजिस्ट्रिकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अग्तरिती । रा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री चम्पालाल पुत्र व छाजी गोराना ठेकेदार निवास कालीदास मार्ग उज्जैन (भ्रन्तरक)

3961

(2) जानकी लाल पुत्र छगन लाल त्रिवेद्वी चीफ यैल फेग्रर ग्राफीसर गवालियर रेयन सिल्क मिल्स (भ्रन्तरिती) बिरला नगर नागदा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसुची

पार्ट मकान बियरिंग एम० नम्बर 6/15 कालीदास मार्ग माधव नगर- उज्जैन

> एम० एफ० मुंशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भोपाल

दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० श्रार० / मुरैना / 28- 8- 74 — श्रतः, मुझे, एम० एफ० भुन्शो, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं मकान श्रीर दुकान है, जो जीवाजीगंज में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मुरैना मे रिजस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में लिए सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ठाकुर दास पुत्र जयसरन खन्नी पंजाबी निवास-दत्तपुरा भुरैना काशीराम वर्मा पुत्र ठाकुर दास मुरैना (श्रन्तरक)
- (2) श्री लालजीत सिंह रामदथाल सिंह पुत्र मेघा सिंह राजपूत निवास गांव खण्डौली (म्रन्तरिती) तह० जौरा -जिला मुरैना निवास- ब्लाक नं० 76 एम० मकान नं० 47/ 4 जीवाजी गंज मुरैना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान श्रौर दुकान मण्डी कमेटी ब्लाक नं० 76 एम मकान नं० $47 \mid 4$ जीवाजी गंज मुरैना।

एम० एफ० मन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भोपाल

दिनांक 11- अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० श्रार० / रायपुर / 8-8-74-- श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शो, श्रायकर ग्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो टेकरापारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर मे रजिस्ट्रीकृत श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः, श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्:—

- (1) श्री कृषान प्रकाष पुजारी पुत्र श्री गोपाल पुजारी निवास- सदर बाजार रायपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मानिक लाल चन्दूलाल मौमानी रायपुर (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी श्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि खसरा नम्बर 276 पोर्शन ऐरिया 1.15 गांव टेकरापारा रायपुर।

> एम० एफ**० मु**न्शी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11- 4- 75

प्ररूप भाई० टी० एन• एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

भोपाल

दिनौंक 11-4-75

निदेश सं० एस० श्रार० / बुरहानपुर / 22-8-74: — श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्ही श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रधिनियम, कहा गया है की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी

की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है श्रीर

जिसकी सं० भूमि है, जो शाहपुरगांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 22-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रम उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:---

- (1) श्री किशन फिकरा चौधरी निवास- गांव रावेर तालुका रावेर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्यारे लाल श्रथराम गावेर निवास गांव शाह-पुर - वुरहानपुर वेस्टनिमाङ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि बनी हुई गांवशाहपुर तहबुरहानपुर एरिया - 6.13 एकड़।

> एम० एफ० मुन्सी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11= 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 11-4-75

निदेश सं० एस० धार० / ग्वालियर / 30-8-74 — अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ध्रधिनियम कहा गया है)। की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से अधिक है थ्रौर जिसकी सं० एगरींक चन भूमि है, जो महलगांव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में भारतीय रिजस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 30-8-74

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार

मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तथिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

श्रतः अब उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री भागरसर कारपिट भीर रेक्स मन्यूफेक्चरिंग कम्पनी लक्कर ग्वालियर (श्रन्सरक)
- (2) मैसर्ज श्री हरी ग्रोम् ट्रिडिंग कम्पनी इन्द्रगंज लश्कर ग्वालियर (ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

एगरीकंचन भूमि बनी हुई महलगांव ग्वालियर

एम० एफ० मुन्सी, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 11- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोवाल

भोपाल, तारीख 11-4-75

निदेश सं० एस० श्रार० / भोपाल / 12-8-74:---श्रत:, मुझें, एम ० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनयिम कहा गया है। की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से अधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० प्लाट है, जो लिल्ली टाकीज में स्थित है ृ(ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान लिए के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य,

उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

₹~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्निनियम, के अग्नीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम उक्त श्रक्षिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में उक्त श्रिविनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् ः⊸

- (1) श्री मती निर्मिला गुप्ता पति श्री विन्नोद चन्द्र गुप्ता निवास सुल्लानिया रोड, भोपाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शान्त निरंनकारी मंडल दिल्ली-8 द्वारा राम-सरन दास

पुत्र सरदार निहाल सिंह सैक्ट्री शान्त निरंनकारी मदन-लाल दिल्ली 8 (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके</mark> पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राधा भाग पश्चिम की तरफ प्लाट बना हुन्ना जवावित लाइन पास में लिल्ली टाकीज , भोपाल

> एम 0 एफ 0 मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीझ) श्रर्जन रेंज भोपाल

ता**रीख** : 11 4- 75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-भ्र (1) के भ्रषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल तारीख 11-4-75

निदेश सं० एस० ग्रार० | विलासपुर | 23-8-74:—
यत., मुझे, एस० एफ० मुन्शी ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनयम, कहा गया है।) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5/9 है, जो मसान गंज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण ख्व से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफृल, के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के भिवीत कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः घव उक्त धिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--4--76Q1/75

- (1) श्री 'ग्रेंगोक राष पुत्र राधवैन्द्र राव, निवास ...गोड़पारा,बिलास पुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री बन्द्रीसिंह पुत्र छविलाल सिंह ठाक्टर पारा (2) बलराम सिंह निकास - पार बिलास पुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

्रजन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्रम्बद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यों घौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीट नं० 24 प्लाट न० 5/9 बना हुग्रा मसान गंज बिलास पुर

> एम० एफ० **मुन्सी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० ए**न० एस•**—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) कार्यालय भोपाल

तारीख 11-4-75

निदेश सं एस० आर० / उण्जैन / 5-8-74 -- मतः, मुझे, एम एफ० मुन्धी आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मिधिनियम, कहा गया है।

की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं अकान न 145 है, जो पुग्वारा चौक में स्थित है (और इससे उपावस मनुसूची में मौर पूर्ष रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकृत शिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है सौर भूसे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निष्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम, के अधीन कर देने के असारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा या या किया जाना चाहिए वा, फिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपवार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती विमला वेन विधवा मणीलाल शाह (2) श्री विपन कुमार (3) तरेश कुमार

- (4) प्रफुल कुमार पुत्तगण श्री मणीलाल शाह (5) ग्रहणवेन पुत्ती मणीलाल शाह निवास बहायुर गज उज्जैन (6) प्रमिलावेन पुत्ती मणीलाल शाह निवास ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री जगवीश राम पुत्र मधुरादास जी जुनेजा निवास फुव्वारा चौक , उज्जैन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 15 विन की अवधि या धत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान न० 145 फुब्बारा चौक जज्जैन

एम० एफ० मुल्ली, सक्षम प्राधिकारी, सहासक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 11-4-75 मोहर . प्ररूप आई० टी० एम० एसव----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीम सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), कार्यालय भोपाल

सारीख 11- 4- 75

निवेश सं० एस० घार० / इन्दौर / 26-8-74:—— घतः, मुझें, एस० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधनियम कहा गया है।

की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० मकान न० 5 है, जो बढ़ा सराफा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इस्वौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 26-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उंचित बाजार मृ<mark>स्य से कम के</mark> कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यद्यापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित सहें मा उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीम करदेने के अक्तरक के विधित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जामा बाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, उन्स अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अजीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्री ग्रानम्बीलाल पुत्र बन्ग्रीनारायण (2) नस्यू लाल पुत्र केवल राम कपेल (3) बालमुक्तुन्द , हरीनारायण वित्तीहा सागली देवास (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लीलाबाई पति सूरज मल जैन निवास 21/1 रेस कोर्स रोड, इस्वीर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्ववाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखितं में किये जा सकेंगे।

स्वधीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्धों भीर पदों का, जो उक्त निविधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बड़ी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुजूषी

मकान न॰ 15 वंदा सराफा , इन्दौर एरिया ,1057 सक्वायर फीट

एम० एफ० मन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

वारीच 11-4-75

मोहरः

प्रक्ष नाईं ठी० एन • एस • ---

बायकर शिक्षिपियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के श्रश्लीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय भोपाल

तारीख 11-4-75

निवेश सं० एस० भ्रार० नरसिंह पुर / 6-8-74 — मतः, मुझें, एस० एफ० सुन्शी श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रीधनियम, कहा गया

- है) की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्रिध्कारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं से प्रधिक है और जिसकी सं भूमि है, जो करपगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नरसिंह पुर में भारतीय रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रिधीन, 7-8-74
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बङ्गार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएप्र तय पाया गया तिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के मिन्नीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्सक्ते बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राम या किसी घन या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए।

मतः घव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रिप्तिनयम, की धारा 269-म की उक्कारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों मर्थात:—

- (1) श्री छमश्लाल (2) उमांशंकर (3) ग्रम्बिका सरत करप गांव गाडरवारा, जि रिसंहपूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हलकी बाई पत्नी श्री शंकर सिंह राजपूत रोड करपगांव गाडर बारा, जिला नरसिंहपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूर्यमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां जुक करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैम के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रांशितयम, के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रर्ज होगा, जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

बनकुची

टोटल भूमि ऐरिया 17.08 गांव करण गांव गांडरवारा नरसिंह पुर

> एम० एफ० मुन्यी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

नरूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाख, दिनांक 11 धप्रैल 1975

निदेश सं० एस० श्रार० / इन्दौर / 28-8-74 -- श्रतः, मुझें, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'जक्त श्रिधिनियम' कहा गया है!) की धौरी 260 ख के श्रिधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो वेनकटेंस मार्किट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 28-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की अर्च है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री गुलाब चन्द पुन्न रामचरन निवास 122 पालसी कर कालौनी इन्धौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मिनोचा पुक्ष श्री कान्तीलाल रावल निवास नयापारा न० 1 मकान न० 4 इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, यथा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कन्सट्रेंक्सेन प्लाट नं० 26 वेनकटेस मार्किट इन्दौर

एम० एफ० मन्गी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० ग्रार० / सतना / 8-8-74 — पतः, मुझें, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत ग्रीधिनियम, कहा गया है,

की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० भकान है, जो कोतवाली रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:--

- 1. (1) श्री बालमुकुन्व पुत्र बलदेव साव (2) श्रीमति देवरथी पत्नी बल्देवप्रसाद (3) श्रीमती मुझी बाई पुत्री बल्देवप्रसाव सतना (धन्तरक)
- 2. (1) श्री माधव दास पुत्त घरतमल (2) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी श्री धर्मदास (3) श्री हीरानम्ब पुत्र श्री शोभराज पजवामी निवास बार्ड तं० 15, सतना (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके धूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ शुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 48 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारी से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त निधिनयम, के अध्याय 20-क में यवापरिजाणित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रनुतुची

मकान पक्का भीर कच्चा नें० 903/1031 नं० 4 भीर 16 नया-मकान नं० 48/1031 कोतवाली रोड सतना

> एम० एफ० मुन्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज, भोपाल भोपाल, विनाक 11 अप्रैल 1957

निवेश सं० एम ० ग्रार० / उज्जैन 30-8-75 :--श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुग्शी ग्रायकां ग्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनयिम, कहा गया है)

की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान है, जो जवाहर मार्ग में स्थित है (ग्री इससे उपावद प्रमुस्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 30-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारच है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उत्तके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्

प्रतिश्रत प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती

(अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के किए और/या;
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स मिस्तियम, या धनकर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भतः ग्रय उक्त भधिमयिम, की धारा 269-ग के ध्रनुसर में, मैं, उक्त भधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--

- (1) श्री हीरा लाल पिता प्रताप चन्द नादेचा जवाहर मार्ग खाचरोद (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार नादेचा पिता हीरा लाल नादेचा जवाहर मार्ग खाचरोद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान स्युनिसिपल नं० 18 (पुराना नं० 317) जवाहर मार्ग खाचरोद जिला उज्जैन

> एम० एफ० मुंशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार० / जबलपुर / 8-8-74— ग्रत: , मुझे, एम० एफ० मुन्शी ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स्त्र के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रोपर्टीज है, जो गोली आजार वार्ड में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः ग्रब उक्त ग्रधिनयिम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मै, उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269ध की उपधारा उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों , श्रर्थात्

- (1) श्रीमती खिलौना बाई पति भगवान दास जैन द्वारा भूपेन्द्र कुमार जैन पुत्र ऋषभवास बास जैन गोलबाजार वार्ड सतन विल्डिंग जबलपूर (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री ग्रनिल कुमार (2) सुनील कुमार (3) श्रजय कुमार (श्रन्तरिती) पुत्र श्री राजाराम सिघई द्वारा माता श्रीमती बनारसी बाई श्राजाद रानी सिघई पति राजाराम सिघई निवास-664, सरार्फी बार्ड जबलपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टीज विपरिंग नं० 317 श्रीर 318 गोली बाजार वार्ड जबलपुर ।

> एफ० एम० मुंगी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर [']श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रेल 1975

निर्देश सं० एस० श्रार० / गुना/ 2-8-74 — ग्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्यी श्रायकर ग्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनयिम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है, 'जो ग्रशोकनगर में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1-8-74

को उचित पूर्वोक्त सम्पत्ति के वाजार मे कम के दुश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनयिम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , ग्रर्थात् :--5---76GI/75

- (1) मुरेण नन्द (2) नरेश चन्द (3) चन्देश कुमार पुत्र डालचन्द जैन निवास दिदरई प्रशोक नगर जिला गुना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रदीप कुमार पुत्र सुमेर चन्द्र नावाणक गुरेदीन पिता सुमेर चन्द ग्रशोक नगर गुना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --दसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बेना हुन्रा वार्ड नं० 4 ग्रणीक नगर जिला गुना

एमण्ड्फ---्रुना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप • श्राई • टी • एन • एस • —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 11-4-75

निदेश सं० एस० श्रार० | इन्दौर | 8-8-75— श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर प्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-घपे से मधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान है, जो सिन्धी कैट कालौनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 8-8-74 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महय से कम के वश्यमान प्रति-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्रत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए : क्नैर/या

आय या किसी धन या अन्य आस्तियों प्राप्ति कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269- ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्वक्तियों, ग्रर्थात् :→

- (1) श्री नन्दिकिशोर पुत्र कौमराम शर्मा निवास रावजी बाजार मैन रोड म० नं० 53 इन्दौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विसन दास पुत्र दौलत राम (2) दौलत राम पुत्र धर्मदास निवास 12 जैल रोड इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियौँ णुरू करना हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीफरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मर्जिल मकान प्लाट नं० 12 जय श्री सिन्धी कैंट कालौनी इन्दौर

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 1,1- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनॉक 11-4-75

निदेशसं० एस० श्रार० / इन्दौर / 28-8 74 --- अतः, मुझे, एम ० एफ० मुन्शी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० प्लाट नं० 8/6 है, जो महेण नगर कालौनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-8-74 को

का 16) के ग्रधीन, 29-8-74 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री हरिहर नाथ शर्मा 40 राजमोहल्ला इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) श्री जमनादार महता (2) वृजवल्ला वेहदार महता महता (3) हरीदार महता (4) नारायनवर महता पुत्र गढ़ श्री किशन चन्द महता 11/3 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की अवधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 8/6 महेश नगर कालौनी इन्दीर

एम० एफ० मृत्यो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन• एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनॉक 11 अप्रैल 75

निदेश सं० एस० भार. / उज्जैन / 5- 8- 75 --- यतः,

मुझे, एम० एफ० मुन्हीं श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त घिष्टित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं प्रमान का हिस्सा जो सखी पुरा मार्ग में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकृत श्रिधनियम, 1908 (1908 का16) के

भ्रधीन, **5-8-7**4

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनयिम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों , श्रयीत्:—

- (1) श्री सुभाष चन्द पुत्र कैलाण चन्द महाजन (2) संतोष चन्द्र (3) अनुल कुमार - पुत्र गढ़माता अजाद कुमारी लक्ष्मी बाई मार्ग-उज्जैन (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला बाई पति राजेन्द्र कुमार जैन लखेरावेटी वस्त्राखाना उज्जैन (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान का हिस्सा मुनिश्पल नं० 2.989 बना हुग्रा भ्रम्बा प्रसाद तिवारी मार्ग सखीपुरा मार्ग उर्ज्जन

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज भोपाल

तारीख : 11- 4- 75

प्ररूप श्राई • टी • एन • एस • -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण),

श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 11 श्रर्पल 75

निदेश सं० एस० ग्रार० / भोपाल / 8-8-74 --- यत:,

मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/~ रुपये से अधिक है

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से अधिक है भीर जिसकी म० मकान है, जो टी० टी० नगर में स्थित है। (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकृत ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, 8-8-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य के द्श्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती के बीच ऐसे अन्तरण (अन्तरितियों) तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्नियम, के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रथीत्:~

- (1) श्रीमती भीला गुप्ता विधवा श्री मुकुट लाल गुप्ता निवास - 49 टी० टी० नगर भीपाल (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कपूरी देवी गुप्ता पित श्री जगदीश चन्द्र गुप्ता निवास टी० टी० नगर भोपाल (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान श्रीर प्लाट न० 49 टी० टी० नगर सोदिग सन्टरी - भोपाल

> एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल

नारीख: 11- 4- 75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 अप्रैल 75

निदेश नं ए | 1974-75 | जालन्धर -- यत: मुझे, रिवन्द्र कुमार आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीधिक है श्रोर

जिसकी सं० है तथा जो में स्थित इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री तारा सिंह पुत्न गणेश सिंह गांव सतीवाल (ग्रन्तरक)

(2) श्री तेजा सिंह, बन्ता सिंह, बलदेव सिंह पुत्र खुदरायें सिंह गुरबद्धा सिंह पुत्र मगर सिंह (श्रन्तरिती)

- (3) जैसे कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (कः) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा धाद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजि॰ डीड 5548, श्रगस्त, 1974 रजि॰ श्राफिसर जालन्धर में लिखाई है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23- 4- 75

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रल 1975

निदेश सं० एस भ्रार० / रायपुर / 12-874 — ग्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट र, जो भाटापारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्रण ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 12-874

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उन्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनु-सरण में, में, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रथित् :-- 1, श्री रणछोड़ भाई वृज भाई गुजराती फर्म रण छोड़ भाई द्वारा गुजारती राइस मिल्स रायपुर

(भ्रन्तरक)

2, श्री लखीराम पुत्र कैंदारनाथ श्रम्रवाल फर्म मुरेश चन्द संतोष कुमार रायपुर भाटापारा (2) श्रीमित रामकली वाई पित हरकेशदास अग्रवाल भाटापारा (3) श्रीमित गीता देवी पित सत्यनारायण श्रम्रवाल (4) श्रीमित मनभावती देवी पित मदन लाल अग्रवाल (5) श्रीमित संतोष वाई पित ज्ञानी-राम अग्रवाल निवास विद्या उपनगर विलासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, इबाक के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट राइस मिल्स भाटापारा बड़ौदा बाजार रायपुर

एम० एफ० मुंशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 11- 4- 75

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 75

निदेश सं एस० ग्रार / रायपुर / 12-8-74 — ग्रातः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट, जो भाटापारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकृत श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 12-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अग्नियम, के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

- (1) रण छोड़ भाई पुत वृज भाई गुजराती राइस मिल्स भाटापारा (श्रन्तरक)
- (2) लखीराम पुत्र कैंदारनाथ श्रग्रवाल फर्म सुरेणचन्द्र भाटापारा (2) श्रीमित रामकली बाई पति हरिकणन दास श्रग्रवाल भाटापारा (3) श्रीमित गीतादेवी पति सत्यनारायण श्रग्रवाल (3) श्रीमित मनभावती देवी पति मदनलाल श्रग्रवाल (5) श्रीमिति संतोष बाई पति ज्ञानीराम श्रग्रवाल सभी निवास विद्या उपनगर बिलामपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट राइस मिल्स भाटापारा वलौदा बाजार जयपुर

एम० एफ० मुंशी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11- 4- 75

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० ग्रार० / भाटापारा / 12-8 74-- श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी 'श्रायकर श्रधिनयिम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रधिनयिम, कहा गया है) । की धारा के श्रधीन प्राधिकारी 269-ख सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० प्रोपर्टीज है, जो भाटापारा में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भार-तीय रिजस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 12-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पायः गयः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत : ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीस् :——6—76GU/75

- (1) श्री रणछोड़ भाई पुत्रबृजभाई गुजराती, फर्म रणछोड़ भाई गुजराती राइस मिल्स रायपुर (अन्तरक)
- (2) श्री लखेराम पुत्र कैदार नाथ श्रग्नवाल फर्म सुरेग धन्द संतोप कुमार भाटापारा तह० वड़ौदा बाजार (2) श्रीमित रामकली वाई पित हरिकशन दास श्रग्नवाल भाटापारा (3) श्रीमित गीतादेवी पित सत्यनारायण श्रग्नवाल (4) श्रीमित मनभावती देवी पित भदनलाल श्रग्नवाल (5) श्रीमित संतीषी बाई पित झानी राम, राइस मिल्स रायपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रमधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्स ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनमची

प्साट ग्रीर सुपर स्ट्रक्टर ग्राफ राइस मिल्स (गुजरात राइस मिल्स) भाटापारा बड़ौदा बाजार रायपुर।

एम० एफ० मुंशी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 75

निर्देश सं० एस० श्रार० / इन्दौर / 26-9-74--यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्धी श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-ष के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर श्रौर जिसकी स० प्रोपर्टीज है, जो मैन रोड इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपावज्व श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) श्री रमेश पुस्र दत्तरिया दिगें सी- 6 यज्ञवस्त सोसाइटी ए० मी० रोड गाट कोपर बम्बश-66 (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश घन्द्रापुत बाबू लाल वहीटी 68 नरसिंह बाजार इन्दौर (श्रन्तरिती)
- (3) श्री दौलत राम शर्मा 23 पलासिया मैंन रोड इन्दौर (यह न्यक्ति, जिहके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- श्री सरद पुत्र दत्तारियदिंगे 36 सला पारवती हाउमिंग कौपरेटिय सोसाईटी कालडोगरी लाइन श्रुप्धेरीं ईस्ट अम्बई

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितधद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अझोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अमुभूची

पार्ट श्रौर प्रोपर्टीज बनी हुई 23 प्लासिया मैन रोड इन्दौर ऐरिया—8960 सन्वायर फीट

> एम० एफ० मुंशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

नारी**ख** : 11-4-75

भोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 11 अप्रैस 1975

निदेश सं० एस० ग्रार० | इन्दौर | 26-8-74-- यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्धी ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रोपर्टीज है, जो मैंन रोड, प्लासिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-8-74

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात्:-

- (1) श्री रमेश पुत्र दत्तरया दिगही सी-6 श्री यशवंत सोसाईटी एम० जी० रोड गाटकोपर बम्बई (2) सरद पुत्र दत्तरया दिगही 36 सत्यपारवती हाउसिंग कोआपरेटिव सोसाईटी कोलडोबारी लाइन अन्धेरी इस्ट बम्बई । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्रा पुक्ष बाबू लाल बहुनी 68 नरिसह बाजार इन्दौर (श्रन्तरिती)
- (3) श्री दौलत राम शर्मा 23 प्लासी भैन रोड इन्दौर (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध भें कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्ट प्रोपर्टीज बनी हुई 23 लासिया मैंन रोड इन्दीर। एरिया 7900 सक्वायर फीट

> एम० एफ० मुन्सी सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11 - 4- 75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० श्रार० / उज्जैन / 30- 8- 74-श्रत:, मुझे, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है) ।

की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु० से अधिक है
भीर जिसकी सं० म्युनिपसिल है, जो दौलतराम गंज में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयिम 1908 (1908 का 16)
के श्रधीन 30-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोइन्त विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के ध्रिधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भवधारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269-ध कगउपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित भ्यक्तियों , श्र्यात्:--

- (1) श्री राधाकिशन पुत्र कन्हैया लाल (2) रमेश चन्द (3) वृजेस पुत्र राधा किशन निवासी दौलत गंज उज्जैन (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रशोक कुमार पुत्र सुगम चन्द निवासी बड़ा नगर उज्जैन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

म्युनिसिपल मकान नं० 2, 1026 दौलत गंज उज्जैन।

एम० एफ० मुत्शी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 11- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० एस० श्रार०/इन्दीर/30ू-8-74—श्रतः, मुझे एम० एफ० मुन्णी श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० म्युनिसिपल ह, जो नन्दलाल पुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 30-8-74

को पूर्वोक्स सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

- (1) श्री मागीलाल पुत्र बाब्लाल निवासी 6 नन्दलाल परा इन्दौर (प्रन्तरक)
- (2) जमुनाबाई पति मायाराम निवास 38 यशवंत रोड इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 6 तीन मंजिला सब्जी मण्डी नन्दलाल पुरा, इन्दौर ।

> एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 11-4-75

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1975

Acq. File No. 177/I. No. I(102)/VSP/74-75.—
यत: मुझे, K. Subbarao
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से

अधिक है और जिसकी सं०

Block No. 7 Asst. No. 22492 Waltair uplands है जो Visakhapatnam में स्थित है (ग्रीर इससे

उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में

रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

ग्रत अत्र, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग of the said Act के श्रनुसरण में, मैं, said Act की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- D. N. Dhody, Project Manager, Humphreys & Glasgow Consultants (P) Ltd., Gammon House, Savankar Marg, Pubhadevi, Bombay-400025.

(अन्सरकः)

(2) Goda Rukmini G-18, Sector-2, RURKELA-6 (Orissa).

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality—Asst. No. 22492—Layout plot No. 30—Block No. 7—Waltair ward—600 Sq. Yds.

BOUNDARIES

East: 30 ft Road as per layout plan South: Plot No. 29 as per layout plan West: Compound wall of Virginia House North: Plot No. 31 of the layout plan.

> K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक: 15-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1975

Acq. File No. 176/I. No. I(109 & 110) VSP/74-75.— यत: मुझे K. Subbarao

भ्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संठ 28-10-75 Suryabagh, Visakhapatnam है जो Visakhapatnam में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15~8-1974

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना श्रोर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:──

- (1) B. Chinayya, Contractor, Visakhapatnam (Transferor)
- 1. Koliuru Sitaram Being minor by guardian father Kolluru Krishnamurthy, Vizag-2.
- 2. Kolluru Gopal being minor by guardian father K. Bulli Nobbaiahsetty Vizag-4, (Transferce)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिक अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वस्तीकरण :--इसमें प्रुयक्त णक्दों और पधौं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality—Allipuram ward—Suryabagh—Block No. 47—T. S. No. 1678—Plot No. 28—Door No. 28-10-7—A.C. Sheets house—169 Sq. Yds. extent.

BOUNDARIES

East: Compound wall of this property & House of Neelam setty's family

South: Compound wall of state of God

West: Road

North: Property belongs to this door number.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी, राहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, Kakinada

तारीख: 14---3---75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1975

Acq. File No. 175/J. No. I(99)/VSP/74-75-- यत: मुझे K. Subbarao *बाय*कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम,' नहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 43-8-5 Subbalaxminagar है, जो Subbalaxminagar में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 15-8-74 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण 'लखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) Shri Vankayala NookarajU Opposite to C.B.M. High School, Visakhapatnam

(Transferor)

(2) Shri Puvvada Chendxamauli,

General and fancy stores, Visakhapatnam

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality—Visakhapatnam town—Allipuram ward—Subbalaxminagar—Block No. 20-21—T.S. No. 321—322 and 323—Plot No. 121—Door No. 43-8-5—Building with site 600 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East: Tiled house of Uppada Tata South: Site of Bodda Applanarasaish

West: Municipal road

North: Daba house of Sri Satyanarayan

K. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, Kakinada

दिनांक : 14-3-1975

भोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 मार्च 1975

Acq. File No. 174/J. No.I(230)/KR/74-75-

यतः मुझे, K. Subba Rao

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 11-24-74 Bhavannarayana Street है, जो Vijayawada में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-8-1974 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्थमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अत:, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

S/shri

- (1) 1. Anisetty Madavarao, Agent, Andhra Bank, Amaravati.
 - 2. A. Saibaba, S/o A---Madvarao, Andhra Bank, Amravati,
 - 3. A. Eswara Chendra Vidya Sagar S/o Madavarao, Amaravati,

- 4. A. Anjaneyulu, Dy. Superintendent of Police, Narasapur.
- 5. A. Bhavani Prasad being minor by guardian father Anjaneyulu.
- 6. A. Swarajyam, W/o Late Venkateswararao, Begumpeta, Hyderabad.
- 7. Anisetty Usha.
- 8. Anisetty Geeta,
- 9. Anisetty Kanaka Durga 7,8,9 being minors by guardian mother Swarajyam.
- 10. A. Satyanarayanarao, S.B. Asst. A.O.B., Sakeen Hyderabad.
- 11. A Sivarao alias Naguriah, Provident fund dept. C/o Sawaswati Talkies, Baburajendraprasad road, Vijayawada.
- 12. A. Chandramouli, I.T. Dept. Nizamabad.
- 13. A. Girija Prasad.
- 14. A. Yasodar 13 & 14 minors represented by father Chendramouli.

(Transferors)

- 1. Jonnalagadda Venkateswarlu, Vijayawada.
- 2. J. Srinivasa Kumar, Being represented by father Ven-

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

Krishan District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada Municipality—Vijayawad Town—Rev. Ward No. 7—Block No. 1—N.T.S. No. 4—Municipal ward No. 11—Door No. 11-24-74—Bhayannarayana Street—Vijayawada.

Boundaries

East: Bhavannrayan Street 10.6 ft.

South: Building of Gondesi family 60 ft. West: Site of K. Radhakrishna murthy 30.6 ft. North Building of K. Bhavannarayana 60 ft.

> K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक: 14-3-1975

मोहरः

7-76GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1975

Acq. File No. 181/J. No. 1(359)/KR/74-75-मत:, मुझे, K. Subbarao म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुय 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी संo Door No. 11-4-30 Rajavari Thota है जो, Guntur में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Guntur में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-8-1974 सम्पति के उम्रित मुल्य **पुष्यमा**न से प्रतिफल लिए कम अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित श्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. Sri Pillari Govindaraj S/o Kannaiah Naidu
 - 2. P.G. Prabhakar, S/o Govindaraj, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri Syed Salahuddin, S/o Mohiyuddin, Guntur.
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए ' एतवृक्षारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यजा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

Guntur District—Guntur Taluk—Guntur Town—Kothapeta Station Road—Municipal Old ward 5—New ward No. 20—Block No. 8—Old T. S. No. 649—New T. S. No. 1300—Asst. No. 9255—Door No. 11-4-30, 4182-6-0 Sq. Yds. building situated in it.

BOUNDARIES

East: Railway Station Road

South: Kusuma Haranath Timber depot site

West: Municipal Road; and

North: Municipal Road and properties of Narla Penchalaiah & Madasu Rangaiah.

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada

तारीख: 22-3-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० फिलौर / 74-75-- यतः मुझे रवीन्द्र क्मार भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्द्रीकृत नम्बर 6004 श्रगस्त 1974 को लिखा है तथा रुरका खुरद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से में वर्णित रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को प्रवॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के अनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने

मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान के प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से ध्रधिक है धौर यह कि ग्रन्तरक (ध्रन्तरकों) धौर भ्रन्तरिती (ध्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रीघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री लछमन सिंह गुरबचन सिंह सपुत्र श्री बन्ता सिंह उर्फ जोगिन्द्र सिंह, गांव रुरका खुरद तहसील फिलौर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाश कौर मार्फत नाभाराम मसन्दपुर, बड़ा पिंड , तहसील फिलौर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर दो उपरोक्त में लिखा है, (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उपरोक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के शिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उम्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो आयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि एक कनाल जो रुरका खुरवा में स्थित है जैसा कि पंजीकृत अधिकारी फिलौर के पंजीकृत नम्बर, 6004 जो अगस्त, 1974 में पंजीकृत हुई ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्छर ।

तारी**ख**: 31-3-75

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी० फिलौर / 74-75 ----, यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि पंजीकृत संख्या 6005 जो ग्रगस्त 1974 को लिखा गया है तथा रुरका खुरद में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित **ग्रधिकारी के कार्यालय**, रजिस्द्रीकर्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक भौर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री लखमण सिंह गुरवचन सिंह सपुत्र श्री बन्ता सिंह, उर्फ जोगिन्द्र सिंह, गांव हरका खुरद, तहसील फिलौर (श्रन्तरिती)
- (2) श्री रामप्रताप ससुत्र नाभाराम, मसन्दपुर, बड़ा पिड, तहसील फिलौर (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 उपरोक्त में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उपरोक्त सम्पत्ति में रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी । क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो आयकर श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कनाल भूमि का टुकड़ा, जो गांव हरका खुरद में स्थित है जैसा पंजीकृत संख्या 6005, श्रगस्त, 74 जो पंजीकृत श्रधिकारी फिलौर के कार्यालय में पंजीकृत कराई गई।

रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-375

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए पी / नवांशहर / 74- 75- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार अधिनियम आयकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत संख्या 2550 अगस्त, 74 को लिखा गया है तथा जो नवांशहर में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय , नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के द्रस्यमान प्रतिफल से कम के लिए और मुझो अन्तरित की गई है यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

पतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के घनुसरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

- (1) सतलुज लैण्ड फाईनैन्स प्रा० सि० जालन्धर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री चरणी सिंह कशमीर सिंह सपुत्र श्री श्रीराम, नवांशहर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 उपरोक्त में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उपरोक्त सम्पत्ति में रूजि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक कनाल भूमि का दुकड़ा जो नवांशहर में स्थित है भ्रौर पंजीकृत संख्या 2550 भ्रगस्त 1974 को पंजीकृत कार्यालय, नवांशहर के कार्यालय में पंजीकृत कराया गया है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31-3-75

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए पी / नवांशहर / 74- 75-- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)

श्रायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है)। की धारा 269-ख के श्रधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि पंजीकृत संख्या 2543 श्रगस्त, 74 का लिखा गया है तथा को स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रयांत:—

- (1) श्री दर्शन सिंह सपुत्र नानक चन्द इस्यादि नवांशहर तहसील वंगा (श्रन्तरक)
- (2) दर्शन सिंह सपुत्र ईशर सिंह नौरावली तहसील गढ़शंकर (अन्तरिती)
- (3) जैसा संख्या दो उपरोक्त में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ऐसा कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस मरले भूमि का टुकड़ा जो ग्रगस्त 74 को संख्या 2543 को पंजीकृत कार्यालय नवांसहर में पंजीकृत हुई।

> रवीम्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 31 मार्च 1975

निदेश सं० एपी / जासन्धर / 74-75— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया हैं), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि पंजीकृत संख्या 5719 अगस्त, 1974 को लिखा गया है तथा को किंगरा जालन्धर में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अगस्त , 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अविनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की वारा 269-च की उपवार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री विश्लोक सिंह सच्चर , 481 एस , माडस टाउन, जासन्धर (श्रन्तरक)
- (2) चौधरी हौसिंग और्गेनाईजिंग जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा संख्या 2 उपरोक्त में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ऐसा कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचिं रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उदत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त सक्दों श्रीर गदी का, जो उक्त अग्निनयम, के अध्याय 20-क में यवापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विया गया है।

अनुसूची

4 कनाल 14 मरले भूमि का टुकड़ा जो अगस्त 74 को संख्या 5719 को पंजीकृत कार्यालय, जालन्धर में पंजीकृत हुआ ।

> रवीन्द्र कुमार, समक्ष श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्घर ।

ता**रीख** : 31-3-75

प्रारूप आई० टी० एम० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए पी/ जालन्धर / 74-75— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

कुमार
आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पण्जात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या जैसा कि पंजीकृत संख्या 5718 अगस्त 74
को लिखा गया है तथा को किंगरा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित् :---

- (1) श्री हरभजन सिंह , सपुत्र विलोक सिंह , जालन्धर (ग्रन्तकर)
- (2) चौधरी हाऊसिंग स्रार्गेनाईगिंज , जालन्धर (स्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि संख्या 2 उपरोक्त में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ऐसा कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 कनाल 8 मरले भूमि का टुकड़ा जैसा कि त्रिलेख संख्या 5718 श्रगस्त, 1974 को पंजीकृत ग्रधिकारी कार्यालय जालन्धर में पंजीकृत हुन्ना ।

> रवीद्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजेन रेंज, जालन्धर ।

तारी**ख : 31-3-**75

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए पी / जालन्धर / 74- 75 — यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि विलेख संख्या 5720 श्रगस्त, 1974 है तथा किंगरा खुरद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम, के म्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या धन ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीतः— 8—76QI/75

- (1) श्री गुरचरन सिंह सपुत्र त्रिलोक सिंह 481 एल माडल टाउन जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) चौधरी हाउसिंग भ्रार्गेनाईजिंग जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि संख्या 2 में लिखा है । (बह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है
- (4) ऐसा कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति आक्षोप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 मरला भूमि का टुकड़ा जैसा विलेख नम्बर, 5720 श्रगस्त 74 को पंजीकृत श्रधिकारी कार्यालय जालन्धर में पंजीकृत हुग्ना ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख 31-3-74 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975 निवेश सं० ए पी / जालन्धर / 74-75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका 25,000 रु० से ग्रिधिकहैं उचित बाजार म्ल्य श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5733 श्रगस्त 1974 को लिखा है तथा गांव रेट टाऊ रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रौरइससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित् बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई मुझो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त का उचित बाजार म्ल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रुप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीतः—

- (1) कुमारी स्वैण लता पत्नि बनारसी दास जालन्धर (म्रन्तरक)
- (2) भ्रार० डी० स्टील इल्डस्ट्रीज टाडा रोड, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

4 कनाल 15 मरले जो कि गांव रेट में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर के विलेख नं० 5733 ग्रगस्त 1974 को दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 31-3-75 मोहर : प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज, जालन्धर तारीख 31-3-75

निदेश नं ० ए पी/ जालन्धर/74-75- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार भ्रधिनियम, 1961 (1961 भ्रायकर 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से प्रधिक है उचित बाजार मुख्य श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 5665 ग्रगस्त 1974 को लिखा है तथा को संशन कोर्ट रोड जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या

कथित नहीं किया गया है:----

(ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत: भ्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) रूप लाल श्रग्नवाल सपुत्र चरन दास जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री करान्ती कुमार (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर के विलेख नं॰ 5665 प्रगस्त 1974 में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31 - 3- 75

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्राय्यत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 31- 3- 75

निदेश नं० ए पी/ जालन्धर / 74- 75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार भ्रायकर श्रिधिनियम, (1961 1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 5664 श्रगस्त 1974 को लिखा है तथा को बस्ती शेख जालन्धर में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अगस्त , 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार को पर्वोक्त कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर धन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित महीं किया गया है: ---

- (क) भ्रन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीधिनियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922(1922 का11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--

- (1) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र बेला सिंह सपुत्र नरायण सिंह बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मेहर सिंह सपुत्र दीवान सिंह सपुत्र रामसिंह बस्ती गोख जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिविनयम, के अध्याय 20-फ में यथा परिभाषित है, बही प्रयं होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 कनाल 11 मरले जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर के विलेख नं० 5664 श्रगस्त , 1974 में दर्ज है।

> रिवन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31- 3- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर तारीख 31-3-75

निदेश नं० ए पी | जालन्धर | 74-75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर, 5600 ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा नकोदर रोष्ठ जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री रघुवीर सिंह सपुत्र ज्वाला सिंह फैन्सी वाच कम्पनी रैनक बाजार जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) संतोष कुमारी पत्नि अस्करण लाल मकान नं० 9 न्यू सुराजगंज जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति, है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 10 मरले जैसा कि नकोदर रोष्ड जालन्धर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर विलेख मं० 5600 प्रगस्त 1974 में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर तारीख 31-3-75

निदेश नं ० ए पी / जालन्धर/ 74- 75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से भ्रधिक है भौर जिसकी स० जैसा कि रजिस्द्रीकृत नं० 5582 भ्रगस्त 1974 को लिखा है तथा को सैंगन कोर्ट रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रगस्त , 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रयीन कर दैने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) भ्रधीम, निम्निचित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) श्री रुपंलाल भ्रम्नवाल सपुत्न चरण दास 471 मोता सिंह नगर, जालन्धर (म्रन्तरक)
- (2) श्री करान्ती कुमार 176 बावा विल्डिंग, जी० टी० रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रोप पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर के विलेख नम्बर, 5582 श्रगस्त 1974 में दर्ज है।

> रिवन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरवार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए० पी० / जालन्धर / 74-75—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

श्रायक्रअधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, भ्रागस्त, 1974 को लिखा है तथा बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से. कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र बेला सिंह सपुत्र नरायण सिंह दानिशमन जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री विजय इंजीनिरिंग वर्क्स वस्ती मेख जालन्धर कवल जीत सिंह के द्वारा (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल 7 मरले जो कि वस्ती शेख जालन्धर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर के विलेख नं० 5575 ग्रगस्त 1974 में दर्ज है।

> रविन्दर कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 31- 3 75

निदेश सं० ए० पी० जालन्धर / 74-75 — यतः मुझे, रिबन्द्र कमार

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 5572 श्रगस्त 1974 को लिखा है तथा को चक हुसैन लमो पिड जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

भ्रत: अब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- (1) श्रीमती तारा पितन राज सपुत्र सुन्दर चक हुँसैना लमां पिड जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) पवन कुमार गुष्ता सपुत्र श्रमरनाथ 77, श्रर्जन नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (बहव्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल $6\frac{1}{2}$ मरले जो कि चक हुसैनालमा पिड जालन्धर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर विलेख न 5572 श्रगस्त 1974 में दर्ज है 1

> रविन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख 31- 3- 75

निवेश स० ए पी / जालन्धर / 74-75- यतः मुझे, रविन्त्र भुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से घ्रधिक है श्रौर जिसकी स० रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 5571 श्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा को चक हुसैन लमा पिण्ड जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय , जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित माजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास, करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्यम उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- (1) श्रीमती तारा पत्नि राज सपुत्र सुन्दर चक हुसना लमा पिंड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अविनाश कुमार सपुत्र श्रमरनाथ सपुत्र पूर्ण चन्द 227, अर्जन नगर जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यण्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1 कनाल $6\ 1/2$ मरले जो कि चक हुसैना लमा पिंड जालन्धर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर के विलेख नम्बर, 5571 श्रगस्त, 1974 में वर्ज है।

रविन्द्रं कमार सक्षम ध्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31- 3- 75

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस•----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय तारीख 31-3-75

यतः मुझे रविन्द्र कुमार भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है धौर जिसकी सं0 जसा कि रजिस्ट्रीकत नम्बर 5402 अगस्त 1974 को लिखा है तथा को भ्रमर गार्डन वार्ड पास जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख **ग्र**गस्त, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है फ्रौर मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः ग्रंब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत:—

- (1) शाम कुमार सपुत्र सतपाल जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धर्मचन्द भण्डारी सपुत्र देसराज श्रीमति ललित भण्डारी इलाहाबाद वर्क सिविल लाईन जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध है)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त तत्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पवों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि 1 कनाल 17 मरले 198 फुट जोकि श्रमर गार्डन वाईपास जालन्धर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर के विलेख तम्बर, 5402 श्रगस्त 1974 में दर्ज है।

रविन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख : 31-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 31-3-75

निदेश नं ए पी / जालन्धर / 74-75--- यतः मुझे, रिवन्द्र कुमार भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 5395 भ्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा को लाजपतनगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974 को उचित पुर्वोक्स सम्पत्ति के मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ष्मीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आंधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गुरचरन सिंह जोहल, 342 लाजपत नगर जालन्धर (प्रन्तरक)
- (2) श्री हरविन्द्र कुमार सपुत्र हरभगवान दास सपुत्र संत लाल, राम स्वरुप एण्ड कम्पनी मण्डी फेन्टवेगंज जालन्धर (श्रन्तरिती
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पित है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्नोस्हताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पित में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जी उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रेजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5395 मगस्त, 1974 की दर्ज है।

> रिवन्द्र कुमार, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा 31- 3- 75

निदेश नं० ए पी / जालन्धर / 74- 75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर 43) अधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर, 5382 श्रगस्त 1974 में लिखा है तथा को भ्रर्जन नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1974 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमित बिमला देवी उर्फ विमलवती पत्नि राम-प्रसाद सपुत्र सुरजलाल जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मंगत राम सपुत्र श्रमरनाथ जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटकिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 11 मरले जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के विलेख नम्बर, 5382 श्रगस्त, 1974 में दर्ज है।

> रिवन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 31- 3- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

निदेश नं० ए पी / जालन्धर / 74- 75-- यतः मुझे,

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

रिवन्द्र कुमार
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीम सक्षम श्रिधिकारी की
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर, 5293 श्रगस्त,
1974 को लिखा है तथा को महल रोड नजदीक
रेडियों स्टेशन जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता

कृधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री किरपाल सिंह जन्द्र सपुत्र मेला सिंह नूर महल तहसील फिलौर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमित कनजीत कौर सपुत्री वन्ता सिंह गसीत-पूरा तहसील तरन तारन जिला भ्रमृतसर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो र्ब्याक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों, का जो उन्ह श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 16 मरले 48 फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर के विलेख नम्बर, 5293 ग्रगस्त, 1974 में दर्ज है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 31 मार्च 1975

निदेश नं० ए० पी० / जालन्धर / 74-75-- यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 南 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 5062 भ्रगस्त 1974 को लिखा है तथा को 270, सैन्ट्रल टाउन में स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-म के अमुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्रीमित कान्ता श्रग्नवाल पत्नी श्री रुपलाल श्रग्नवाल 270, सैन्ट्रल टाऊन जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री कान्ती कुमार संतोष कुमार 176, बस्ती बायाखेल जी० टी० रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा उपर 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उपरोक्त सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जो कि पंजीकृत भ्रधिकार जालन्धर के पंजी-कृत नम्बर, 5062 पर भ्रगस्त, 1974 में पंजीकृत हुमा ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31-3-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1975

निवेश नं० ए० पी० / जालन्धर/74-75 -- यतः मुझे, अधिनियम रवीन्द्र कुमार श्रायकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5192 श्रगस्त, 1974 जो लिखा तथा दिलक्श में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यारय , जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल सिए से कम गई है भ्रोर मुझे विष्वास धन्सरित की यह करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:—

- (1) श्री करम सिंह मोवी पुत्र श्री बसन्तसिंह जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र दौलत सिंह स्नार० श्रो० सकाद पिंड जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में दर्ज है (वह व्याक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो भी व्यक्ति, जो ऊपर लिखी सम्पत्ति खरोदना चाहता है वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

जक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीखा 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10 की भूमि का 1/3 हिस्सा, दिलकुणा बाजार में पूजीकृत नं० 5192 पर पूजीकृत श्रधिकारी जालन्धर द्वारा पूजीकृत हुआ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** 31-3-75 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनौंक 31 मार्च 1975

निदेश नं० ए० पी०/जालन्धर ---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत नं० 5024, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय है तथा को सिविल लाईन जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय , रजिस्दीकृत अधिकारी जालन्धर में रजिस्दीकरण म्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख ध्रगस्त 1974 को के उचित बाजार मूल्य से कम के पुर्वोक्त सम्पत्ति वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अघिनियम, के अघीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

महीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तिमों, सर्पात्:---

- (1) श्री स्वेंण सिंह सपुत्र लाभसिंह सिविल लाईन जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरदयाल सिंह सपुत्र गुरवेव सिंह कूका पिंड तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में स्थित है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद फिसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास मिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो भायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रीध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रीध्याय में विया गया है।

अभुसूची

1/3 भाग दुकान का जो कि दिलकुशा मार्कीट जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 31-3-75 मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज जालन्धर

जालन्धर तारीख 31- 3-75

निदेश नं० ए पी न०/जालन्धर यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 भग 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० रजिस्ट्री न० 5001 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर मे दर्ज है तथा को में स्थित है इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर दूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से काथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए, ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

भ्रतः स्रब उक्त स्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रथीत :--- 10-76G1/75

- (1) श्री कृष्ण लाले सपुत्र श्री भगवान दास बीखत दास सपुत्र श्री चौधरी राम राष्ट्रीय बर्तन भण्डार चोक सूदा जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोबिन्द राम सपुत्र भगवान दास जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में स्थित है (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में स्म्पत्ति हैं.)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवादिया गुरु करता हू।

उक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्यब्हीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

धरती का टुकडा ,जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5001 श्रगस्त 1974 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय मे दर्ज है

रवीन्द्र कूमार सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज जालन्धर ।

तारीख: 31- 3- 75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर तारीच 31-3-75

निदेश नं० ए० पी० नं०/74-75--- यतः मुझे, रचीन्द्र कुमार भ्रधिनियम, पायकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० रिजस्ट्री नं० 5027 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में दर्ज है तथा को में स्थित है (धौर इससे उपायद धनुसूची में घौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालम्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 軒 16) मधीन, भगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्वमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

पतः प्रव 'उन्त विधिनियम,' की धारा 269-ग के घनुसरण में, मैं, 'उन्त घिधिनियम,' की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नितिखित व्यक्तियों प्रयोत्:—

- (1) श्रीमती सरस्वती बेवा श्री राम लाल जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) भाटिया कापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाईटी जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में दर्ज है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर के विलेख नं० 5027 जालन्धर में दर्ज है।

> रवीन्द्र कूमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 31-3-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 31-3-75

निदेश सं० ए पी/ जालन्धर / 74-75 — यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 5021 प्रगस्त 1974 को लिखा है तथा सिविल लाइन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जालक्कार में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अधीत:—

- (1) श्रीमती काम्ता अग्रवाल पत्नी श्री रूपलाल 270 सैन्ट्रल टाऊन जालन्धर (ग्रन्सरक)
- (2) श्री कान्ती कुमार सन्तोष कुमार 176 बाबा बिल्डिंग जी टी रोड जालन्धर (अन्तरिकी)
- (3) जैसा कि नस्बर 2 में लिखा है (वह स्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में दिख रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह भूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येथाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, केअध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूचा

धरती का दुकका जैसा कि रजिस्ट्री नं० 8021 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालग्बर में दर्ज है।

> रवीन्त्र कृमार सक्षम घिषकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज आलन्धर ।

तारीख : 31~3-75

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जनरेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3:1- 3- 75

निदेश स० एंपी / जालन्धरं / रे4- 75 — 'यतः मुझं, रवीन्द्रं कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ दर्भ प्रधिक है

जिसकी स० पंजीकृत नम्बरं 5175 श्रास्त, 1974 को लिखा है तथा को जालन्धर में स्थित है । (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रधीन, 'तारीख श्रास्त, 1974 को

भगस्त, 1974 की को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई हिस्सी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनू-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा के अधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री मुकब्बर सिंह बलवीर सिंह पुत्रं श्री नन्द सिंह बस्ती बाबा खेल जालनधर (ग्रन्तरक)
- (2) वेद प्रकाश पुत्रश्री देसराज जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी श्रादमी जो ऊपर की सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

ं उनत संस्पत्तिके सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में यदा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 कन्नाल 5 मरला भूमि जो कियूंजीकृत नम्बर, 5175 अगस्त, 1974 को पूँजीकृत श्रिधकारी जालन्खर द्वारा पंजीकृत हुई ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जालन्छर ।

तारीख : 31- 3- 75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 31- 3-75

निदेश न० ए पी / जालन्धर / 74-75 — यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है ग्रीर

जिसकी स० क्रिजिस्ट्रीकृत न० 5162 अगस्त , 1974 को लिखा है तथा को में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त , 1974 को

पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) गिश्रानी शंकर सिंह पुत्र श्री बाल सिंह जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्वंण कौर पत्नी गुरदेव सिंह कुकड़ पिड जालन्धर (श्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है (बह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी स्रादमी जो ऊपर की सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्नोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतरं उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 10 का 1/3 हिस्सा दिलकुशा , बाजार जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 5162 रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर के दफ्तर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीखा : 31-3-75

बायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा

269-**ष** (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर (भ्रायुक्त) निरीक्षण भर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 31-3-75

निदेश न० ए पी / जालन्धर / 74-75 — यतः मुझे, रवीन्त्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत न० 5074 ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा को बस्ती वाबा खेल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को

प्रधान, ताराख ग्रगस्त, 1974 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिये भन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक
(भन्तरकों) भौर शन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

मत: मन उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) भिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:—

- (1) श्री मुख्तयार सिंह बस्ती बावा खेल जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल सपुत्र श्री नन्द लाल बस्ती बाबाखेल जालन्धर (ग्रम्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 उपरोक्त में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी ऐसा व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी- करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गध्दों और पर्वों का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 5074 श्रमस्त 1974 में दर्ज है रिजस्ट्रीकृत प्रविकारी जासन्धर

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 31-3-75

प्रक्ष आई० टी० एस० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायेकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनोक 31 मार्च 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० --यतः मुझे, रवीन्द्र क्यार ग्रधिनियम. 1961 (1961 आयकर 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उम्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5312 भ्रगस्त, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी है तथा को जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबक भगुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-1908 (1908 का 16) के प्रधीन, करण ग्रधिनयिम, को पूर्वोदस सम्पत्ति के उचित श्रगस्त, 1974 बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जोर मह कि अग्तरक (अग्तरकों) और अग्तरिती (अग्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ज की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्घात :---

- (1) श्री रघबीर सिंह , सुखर्चन सिंह सपुत्र श्री उद्यम-सिंह गांव दकोहा जालन्धर (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती करतार कौर पत्नी बचन सिंह गांव दकोहा खुरद जिला जालन्धर (ग्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में दर्ज है (बह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जो कि इण्डिया मैंटल वर्क्स होशयारपुर रोड जालन्धर में दर्ज हैं रजिस्ट्री नं० 5312 ग्रगस्त, 1974 जालन्धर में दर्ज हैं ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम भ्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31-3-75

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंघर, तारीख 31 मार्च 1975

निदेश सं० ए पी ० जालन्धर—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर भ्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वसस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5216 ध्रगस्त 1974 में लिखी हैं (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ध्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री रचुबीर सिंह सपुत्र श्री उधम सिंह गांव दकोहा, जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र श्री मगल सिंह मार्फत इण्डिया बुंड एण्ड मैंटल वर्कस जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग्र में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्द्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो उक्त अग्नि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती काट्कड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5216 ग्रगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 मार्च, 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, तारीख 31 मार्च 1975

निदेश नं० ए पी ० जालन्धर— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री नं० 5039 में दर्ज है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी आसरत, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (मः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) रामप्रकाश सप्त्र श्री रामलाल जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) भाटिया कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाईटी जालन्धर (ध्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 0 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उदरा सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब**ड किंसी** अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री नं० 5039 **जालन्धर** मे दर्ज है;

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 31 मार्च 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 31 मार्च, 1975

निदेश न० ए० पी०/जालन्धर -- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार **धायकर ध्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है और जिसकी स० रजिस्ट्री 5126 जालन्धर न ० (भ्रोर इसमे 1974 में **दर्ज** है तथा उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण **ग्र**धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रगस्त, 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और भन्तरक (ग्रन्तरको) भौर धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रस्य भ्रास्तियों का, जिन्हे भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सुविधा के लिए ;

ग्रत:, श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श्र की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात -

- (1) श्री लखबीर सिंह सपुत्र श्री कपूर सिंह 186 सैशन कोर्ट रोड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह रंधावा सपुत हरबन्स सिंह रंधावा गाव रफाता कपूरथला (ग्रन्तिरती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति ये रुजि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्तिके श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती का टुकडा जैसा कि रिजस्ट्री न० 5126 ग्रगस्त, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है ।

> रबिन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 31 मार्च, 75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 31 मार्च 1975

निदेश नं ए० पी० नं०/जालन्धर--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार **भ्र**ायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं 5125 भ्रगस्त, रजिस्द्रीकर्ता **श्र**धिकारी जालन्धर में दजे (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्दीकरण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम **के पृक्यमान** प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार प्रस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धयापूर्वोक्त सन्यत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनयम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों, को जिम्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्विनियम या धन-कर प्रश्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्वा के लिए।

ग्रत : ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत :—

- (1) श्री सखवीर सिंह सपुत्र कपूर सिंह 286 सैंशन कोर्ट रोड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अजीत सिंह सपुत्र हरबन्स सिंह रफाताँ जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं०2 में दर्ज है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो र्थ्याक्त सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तं धिधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि, धरिजस्ट्री नं 5125 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है 1

> रवीन्त्र क्रुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखा: 31 मार्च 1975

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालंधर तारीख 31 मार्च, 1975

निवेश सं० ए पी / जालन्धर - यतः मुझे, रबीन्द्र कमार मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया 269थ के ग्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है ग्रौर सं० रजिस्ट्री नं० 5109 (ग्रगस्त, 1974) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ध्रगस्त, 1974 को के उचित बाजार मृत्य सम्पत्ति के के दृश्यमान प्रतिफल लिए यह की गई है और **मन्त**रित विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित ्याजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल प्रतिफल से ऐसे दुश्यमाम पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क्र) धन्तरण के हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) अमर्रासह सपुत्र श्री धुटो गांव गोपालपुर तहसील श्रीर जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रणधीर मुन्जी सपुत्र श्री रामनारायण 393 न्यू जवाहर नगर जालन्धर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत्ति के <mark>अर्ज</mark>़न, के:लि**ए** कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (छ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हित्वक किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5109 ग्रगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्त्र कुमार, सक्षमः प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 31 मार्च 1975

भायकर श्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याझय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/जालन्धर

जालंधर, तारीख 31 मार्च 1975

निदेश सं० /जालन्धर--यतः मुझे, रवीन्द्र क्मार आयकर अधिनियम, (जिसे (1961 का 43) इसमें पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-₹० से अधिक जिसकी सं० रजिस्ट्री नं 5117 ग्रगस्त, 1974 रजिस्ट्री-अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है (भ्रौर इससे उपाबक अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा(1) के अधीन निम्निखिकित स्पक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री श्रमर सिंह सपुत्र दिलतार गांव गोपालपुर श्रलियास विधिपुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रार० के० महाजन एण्ड कम्पनी बाती रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में दर्ज है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उमत सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध भें कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्त अधिनियम के ० अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5117 ग्रगस्त, 1974 जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 31 मार्च 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 31 मार्च 1975 निदेश सं ए पी / जालन्धर यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रिजस्ट्रीनं 5118 ग्रगस्त, 1974 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में दर्ज है

(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे बाँणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अमर सिंह गांव गोपाल पुर जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमित सरोज महाजन पत्नी चन्द्र महाजन 19 शक्ति नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं0 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ह्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री नं० 5118 ध्रगस्त, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में वर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्क्षर ।

तारीख: 31- 3-1974

भोहर :

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 31 मार्च, 1975

निदेश नं० ए पी /जालन्धर⊸–यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5120 भ्रगस्त , 1974 जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यलय, जाल-न्धर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रसिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण

के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

धन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत:——

- (1) श्री उमर सिंह गांव गोपालपुर म्रलियास विधिपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्राशा महाजन पत्नी श्रार० के० महाजन 21 शक्तिनगर जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में दर्ज है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (षह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री नं० 5120 श्रगस्त, 1974 रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर है में दर्ज है

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 31 मार्च, 1975 मोहर:

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालंधर, तारीख 21 अप्रैल, 1975

निवेश सं० ए पी ०/जालंधर--

यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और

जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2378, अगस्त, 1974 में लिखी है तथा जो सुतेहरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1974 को

के ग्रधीन, श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मिथत नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रत: अब उक्त ग्रिधिनियम की, धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीत्:—

- (1) श्री राजिन्द्र सिंह कोठी नं० 78 सैक्टर 5 चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोपाल सिंह पुन्न काशीराम वासी सलीम पुर तहसील होशियारपुर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम, 1961 (1961 का 43) के धध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ध होगा, जो उस धध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सुतेहरी में 10 कनाल जमीन जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी होशियारपुर के श्रगस्त, 1974 के वसीका नं० 2378 में दिया है ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, 'जालन्ध्रर

तारीख : 21 अप्रैल, 1975

प्रारूप बाई० टी• एस० एस०-

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जासम्बर

जासम्बर, तारीख 21 अप्रैल 1975

निदेश नं०----

बतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं
और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2395
प्रगस्त, 1974 में लिखी हैं तथा जो मुतेहरी में स्थित हैं (श्रीर
इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्ब से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि सवा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे पृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधिनिवम, के अधीन कर देने के अक्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बजने में सुजिबा के खिए ; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम वा मन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अखिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या बन-कर अखिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था आ किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

त्रतः अभ उन्त श्रविनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त श्रविनियम, की वारा 269-च की उपज्ञारा (1) के श्रवीण निम्मलिक्ति व्यक्तियों, जर्षात्:—

- (1) श्री राजिन्दर सिंह पुत्त अवतार सिंह कोठी नं० 78 सैक्टर-5, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी स्वरन कौर पुन्नी हाकू राम वासी उरमर टोडा । (अन्तरिती)
- (3) जैसाकि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह् व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह् सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्म सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वधापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

मुते**हरी** में 10 कनाल 1 भरला जमीन जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होणियारपुर के श्रगस्त, 1974 के मसीकामं० 2395 में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी **सहायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज, जालन्दर**

बारीय 21 अप्रैष 1975 मोहर:

12-76GI/75

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रेल 1975

निर्वेश सं० ए०पी० यतः मुझे, रविन्द्र कुमार म्रधिनियम, 1961 (1961 鞆 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से म्रधिक है स्रौर जिसकी सं० विलेख रजिस्ट्रीकृत नं० 2448 ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा जो गडी फतह खान में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवाशहर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री दलीप सिंह पुन्न भमशेर सिंह वासी गडी फतह स्थान । (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरी सिंह पूरन सिंह पुत्र तेजा सिंह आसी मरागपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) कोई श्रौर व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें अयुक्त झन्दों ग्रौर पक्षों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस म्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गडी फतह खान में 42 कनाल 8 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता नवांशहर के श्रगस्त 74 के वसीयत नं० 2448 में दर्ज है ।

रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, ृसहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**क** 21-4-75 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश नं० ए पी /

यतः मुझे, राविन्द्र कुमार भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० जिसका विलेख रिजस्ट्रीकृत नं० 2060 प्रगस्त, 74 को लिखा है तथा को होशियारपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1974 को

के पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मुख्य से कम अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) **और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए

ग्रस: ग्रव उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :—

- (1) श्री भनोहर लाल पुत्र गोकल चन्द वासी डब्बी बाजार होशियारपुर। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० जैकिसन कोल्ड स्टोर ऐंड फूट प्रविजन इन्डस्ट्रीज नालीईधां होशियारपुर में (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में क्रिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यघाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल का प्लाट जो होशियारपुर में है जिसका पूर्ण रूप ग्रगस्त , 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के वसीका नं० 2060 में दर्ज है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्क्षर

नारीखा : 21-4-74

त्र**रू**न आई॰ टी॰ एन**॰ ए**स॰—

आध्रमण श्रिकिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश/स०/ए०/पी० यतः मुझे, राविन्द्र कुमार आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० विलेख रजिस्ट्रीकृत नं० 2424 ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा गड़ी फतह खान में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवांगहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, श्रगस्त, 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य प्रतिफल लिए से कम को दुश्यभान ब्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है धौर भन्तरक रकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (स) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या म्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या घन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

श्रत : श्रव उस्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिबिनियम की बारा 269-घ की उपदारा (1)के अणीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :—

- (1) श्री दलीपसिंह पुश्च समक्षेर सिंह बासी गडी फसह बान। (श्रन्सरक)
- (2) श्री हरी सिंह, पूरन सिंह तेजा सिंह बासी गडी फतह खान । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (बह ध्यक्सि, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिमके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्मत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्कंबन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरचः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गडी फतह खान में 48 कनाल भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता नवांशहर के ग्रगस्त, 1974 के वसीका नं० 2424 में दर्ज है।

> रविन्ट कुमार, सक्षम प्राधिकारी: सहायक आयकर श्रायुक्त (मिरीक्षण), धर्जम रेंज, जालन्कर

तारीख: 21-4-74

प्रस्प प्राई० टी० एए० एस० --

जायकर घिषियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक प्रप्रैल 1975

निर्देश ए० पी॰ ---

यतः मुझे, रिवन्द्रं कुमार
प्रायक्तर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
प्रौर जिसकी सं० विलेख रिजस्ट्रीकृत नं० 2752 प्रगस्त, 1974
को लिखा है तथा जो गडी फतह खान में स्थित है (भ्रौर
इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवांगहर में रिजस्ट्रीकृत
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
श्रगस्त, 1974 को

ग्रगस्त, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

ग्रन्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत

श्रीक्षक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती

(श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तिबक

क्षम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त आयकर अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:--

- (1) श्री दलीप सिंह पुत्र शमशेर सिंह बासी गडी फतह-खान । (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह गुरवचन सिंह बलदेव सिंह पुन्न दलीप सिंह गडी फतह खान। (श्रम्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 परहै (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाय गडी फतह खान में 67 कनाल 10 मरले जमीन जिसका रूप रजिस्ट्रीकर्ता नवांगहर के ध्रगस्त 74 के वसीका नं० 2752 में दर्ज है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**: 21 4-75

क्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण) भ्रर्णन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक अप्रैल 1975

निदेश नं० ए० पी० / थतः मुझे, रविन्द्र कुमार श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिक्षिक है भौर जिसकी सं० जिसका विलेख रजिस्ट्री कृत नं० 1313, ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्ष) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मतः—

- (1) श्रीमती प्रकाशवती पत्नी हरी चन्द वासी सेहम तहसील नकोदर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जोगासिंह बेहल सिंह पुत्र दिदार सिंह वासी सेहम । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिधपुर डोमा में 37 कनाल 3 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्त्ता नकोदर के श्रगस्त, 1974 के बसीका नं० 1290 में दिया है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज₃ जालन्धर

ता**रीख : 21- 4**- 75

प्ररूप प्रार्धः टी० एन० एस०---

षायकर ग्रधिनिबम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष**(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० पी०/ -- मतः मुझे, रविन्द्र कुमार श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूरुय 25,000/- ६० से ग्रधिक है उचित बाजार ग्रीर जिसकी सं० विलेख रजिस्ट्रीकृत नं० 2733 ग्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा की गडी फतहखान में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रिजस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देन के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः अब उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यिमतयों अर्थातः :---

- (1) श्री वालीम सिंह पुत्रा समसेर सिंह वासी फतह खान (प्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह गुरबचन सिंह असदेव सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी गडी फतहखान। (अस्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

67 कनाल 10 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्री-कर्ता नवांशहर के श्रगस्त, 74 के बसीका में दर्ज हैं।

> रविन्दर कुमार, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रावकर ग्रावुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेज, जालन्वर

तारीख: 21-4-75

श्रायकर श्रिविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 मार्च 1975

निवेश नं० ए पी /---मतः भुझे, रविन्द्र कुमार

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० सका विलेख रिजस्ट्रीकृत नं० 4914 स्रगस्त, 74 को लिखा है तथा जो बूट गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (म) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर वेमें के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब उन्त, अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवार। (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:—

- (1) किशन सिंह विठन सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी बूट जिसा जालन्धर। (ग्रम्सरक)
- (2) श्रीमित पारो पत्नी जगत राम गांव मुध तहसील नको-दर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

3 कनाल 13 मरले का प्लाट जो कि गांघ बूट भी है श्रीर जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता जालन्धर के श्रगस्त 1974 के बसीका नं० 4914 में है दिया है ।

> रिवन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर स्नामुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-चं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 31 मार्च 1975

निदेश ए० पी यतः मुझे, रविन्द्र कुमार भायकर अधिनियम, 1961 (1961 **新 43**) (जिसे इसमें ईसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं जिसका विलेख रजिस्ट्रीकृत नं 5258 भ्रगस्त, 1974 को लिखा है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, तैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों अर्थानः——

- (1) श्री सुखबीर सिंह पुत्र कपूर सिंह 186-मेसन रोड, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी हरबंस सिंह वासी रणधावा। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ग्रौर व्यक्ति, जो सम्पत्ति में घिन रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

7

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्स्ची

पुलिस लाईन जालन्धर में 7 मरले का प्लाट जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता जालंधर के अगस्त 1974 के वसीका नं० 5258 में दर्ज है ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायम भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्धर

णालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए पी ----बतः मुझे, रविन्द्र कुमार

श्रधिनियम, मायकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है धौर जिसकी सं० जिसका विलेख रजिस्ट्रीकृत नं० 1290, धागस्त, 1974 को लिखा है तथा को नकोदर में स्थित (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित 🛊), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रिजस्ट्री-1908 (1908 का 16) के श्रधीन, करण प्रधिनियम, तारीख मगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिए अन्तरित की गई विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- (1) प्रकाश वती पत्नी हरीचन्द वासी सेहम तहसील नकोदर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जोगा सिंह , बहल सिंह पुन्न दिदार सिंह वासी सेहम । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त घिनियम, के ध्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ध्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

37 कनाल 3 मरले जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्री-कृत नकोदर के ध्रगस्त, 1974 के वसीका नं० 1290 में दिया है।

> रविन्द्र कुमार, (सक्षम अधिकारी), सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 21- 4- 75

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० पी ---

यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है श्रीर जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत नं० 2348/5048 रजिस्ट्री-कृत ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय मे है तथा जो गांव तलवन जिला जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण **ग्र**िधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारी**ख** भ्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (न) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर (1957 का 27) के श्रधिनियम 1957 प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

म्रतः प्रय, उक्त प्रधिनियम धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्थातु:---

- (1) श्री जगत सिंह सुपुत्र करतार सिंह गांव सलवन तहसील फिलौर जिला जालन्धर (मन्तरक)
- (2) श्री हमक सिंह, हरबैल सिंह सुपुत्र श्री महगा सिंह गांव तलवन तहसील फिलौर जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)

(जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के बिक् कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में धे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की **तारीख से 45** दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों की, जो उन्ह अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती काटुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2348/5048 भ्रगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फिलौर के कार्यालय में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जालन्बर

तारीख 21-4-75 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---- स्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०/74-75 -- यतः मझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे अधिनियम' कहा इसके पश्चात 'उक्त गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत नं० 2232/4032 तथा जो फिलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, ग्रगस्त 1974 को उवित बाजार मूल्य से कम सम्पत्ति कें के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री जगत सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह सलवे तहसील फिलौर जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हसक सिंह, हावेलिसह सपुत्र मंहगा सिंह गांव तलवन मुहल्ला झीटा तहसील फिलीर जिला जालन्धर (ग्रन्तिरती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो क्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं ।

उत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि ग्रगस्त 1974 रजिस्ट्री नं० 2232 / 4032 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिलौर के कार्यालय में दर्ज है।

> रविन्द्र कुमार स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 21-4-75

मोहर 1

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेशनं० ए० पी० नं० --यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधिनियम' (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्नौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 2103/3003 है तथा जो रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी फिलौर के कार्यालय में दर्ज है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 हैं (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974 को पृथीक्त संपत्ति के उचित बजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुरूय, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या अन्य या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जगत सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह गांव तलवन तहसील फिलौर जिला जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरनेक सिंह, हरवेल सिंह सुपुत्र महगां सिंह गांव तलवन मुहल्ला झीटा तहसील फिलौर जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में स्थित है (वह क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2103 / 3003 भ्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर के कार्यालय में दर्ज है ।

> रविन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 21-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, कलकसा

कलकत्ता, दिनौंक 18 अप्रैल 75
निदेश सं० टी० ग्रार० 204 /सी- 203 / कल० -1
74-75 — श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती
ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की
ग्रारा 269ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य
25,000/- ६० से ग्रीधिक है
ग्रीर जिसकी सं० 85 है तथा जो मेटकाफ स्ट्रीट, कलकत्ता में

स्थार जिसका सुठ 85 ह राजा जा मुख्यात रहाड, कर्तकरात में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय , 5, गर्वनमेन्ट क्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, 22-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः जब उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीत्:—

- 1. श्री पुलिन कृष्ण राय स्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड (म्नन्तरक)
- 2. (1) श्रीमिति प्रीतम कौर (2) हरभजन सिंह (भ्रन्तरिती)
- 3 श्री मनीराम यादव (2) जनाव मोहम्मद जौहित (वह व्यक्ति, जिनके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस्त्र से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

85, मेटकाफ स्ट्रीट, कलकत्ता में नीचे कमरे का ईंट का बना रहने का मकान साथ में 2 कट्टा , 8 छटांक 33 वर्ग फीट जमीन ।

> एस० क्रे० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-75

भोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निदेश सं टी॰ थ्रार॰ - 289 /सी - 262/ कल॰ -1/ 74-75--- श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्पये से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 11 है तथा जो महेन्द्र चटर्जी लेन, कलकत्ता में स्थित है (ब्रौरइससे उपावद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभत से प्रधिक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निषिखत उद्देण्य के उक्त भन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानः—— (1) श्री प्रफुल्ल कुमार राय

(भ्रः रक)

(2) जीत ट्रेंडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बर में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रशामन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त. देशे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ट्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

विभाजित उत्तरी भाग 11, महेन्द्र चटर्जी लेन, कलकत्ता-46 का जिसमें एक तल्ला मकान (बंगला) जमीन के साथ जिसका क्षेत्रफल 2 बीघा , 14 कट्टा 35 वर्ग फुट है ।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता -16

तारीख: 18-4-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निदेश सं० टी० ग्रार० - 198/सी० -207 / कल- 1/ 74-75-- ग्रत: मुझे, एस० के० चऋवर्ती ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० 42 बी (पलैट नं० 72 कार खड़ी करने की जगह के साथ है तथा जो शेक्सपोयर सरनी, कलकत्ता (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में स्थित है से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-74 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य दुश्यमान प्रतिपःल ते कम 8 लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिम है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री टोपेन दास जी० मीरापुरी (श्रन्तरक)
- (2) श्री जोगेन्त्र कुमार सेठ तथा श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लैट नं० 72 कार की जगह के साथ शालीमार श्रपार्ट-मेन्ट 42 बी० शेक्सपीयर सरनी, कलकत्ता में ।

> एस० के० चक्रलतं सक्षम प्राधिकार सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण ध्रजंन रेज-I, कलकर 54, रफीग्रहमद किदबाई रो कलकरा-

सारीख : 18- 4- 75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निदेश सं० टी० श्रार० - 177/सी-184 / कल० -1 / 74-75— श्रतः मुझे,

एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० 83 है तथा जो मेटकाफ स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस, नार्थ, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विजेख के धनुसार भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों)भौर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; ग्रौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यात्:— 14—76GI/75

- 1. पुलिन कृष्ण राय स्टेट प्राइबेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. (1) श्री मोहन सिंह (2) श्री हरजीत सिंह (ग्रन्तरिती)
- (1) श्री मनेण सिंह (2) सन मिम्राम्रो कम्पनी (3) जीनत बीबी (4) मटियार रहमान (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

83, मेटकाफ स्ट्रीट कलकत्ता में नीचे कमरे के इंट के बने रहने का मकान धौर भूमि का एक भग जिसकर क्षेत्रफल करीब-करीब 2 कट्टा 8 छटांक 22 वर्गफीट है ।

एस० के० चक्रवति सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज 1, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता - 16

तारीख: 18-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 ग्राप्रैल 1975

निदेश स० टी० ग्रार०-188/सी-187/कल- 1/ 74-75---श्रत: मुझे, एस० के० चऋवर्ती (1961 কা श्रधिनियम, 1961 ग्रायकर (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रु० मे अधिक है श्रोर जिसकी म० 32 है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर हमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्न-मेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-8-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रंह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप संकथिन नहो गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उस बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिल्लान में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) ढ़्रॅंटोडी र्प्रापर्टीज लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री रामपाल टोडी तथा श्रन्य ट्रस्टीज भारत चैरिटी ट्रस्ट के । (श्रन्तरिती)
- (3) श्री गोपाल दास भीमानी एण्ड कम्पनी म्रन्य (वह व्यक्ति, ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कमरा नं० 9, 10, 12, 13, 23, 24, 26, 38, 43, 53. भ्रौर 56, जिनका क्षेत्रफल 999.05 वर्गफीट है भ्रौर मेजेनीन तल्ले के साथ जो कि 32, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता के सबसे नीचे के तल्ले में है ।

एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-75

प्रारूप आई०टी०एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

ध्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1975

निदेश सं० टी० श्रार० 196 / सी -208/कल० 1-/74-75 — अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर श्रौर जिसकी सं० 19 सी है तथा जो रिपन स्ट्रीट , कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेन्ट प्लेस नार्थ , कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बात्:--

- (1) दी किश्चियन कोग्रापरेटिय केंडिट यूनियन लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) फ्रेडिट यूनियन कोग्रापरेटिय हाउसिंग लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पध्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कट्टा 12 छटांक 28 वर्गफुट क्षेत्रफल की भूमि ।

एस० के० चक्रवती सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, कलकत्ता, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ती- 16

विनांक: 18-4-75

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० टी०श्रार०-207 / सी-200/ कल-1/ 74-75— श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पम्भात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क् से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं 32 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेंट प्लैस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत
को गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत श्रधिक है श्रोर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तिरती
(श्रन्तरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से
किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

टोडी प्रापर्टीज लिमिटेड (ग्रन्तरक)

- (1) श्रीमित सरस्वती साव (2) श्रीमिती सावित्री साव (3) श्रीमिती श्यामा साव (4) श्रीमिती गीता साव (ग्रन्तरक)
- श्रीमती श्यामा देवी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है
- 2. श्री बरुण कुमार श्री राकेश कुमार पुत्रगण लाला रघुवन्श कुमार व श्रीमती प्रतिभारानी पत्नी श्री श्ररूण कुमार नि० 138 ता 140 राइट गंज, गाजियाबाद, जि० मेरठ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिये एतद्बारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण में इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, का जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसुषी

32, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में कमरा नं० 5 ओर 6, नीचे के तल्ले में जिसका क्षेत्रफल 278.50 वर्गफीट है साथ में मेजेनाइन ग्रीर जमीन के नीचे की जगह।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

सारीख: 18-4-75

प्रा**रू**प आई० टी० ए**न० एस०**──

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राई० ए ० सि० श्रर्जन रेंज

4 , কল ১

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सि० - 212/ब्रार-4 | कल० | 75-76 श्रतः मुझे, एस० बट्टाचार्या श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं 243/ए है तथा जो ब्राचार्य प्रफुल चन्द्र रोड, मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, 12-8-74 को

पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्निविदा व्यक्तियों ग्रथीत :--

- (1) महाराज कुमार सीमेन्द्र चन्द्र नन्दी और महारानी नेलिमा नन्दी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेनुका साधुखान

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कट्टा 2 छटांक 25 स्क्वेयर बस्ती जमीन जो 243/ ए भ्राचार्या प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता-6 का भ्राग भौर उस पर मकान।

> एस० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-IV 54, रफी श्रहमद किदयाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 14-4-75

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्राई० ए० सि० ग्रर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सि० - 211 / ग्रार० -Iv /कल०/75-76---यतः मुझे, एस० भट्टाचार्या श्रायकर श्रधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० 65/1 सि० है तथा जो बाग बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 28-8-1974 सम्पत्ति को पूर्वोक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और के बीच श्रन्तरण के लिए म्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने से सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन, :--

- (1) श्रीमती निर्मेला बाला घोष (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वेश्री शंकर प्रसाद केशरी, भोला प्रसाद केशरी, समझ प्रसाद केशरी, विजय प्रसाद केशरी गोपाल-दास शाह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रद्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 कट्टा 10 छटांक 35 स्कोयार फिट जमीन श्रौर उस पर मकान, 65/1 सि० बाग बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-3।

> एस० भट्टाचार्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 14-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रोधेनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, KAKINADA.

Kakinada, the 22nd March 1975

Acq. File No. 180/J. No. I(312)/EG/74-75 श्रत:, मुझे, K. Subbarao ग्रायकर श्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनयिम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 47-2-6 Gandhipu:am No. 1, Rajahmundry में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 15-8-74 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित

15-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्टिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई िक्सी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रांस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 স্কা 11) या उक्त ग्रधिनियम. धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा 27) प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसर में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :-- 1, Dangoti Laxmanarao & Others (2) Nararyanakumar (3) Manikumar (4) Nage Ramesh-2 to 4 being minors represented by father Laxanatao, Rajahmundry.

(भ्रन्तरक)

2. Uppaluri Venkatarao, Korruru, W.G. Dt.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Fast Godavari District—Rajahmundry Municipality—Gandhipurani No. 1 Municipal Ward No. 24—Door No. 47-2-6—Daba House

BOUNDARIES

East: Rahaveedhi 105 ft.

South: Compound wall of Dandanudi Venkataramarao

West: Compound wall and site of E. Gapalarao

North, Govt, Drainage and Road.

K. Subbarao, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, KAKINADA.

तारीख : 22-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, KAKINADA.

ΚΑΚΙΝΛDA, दिनांक 22 मार्च 1975

Acq. File No. 179/J. No. I(201 & 231)/KR/74-75 K. Subbarao श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रधिनयिम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र० से अधिक है। श्रीर जिसकी सं० 14-1-109, Smbamurty Road Hanumanpeta, Vijayawada में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रिजस्दीकृत श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 15-8-74 & 31-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 न के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात् I. Shri P. Bushaiah, Vijayawada

(ग्रन्तरक)

2. I. Sri Sethu Narayanarao Minor by guardian Smt. Kannam Narayanamma w/o Venkaiah 2. Smt. Muppa Ankamma W/o Naraiah, Hanumanpeta, Vijayawada.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District—Vijayawada Sub-Registran—Vijayawada Town—Municipal ward No. 18—Present ward No. 17—Revenue ward No. 8—Block No. 31—M.T.S. No. 932—Old Asst. No. 8437—New Asst No. 2816—Door No. 14-1-109.

BOUNDARIES

East: Compound wall of Smt. Makani Banumathamma.

South; Property of Smt. Muppa Akkamma

West: Road and

North: Compound wall of Batchu Sreeramulu.

K. SUBBARAO. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA.

तारीख: 22-3-1975

प्रकृप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 14 अप्रैल 1974

निवेश सं० सि० श्रार० 62 / 2828 / 74- 75—यतः मुझे, श्रार० श्रिष्णमूर्ति

षायकर ष्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से प्रधिक है और जिसकी

सं० जमीन सर्वे नं० 30 है, जो गविपुरम, छिनिजन 31, बंगलूर सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बसवन गुडि, बैंगलूर दस्ताबेज नं० 2037/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-8-74

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहुं प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—76GI/75

- 1. (1) एम० कन्नप्पा (2) जी० एम० वेमन्ना (3) जी० एम० गोबिन्दराजुलु (4) जी० एम० श्रीनिवास नं० 1884, IV 'T' ब्लाक जयनगर, बंगलूर -11 (ग्रन्तरक)
- 2. मनजुनाथ होज बिल्डिंग को-आपरेटिय सोसायटी, नं॰ 1020, 16 मैंन रोड हनुमन्तनगर बंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन केलिए एतदद्वाराकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (क्षा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गम्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

जमीन सर्वे नं० 30 गविपुरम गांत्र, डिविजन 31, बंगलर सिटी - 2 एकड़ 34 गुनटे । दस्तावेज नं० 2037/ 74-75 ता० 1-8-74 ।

> श्रार० क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 14- 4- 75

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -

भायकर ग्रविनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० भ्रार० 62/ 2829 / 74-75 — यतः मुझे, श्रार० ऋष्णमूर्ति

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणहै कि स्वावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी स० जमीन सर्वे नं० 30 है, जो गोविपूरम, डिविजन नं० 31, 2 एकड़ 20 गुनटे बंगलुर सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगृडि, बंगलूर दस्तावेज नं० 2038 / 74-75 मे भारतीय रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विध्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपज्ञारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री एम० कन्नप्पा (2) जी० एम० वेमश्ना (3) जी० एम० भोवन्दा (4) जी० एम० श्रीनिवास, 1884, 4 'टी' ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 (ग्रन्तरक)
- (2) मनजुनाथ हौज विल्डिंग को-ग्रापेरेटिव सोसाईटी, 1020, XVI मैन रोड, हनुमन्तनगर, वंगलूर -19। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन सर्वे नं० 30, गविपुरम, डिविजन नं० 31, बंगलूर सिटी 2 एकड़ 20 गुनटे ।

दस्तावेज नं० 2038/74-75 ता० 1-8-74 ।

श्रार० क्रि^हणमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 14- 4- 1975

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, तारीख 25 म्रप्रैल 75

निर्देश नं० ए/ जालन्धर / 1974-75—-यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करनेका कारण है कि सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5044 जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री ग्रामर सिंह सपुत्र बतन सिंह गांव कुकर पिन्ड जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) सन्त बावा गयान सिंह चेला बावा बसन्त चेला बावा हरनाम सिंह निर्मल कुटिया गांव जोहल जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचिरखताहो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री मं० 5044 ग्रगस्त, 1974 में दर्ज हैं रिजस्ट्रीकृत ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ,जालधर

तारीख: 25 भ्रप्रैल 1975

श्रायकर ग्रयधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 23 अप्रैंल 1975

निर्देश नं ० ए पी / जालन्धर --- यतः मुझे , रविन्द्र कुमार भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम क हा गया) है की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है धौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5557 अगस्त 1974 रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार **ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि** ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुयश्मान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (धन्तरितियों) के **बी**च तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त घ्रधि-नियम, के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनेमें सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनसरण मे, में ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रायीत्:-

- (1) श्री तारा सिंह सपुत्र गणेषा सिंह गांव सतोवली जिला जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री तेजा सिंह सपुत्र बंता सिंह , बलदेव सिंह गांव घुगरी, जिला जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं2 में दर्ज है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिदबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेपः,---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमरा स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्री नं० 5557 ग्रगस्त, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में दर्ज है।

> रविन्द कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 23- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 21 भ्रप्रैल 75

निदेश सं० ए / जालन्धर / 1974- 75-- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो के० एम० बीं० के पीछे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्री फकीर सिंह गुरबक्स सिंह पुत्र श्री शिव सिंह निवासी श्रादमपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दलीप कौर पत्नी नरन्जन सिंह भेट त० कपूरथला (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी दिलचस्पी रखने वाला व्यहिक (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि प्लाट रजि० नं० 5692 ग्रागस्त, 1974 में रजि० वफतर के जालन्धर में लिखी गई ।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम मधिकारी सहायक ऋगयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 21 **म्रप्रैल** 1975

भायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 श्रप्रैल 1975

निदेश नं० ए०/ जालन्धर / 1974- 75 -- यतः मुझे, रिवन्द्र कुमार भायकर स्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है स्रोर जिसकी सं० तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयिम, (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख, ग्रगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से भम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: भव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण, में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रधीत :—-

- (1) श्री तारा सिंह पुत्र गनेश सिंह गांव सत्तोवाली तहसील जालन्धर (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री तेजा सिंह पुत्र बन्ता सिंह पुत्र खुदराये सिंह जोगिन्द्र कौर पत्नी गुरब्बस सिंह (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसे कि नं० में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिदबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अग्निनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुसुची

भूमि जो रिज ० नं० 5686 ध्रगस्त 1974 रिज ० दफ्तर जालन्धर में दी गई है ।

> रविन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-4-75

कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनोक 23 अप्रैल 1975

निदेण सं० ए / जालन्धर / 74- 75—- यतः मुझे, रिवन्द्र कुमार

म्रायकर म्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत प्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं०—है तथा जो—में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री तारा सिंह पुत्र गनेशा सिंह गांव सत्तोवाली जालन्धर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री तेजा सिंह पुत्र बन्ता सिंह गांव दुगड़ी तह० जालन्धर बलवेब सिंह पुत्र खुदराये सिंह ग्रौर जोगि-न्द्र कौर पत्नी गुरबक्स सिंह। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसे नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिभिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी रुचि रखने वाला व्यक्ति (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

भूमि जो रजि० नं० 5577 श्रगस्त, 1974 के रजि० विकास में दर्ज है।

रिवन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 23-4-75

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 23 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए पी नं० / 74-75 -- यतः मुझे, रविन्द्र कुमार धायकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5437 है जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख म्रगस्त, 1974 पूर्वो**म**त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के बुध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हजूर सिंह सपुत श्री बालसिंह नंगल मनोहर तहसील जालन्धर (श्रन्सरक)
- (2) श्री सरदार दर्गन सिंह सपुत्र दयाल सिंह नंगल मनोहर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं०2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो बक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) घरती का दुकड़ा जैसाकि रजिस्ट्री नं० 5437 जासन्धर के कार्यास्य में दर्ज है

> रविन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी, सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-4-75

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज जालम्धर

जालन्धर, दिनाँक 23 श्रप्रैल 1975

निदेश नं० एपी नं० / जालन्धर — यत. मुझे, रिवन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्त श्रिधनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० रिजस्ट्री न० 5605 श्रगस्त, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर के कार्यालय मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकर्रण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख श्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
16—76QI/75

- (1) श्री तारासिह सपुत्र श्री गणेण सिह गाव सतीवाल जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तेजासिंह सपुत्र बतासिंह गांव घुगडी जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5605 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी जालन्धर श्रगस्त, 1974 के कार्यालय में दर्ज है

> रिवन्द्र कुमार, सक्षम श्रिधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 23-4-75

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर दिनांक 21 ग्रप्रैल 1975

निदेशनं० ए एस श्रार/एम एल टी/ ए पी-12/75-76---यतः मुझे, वी० श्रार० सगर

श्रायकर श्रधिनयिम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पन्नीवाला फट्टा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएप्र तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों ध्रथीत:~-

- (1) श्री गुलजार सिंह सपुत्र हीरा सिंह सपुत्र भोला सिंह गांव दौलतपुरा तहसील गंगानगर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसविन्द्र सिंह , सुखजीत सिंह , गुरजीत सिंह सपुत्नान कर्मिसिह सपुत्न नत्था सिंह रणपिन्द्र सिंह, भोपन्द्र सिंह सपुत्नान गुरपिन्द्र सिंह सपुत्न कर्मिसिह वासी पन्नीवाला फट्टा तहसील मुक्तसर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1575 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में है ।

> (बी० म्रार० सगर) सक्षम म्रधिकारी (सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज म्रमृतसर

तारीख 21-4-75 मोहर:

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

म्रमृतसर तारीख 21-4-75

निदेश नं० ए एस ग्रार/एम एल टी/ए पी-13/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है।) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ए० से अधिक है बाजार मुख्य श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पन्नीवाला फट्टा स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 কা के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरसमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री दारा सिंह सपुत्र हीरा सिंह सपुत्र भोला सिंह गांव दौलतपुरा तहसील गंगानगर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसविन्द्र सिंह , सुखजीत सिंह , गुरजीत सिंह सपुत्रान कर्मसिंह सपुत्र नत्था सिंह तथा रणिनद्रसिंह, सपुत्रान गुरपिन्द्र सिंह सपुत्र कर्म सिंह गांव पन्नीवाला फट्टा तहसील मुक्तसर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पिस के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, यथा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1573 ग्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मलोट में है ।

> (वी० ग्रार० सगर) सक्षम श्रधिकारी सहायकं श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख 21-4-75 मोहर :

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज श्रमृतसर अमृतसर दिनांक 21 अर्पंल 1975

निदेश नं० ए एस ग्रार/एम एल टी/ ए पी- 14/ 75-76—यत: मुझे, बी० श्रार० सगर ए श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पन्नीवाला फटटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मलोट, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन , तारीख श्रगस्त, 1974 को

पूर्वीक्त सम्पति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रनिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी अ:य की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, जब उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री दुल्ला सिंह सपुत्र फाला सिंह सपुत्र रुलिया सिंह गाय दौलतपुरा तहसील गंगानगर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसिबन्द्र सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजीत सिंह सपुत्रान कर्मसिंह सपुत्र नत्था सिंह, तथा रणिपन्द्र-सिंह पिपन्द्र सिंह, सपुत्रान गुरपिन्द्र सिंह, सपुत्र कर्मसिंह गांव पन्नीवाला फट्टा तहसील मुक्तसर। (अन्तरिती)
- (3) जैंसा कि न० 2 में है । (वह क्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किये जा सकेंगे

स्वष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अक्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख न० 1574 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मलोट में है ।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख : 10 -4-75

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 21 ग्रप्रैल 1975

निदेश नं० ए एस भ्रार / बी टी एल / ए पी-15 / 75-76--यत: मुझे, बी० भ्रार० सगर, भ्रायकर स्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनयम, कहागया है।) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव भागोवाल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्द्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख, भ्रगस्त, 1974 को पुर्वोक्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से श्रन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रीमा, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- (1) श्री सखन सिंह सपुत्र दर्शन सिंह गांव भागोवाल तहसील बटाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रजायब सिंह, सावन सिंह तथा दूसरे सपुक्षान सुन्दर सिंह गांव भागोवाल तहसील बटाला । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्बों श्रीर पक्षों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3535 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी बटाला में हैं :

> वी० श्रार० सगर। सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख : 21-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश न० श्रमृतसर / मोगा /ए० पी०-16 /75-76— यत: मुझे, बी० श्रार० सगर प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान है तथा जो मोगा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में मे श्रौर पूर्ण रूप में विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1974 को

पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री शोभा सिंह सपुत्र पंजाब सिंह सपुत्र खजान सिंह मोगा मैहला सिंह । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामतीर्थ , सतपाल तथा जोगिन्द्र पाल सपुद्रान श्री मेहर चन्द मार्फत मैंसर्ज मेहर चन्द एण्ड सन्ज, मोगा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4652 ग्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मोगा में है ।

> वी० भ्रार० सगर, समक्ष श्रधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज अमृतसर

तारीख : 21-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश सं०ए एस भ्रार/जी डी बी/ए पी - 17/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

- 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं, और जिसकी सं० मकान है तथा जो गिदड़बाहा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गिदड़बाहा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री छज्जू राम, चमन लाल पवन कुमार सपुत्रान
 श्री सरुप चन्द सुरिन्द्र कांता , रक्षा रानी सपुत्रिया
 सरुप चन्द, विद्या देवी पत्नी श्री सरुपचन्द, श्रीगंगानगर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बचन देवी पत्नी पवन कुमार सपुत्र प्रिथी-चन्द गिदङ्बाहा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो वह ज्यक्ति, जितके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हु।

उका सम्यत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 505 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड़बाहा में है ।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख : 21-4-75

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश नं ए एस म्रार/जी डी बी/ए पी - 18 / 75-76---यत: मुझे, वी० म्रार० सगर, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चास् 'उक्त म्रधिनियम', कहा गया है)

की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य. 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी स० भूमि है तथा जो गांव भट्टीवाला मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गिदड़बाहा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:—

- (1) श्री हाकम सिंह सपुत्र फुम्मन सिंह वासी भट्टीवाला तहसील मुक्तसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरनेक सिंह, बिन्द्र सिंह वासी गांव भट्टीवाला तहसील मुक्तसर । (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घ**नुसूची**

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 515 ग्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गिदङ्बाहा में है ।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 21-4-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तरार

ग्रम्तसर, तारीख 21 ग्रप्रैल, 1975

निदेश नं० श्रमृतसर/ग्रबोहर / ए.पी - 19 / 75-76——यतः मुझे, बी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो गांव भंगाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:—

17---76GI/75

- (1) श्रीमती बीबी, उदय कौर मपुत्रियां भाग सिंह त्रासी गांव भंगाला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मिठूसिंह, पिलासिंह, बलविन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह सपुत्रान भग सिंह, गांव भंगाला ।
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, ∫जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1405 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 21-4-75

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर द्यिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

अमृतसर, तारीख : 21 श्रप्रैल, 1975

निवेश सं० ग्रमृतसर/मोगा/ एपी-20 / 75-76---यतः मुझे, **घी० ग्रार**० सगर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/- रुपये से **प्रधि**क है उचित बाजार ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाघा पुराना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) और श्रन्तरिसी (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर धिधनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

- (1) श्री गुरबचन सिंह सपुत्र करतार सिंह वासी बाघा पुराना । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मलकीत कौर पत्नी मुकन्द सिंह वासी केसर सिंह वाला तहसील रामपुर फूल तथा ध्रमर-जीत कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करक्षा हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4647 भ्रगस्त, 1974को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा में है ।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-4-75

मोहरः

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 21 अप्रैल 1975

निदेश नं० श्रमृतसर/मानसा/ ए पी -21/75-76--यतः मुझे, बी० श्रार० सगर भ्रायकर ग्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 1/2 दुकान नं० 827 है तथा जो ब्लाक नं० 7 गली नं० 19 मानसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1974 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी श्राय या धन श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः भ्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:—

- (1) श्री बनारसी दास सपुत्र खेता मल, हंसराज सपुत्र बनारसी दास, मानसा। (ग्रन्तरक)
- (2) ष्टा० सन्तोख सिंह सपुत्र मनी सिंह, मानसा (श्चन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 बुकान जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3192 ग्रगस्त, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मानसा में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 21- 4- 75

मोहर '

प्रारूप म्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश न० ए० एप० प्रार०/एम०एनएस०/ए०पी०-22/75-76_ यत मुझे, बी० श्रार० सगर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है)की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रु० से श्रिधिक है

और जिसकी स० 1/2 दुकान न० 827 है तथा जो ब्लाव न० 7 गली न० 19 मानसा में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ध्रन्तरको) और ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितयो) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

श्रत. अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिथित.~

- (1) श्री बनारसी दास सपुरु स्मनामल, असराज सपुत बनारसी दास, मानसा । (श्रन्तरिती)
- (2) श्री मन्तोख सिंह संग्रुत मनी। सह मानसा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षी च तानता के कि वह सम्पत्ति में हितवदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण——इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 दुकान जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3193 श्रगस्त 1974 को रिजस्ट्रीक्ती श्रधिकारी मानसा में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रम्तसर

तारीख 21- 4- 75 मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रमृतसर

य्रमृतसर, दिनांक 21 श्र**प्रै**ल 1975

निवेश स० श्रमृतसर / भटिडा/ए०पी०- 23 / , 5-76--यतः मुझे, त्री० भ्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भिम का प्लाट है तथा जो नजदीक भाना-मल धर्मशाला भटिडा में स्थित हे (ग्रौरइससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में क्रौरपूर्ण रूप में वॉणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:---

- (1) सेठ भानामल धर्मशाला ट्रस्ट भटिंडा द्वारा श्री-केशो राम प्रधान तथा श्री सोहन लाल उप-प्रधान सपुत्नान श्री भानामल । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र, धर्मवीर, पवन कुमार, सुन्दरलाल तथा मनोहर लाल गुप्ता तथा आत्मा राम मार्फत भानामल धर्मशाला भटिंडा (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न ० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखाता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृगि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० विलेख 3536 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 21-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनॉक 21 श्रद्रैल 1975

निदेश नं ० ए०एस०ग्रार०/बी०टी०डी०/ए०पी०24/75-76— यद: मुझे, त्री० श्रार० सगर ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि हैं तथा जो नजदीक बीबीवासा रोड भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रुप में विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में लिए सुविधा के लिये, और/या
- (छा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात्:-

- (1) श्री बनारसी वास सपुत्र सुरजस राम सपुत्र सीरियां मल, भटिंडा। (ग्रन्तरक)
- (2) उजागर सिंह सपुत्र मोहन सिंह सपुत्र श्री ककड़ा सिंह। (श्रान्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह ब्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3494 श्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 21-4-75

अवयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश नं ० श्रमृतसर / भटिंडा / ए० पी ० - 25 / 75-76— यतः मुझे, वी ० ग्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनयिम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजबीक बीबीवाला रोड, भटिडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री बनारसी दाम सपुत्र सुरजस राम सपुत्र सीरियां मल, भटिंडा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री रमेश चन्द सपुत्र लाला हुक्म चन्द, भटिंडा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3493 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 21-4-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश नं० ए० एस० आर०/एम० जी० ए०/ए०पी० 26/ 75-76- यत: मुझे,वी० ग्रार० सगर ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा

269घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट हैं तथा जो शांति नगर सिविल लाईन्स मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् : -

- (1) श्री मोहन सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह सपुत्र श्री काक सिंह , 1155 ग्रहाता बदाम सिंह, मोगा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह सपुत्न श्रात्मा सिंह, सिविल लाईन्स मोगाद्वारा श्री चेत सिंह सपुत्न श्री गुरबचन सिंह सिविल लाईन्स, मोगा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह त्र्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4573 श्रगस्त, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा में है ।

> वी० आर० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखा: 21-4-75

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

प्रमृतसर, दिनांक 21 ध्रप्रैल 1975

निदेश नं० भ्रमृतसर / भ्रबोहर/ ए० पी० -27/75-76--यतः मुझे, वी० श्रार० सगर **भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अप्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु०से **प्रधिक** है बाजार श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव गदान डोब में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रवोहर में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रधीन कर देन के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर / या
- (सा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

भ्रतः अब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :--18--76GI/75

- (1) श्रीमती भगवान कौर माता श्री राम सिंह विधवा नौनिहाल सिंह गांव व डाकखाना गदान डोब । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा शाम सिंह सपुत्र नौनिहाल सिंह डाकखाना गदान डोब ।(श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में इचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1384 भगस्त, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रबोहर में है।

> वी० घार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 21-4-75

मोहर

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० भ्रमृतसर / भटिंडा / ए०पी० 28/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर ग्रधिनियम, 1961 (1961 杯 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंका में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्तिका उचित बाजार मृल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत श्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी द्याय या फिसी धन या द्यन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय द्यायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिजितयम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

- (1) श्री ग्रमर नाथ सपुत्र मुन्शी राम वासी भटिंडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गण्डा सिंह सपुत्र हरी सिंह , रंजीत सिंह सपुत्र अजमेर सिंह वासी जोधपुर रामाना । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवस्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3586 ग्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में है ।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, [सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ता**रीख** 21-4-75 मो**ह**र: प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर **भागृक्त (मिरीक्षण)** मर्जन रेंज, ग्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 21 मन्नैल 1975

निदेश नं० ए० एस० आर०बी०टी० डी० /ए० पी० 29/ 75-76-- यतः मुझे, वी० मार० सगर म्रायकर म्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भटिडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप में विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित के वाजार कम के प्रतिफल दृश्यमान की गई और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अझीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

मत: ग्रब उन्त ग्रिघिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिबत व्यक्तियों, धर्मात्:---

- (1) श्री सतपाल सपुन्न जगन नाथ वासी भटिंडा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री रंजीत सिंह सपुत्र ग्रजमेर सिंह , गण्डा सिंह सपुत्र हरी सिंह तथा श्रीमती बलबीर कौर पत्नी गण्डा सिंह वासी जोधपुर रमाना : (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में घिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3585 ध्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिडा मे हैं।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्राप्यकर श्रापुक्त (निरीक्षण); भ्रजन रेंज अमृतसर

तारीख : 21-4-74

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश नं० भ्रमृतसर / भटिंडा / ए० पी० - 30/ 75-76-यतः मुझे, वी० घ्रार०सगर म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)की श्रघीन 269-घ सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है, रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिडा मे रजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तरीख श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए **धन्तरित की गई है और मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया-था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रम्हुतरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

- (1) श्री रामनाथ सपुत्र मुन्शी राम वासी भटिंडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रंजीत सिंह सपुत्र श्रजमेर सिंह, श्रीमती बलबीर कौर पत्नी गण्डा सिंह वासी जोधपुर रमाना । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3587 ग्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी भटिंडा में है ।

> बी० द्यार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज, ब्रमृतसर

तारीखा : 21- 4- 75

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनाँक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० श्रमृतसर / गिदड्बाहा / ए० पी ०- 31/ 75-76-यतः मुझे, वी० ग्रार० सगर भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसभा उचित बाजार मृत्य 25,000/-- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भृमि है जो गांव भोटी वाला तहसील म्क्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी। के कार्यालय गिवड़बाहा में रजिष्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख भ्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री हाकम चन्द सपुत्र श्री फुम्मन सिंह भोटीबाला तहसील मुक्तसर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सन्त सिंह सपुत्र पुम्मन ।सिंह , बलजिन्द्र-सिंह सपुत्र हरनेक सिंह वासी भोटीवाला तहसील मुपतसर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों, का जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिकाणित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 514 धगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड्बाहा में है ।

> वी० म्रार० सगर सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 21-4-75

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर दिनाँक 21 ग्रप्रैल 75

निदेश नं० ए० एस० आर०/एफ० डी० के० ए०पी०-32 75-76 यत: मुझे, बी० श्रार० सगर

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्र-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भ्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरंक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना बाह्रिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) श्री महिन्द्र सिंह, जोगिन्द्र सिंह, बरिजन्द्र सिंह सपुतान मंगल सिंह कोटकपूरा (भ्रन्तरक) सुरगापुरी नजदीक रेलवे स्टेशन ।
- (2) श्री गुरदेव सिंह तथा दर्शन सिंह सपुत्र राम सिंह कोटकपूरा नजदीक न्यू सिनेमा । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं ०2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पटों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अमुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2147 भगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फरीवकोट में है ।

> वी० भार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख :21-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 75

निदेश नं० भ्रमृतसर/ भ्रबोहर/ए०पी०-33/75-76—— यतः मुझे, वी० भ्रार० सगर, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खुबां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उदेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

भ्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातू:---

- (1) श्रीमती विद्यावती सपुत्री लदू राम मसुत्र घनैया राम पत्नी ग्रोमप्रकाण सपुत्र महताब राए वासी मोरजान्दा,तहसील हनुमानढ़।
- (2) श्री श्रोमप्रकाश, रमेश कुमार सपुत्रान लदू राम वासी हनुमानगढ़ (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1387 ध्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अवोहर में है ।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भ्रग्नसर

तारीख: 21-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

श्रमुतसर, तारीख 21-4-75

निवेश नं० ASR / प्रबोहर/ ए पी- 34 /75-76 — यतः मुझे, वी० श्रार० सगर
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है)
की श्रारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जो गांव खुबा में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित ह), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
प्रगरस 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षुण्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति था उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की घपदारा (1) के अधीन निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती प्रकाश देवी सपुत्नी लदू राम सपुत्र घनैया राम पत्नी दीवान चन्द सपुत्र ईशर वास वासी टाहलीवाला । (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रोम प्रकाश, रमेश कुमार सपुत्रान लदू राम सपुत्र घनैया राम वासी हनुमानगढ़ टाउन जिला गगांनगर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- _

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1386 ध्रगस्त 1974 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ध्रबोहर में है ।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख : 21- 4- 75

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० ASR / श्रबोहर /ए० पी०-35/ 75-76— यतः मुझे, बी० श्रार० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खुवां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रवोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 को

श्रुवास्त, 1974 का
श्रूवास्त, 1974 का
श्रूवास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः ग्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखिल व्यक्तियों, भ्रर्थात्:—

19-76GI/75

- (1) श्रीमती सरोज कुमारी सपुत्री लदू राम सपुत्र घनैया राम तथा पत्नी बाबू लाल सपुत्र लक्स्बू राम वासी मण्डी श्रबोहर तहसील फाजिल्का (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रोम प्रकाश, रमेश कुमार कुमार सपुद्रान लदू राम सपुत्र धनैया राम, हनुमानगढ़ टाउन जिला गंगानगर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके घ्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्वाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1385 अगस्त, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है ।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम ग्रधिका**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 21- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 21- 4- 75

निदेश नं॰ ASR / FDK /ए पी-36/ 75-76--यत:, मुझे, बी॰ श्रार॰ सगर

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सम्पत्ति है. तथा जो बस्ती मनजीत इन्द्र पुरा फरीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा गुरिकरपाल सिंह फरीदकोट (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती तेज कौर पत्नी श्री प्रतापसिंह गांव सेदा पी० ग्रो० जेतु मण्डी त० जिला फरीदकोट (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) हस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पक्षो का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2110 श्रगस्त, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखा: 21-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० 🗕

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर तारीख 21-4-75

मुझ, वी० श्रार० सगर, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात्, 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है क्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा बस्ती मनजीत इन्द्र पुरा फरीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1974 की सम्पत्ति के उचित

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा भाई गुरिकरपाल सिंह वासी फरीदकोट (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हरजीत कौर विधवा श्री इकबाल सिंह कोठी नं 12, ब्लाक, नं 12, हरिंदर नगर, कोट कपूरा रोड, फरीदकोट (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2109 श्रगस्त 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० श्रार ० सगर सक्षम श्रधिकारी 'सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-4-75

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, तारीख 21-4-75

मुझे, बी० स्नार० सगर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है थीर जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो बस्ती मनजीत इन्द्रपूरा फरीकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुधुची में भीर पूण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम केद्ण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उन्त अधिनियम,' के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269भा के अनुकरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269भा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा भाई गुरिकरपाल सिंह वासी फरीदकोट (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुरिन्द्र इकवाल सिंह पुत्र श्री इकवाल सिंह वासी फरीदकोट (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-- '

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2108 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

> बी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 21-4-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेशन'० ASR/FZR/एपी-39/ 75-76— यतः, मुझे, बी० ग्रार० सगर

आयकर् अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ए० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव चौवाता बाला मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख, ग्रगस्त, 1974 को पूर्विक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्सियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्री आतमा राम पुत्र श्री पन्ना लाल मार्फत श्री मंगत राम हकीकत राय, जी एवासी गाव चौगाता वाला त० जिला फिरोजपुर (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री दीवान चन्द 6, माल रोड, फिरोजपुर शहर (श्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है, (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त णव्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2450 श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> वी० श्चार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

तारीख : 21- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, अमतसर

भ्रमृतसर, तारीख 21 अप्रैल 1975

निदेश नं० भ्रमृतसर/ फिरोजपुर/ एपी- 40 / 75-76---यतः मुझे, थी० भ्रार० सगर

धायकर अधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है था जो गांव चौगटे वाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

ध्रगस्त, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ब्रात्मा राम पुत्र श्री पन्ना माल मार्फत श्री मंगत राम हकीदत रायजी ए वासी गांव चौगाता वाला त० जिला फिरोजपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मूल चन्द पुत्र श्री बिहारी लाल मार्फत राजा टाकीज , फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो) (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतीं को, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2449 ध्रगस्त, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रमृतसर

तारीख : 21- 4- 75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज , बंगलर

बंगलूर, नारीख 3-4-1975

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/ 2830/ 74-75-- यत: मुझे, भ्रार० किष्णमूर्ति श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की घारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000 **र**० से ग्रधिक*हैं* 16/1 (उत्तरी भाग) IV कास, जिसकी सं० न्यु कलासिपाल्यम ले भ्रौट, बैंगलूर सिटी मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-श्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलुर दस्तावेज नं 2078/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 3-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृख्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातु:---

- (1) श्री सि० एन० रुद्रमूर्ति 40, हासपिटल रोड, बैगल्र-1 (अन्तरक)
- (2) श्री एम० मोहम्मद ग्रसलम एस०/ग्रो०एम०ए० सत्तार 22, न्यू बम्बू बाजार बगलूर-2 (ग्रन्तरिती)
- (3) गोयल रोड वेज (वह ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय '20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 16/1 का उत्तरी भाग जो IV क्रास, न्यू कलासिपालयम ले श्रौट, बैंगलूर सिटी में स्थित है (डि-विजन नं० 39)

क्षेत्रफल : पू० प० 40' उ० द० 20'**=**800 वर्ग फीट

सीमा :

पू: इमारत नं० 88

प०: क्रास

उ० : गोडौन नं० 77

द**ः सैयद** हुसेन को बेचा गया भाग दस्तावेज नं० 2078 | 74-75 ता० 3-8-19**74**

> ग्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बैंगलुर

तारीख : 3-4-75

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलूर

बैंगलूर ता० 3 भ्रप्रौल 1975

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/ 2831/ 74-7,5---यतः मुझे, भ्रार० किष्णमूर्ति, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत **प्रधिनियम** कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० 16/1 (दक्षिणी भाग) है, जो IV क्रास, न्यू कलासिपालयम ले ब्राऊट, बैंगलूर' (सिटी) म स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि बैंगलुर मे रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-8-1974 सम्पत्ति उचित को पूर्वोक्त वाजार दृश्यमान प्रतिफल लिए मुल्य से कम **ध**न्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और धन्तरक (ध्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रिधिनियम,' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:--

- (1) श्री सी० एन० रुद्रमूर्ति 40 हास्पिटल रोड बैगलूर-1 (श्रन्तरक)
- (2) श्री सैयद हुसेन सपुल श्री बी० सैयद श्रजमतुल्ला ग्रवस्यक द्वारा समरक्षक श्रीमती शाकिरा वेगम, 21 न्यू बम्बू बाजार वैंगलूर -2 (ग्रन्तरिती
- (3) गोयल रोडवेंज (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां झुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 16/1 (दक्षिण भाग) , IV कास, न्यू कलासिपालयम ले आऊट, बैंगलूर मिटी (डिविजन नं० 39)

क्षेत्रफल पू० प० 40′ उ०द० 20′≖ 800 वर्गफीट ीमा :

पू: इमारत नं० 88

प०: IV क्रास

उ० : एस० मोहम्मद असलम को बिका हुन्ना भाग

द०: प्रमिला बाई की सम्पत्ति

श्चार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैगलूर

तारीख: 3-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के म्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण),
म्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, तारीख 18-4-1975

निदेश नं ि सि॰ ग्रार० 62 2853 74-75—यत:
मुझे, ग्रार० किष्णमूर्ति ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961
(1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त
ग्रिधनियम, कहा गया है)
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति,

का, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० 5/17 (पुराना नं० 91 डड्डिगुनटा) मिलटन स्ट्रीट, कूक टौग, बैंगलूर-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, शिवाजी नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 1540/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-8-1974 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्ष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या-
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) दी मद्रास डैसन ट्रस्ट ग्रसोसिण्णन द्वारा जे॰ मुलिन्स, मद्रास (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० वेट्टथ , जे० पी० वेट्टथ श्रीर एलिजबथ ईपेन, 8, हेन्स रोड, कास, बैंगलूर-25

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 5/17 (पुराना नं० 91, डिह्हगुनटे), मिलटन स्ट्रीट, कूक टौन, बैंगलूर -5 क्षेत्रफल 12340 वर्गफीट वस्तावेज नं० 1540/74-75 ता० 8-8-74

> श्रार० किष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18-4-75 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन०एस०-

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के श्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 14-4-75

निदेश न० सि० प्रार 62/ 2856/ 74-75— यतः मुझे, भार० किष्णमूर्ति

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उफ्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीण सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है और

जिसकी स० सर्वे नं० 8/2 बी है, जो मादनाथकनहल्ली, वासनापुरा होक्ली, 1 एकड़ 37 गुनटे नेलमनगला तालुक वैगलूर जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नेलमनगला दस्तावेज नं 1799/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 3-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरिक (भ्रन्तरिकों) और श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तिया हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिश्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रय उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269- ध की उपधारा (1) के श्रधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- (1) श्री धन राज सपुत्र फतेहचन्द बोलाराम, हैदराबाद ए पी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री इकबाल सिन्ग खीर सपुत्र जसवन्त सिन्ग खीर, 206, काजी सैयद स्ट्रीट, बम्बई-3 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन सर्वे न० 7/3 बी श्रीर 8/3 बी, मादनाथ कनहरूली दासनापुरा होब्ली, नेलमन्गला तालुक, बैंगलूर जिला, 1 एकड़ 37 गुनटे ।

दस्तावेज न० 1799/74-75 ता० 3-8-1974

सीमा :

पूर्व : गिरियप्पा की जमीन

पश्चिम : रोड

उत्तर : जमीन सर्वे नं 8/2 बी श्रीर 7/3 बी-

श्रीमती भ्रम्प्रित खीर को बेची गयी

दक्षिण : मैसूर स्पन सिमेन्ट कानकीट पैप फ्याकटरी

ग्रार० क्रिष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 14-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर, दिनांक 14-4-75

निदेश सं० सर्वे नं० 62/2857 / 74-75- यतः मुझे, भ्रार० किष्णमृति

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इंसमे इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है),की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वें नं० 8/2 बी भ्रौर 7/3 बी है, जो माडनाथकनटल्ली, दासनापुर होब्ली नलमनगल्ला तालुक, बैंगलूर जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नेलमन-गल्ला बस्ताबेज नं० 1800/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 3-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या केलिए;

म्रतः म्रब उक्त म्रधिनयिम की धारा 269-ग के म्रनुसरण उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , ग्रर्थात् :-

- (1) श्री धनराज सपुत फतेहचन्द बोलाराम, हैदराबाद (भ्रन्तरक) ए०
- (2) श्रीमती भ्रम्रित कौर खीर 206, काजी सैयव (ग्रन्तरिती) स्ट्रीट, बम्बई -3

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं 8/2 बी श्रीर 7/3 बी, मादनायकनहुल्ली वासनापुर होब्ली, नलमनगला तालुक, बैंगलुर जिला । 1 एकड़ 37 गुनटे

पूर्व : गोविनदप्पा की जमीन

पश्चिम : रोड

उत्तर : हनुमनतय्या ग्रम्बथय्या ग्रदि की जमीन

दक्षिण : जमीन सर्वे नं ० 8/2 नी भौर 7/3 नी का एक भाग

जो इकबाल सिन्ग खीर को बेचा गया। दस्तावेज नं 1800/74-75 ता 3-8-74

> श्रार० क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी

> > सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीख: 14-4-75

रु० से मधिक हैं।

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रष्ठिनिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , बंगलूर बंगलूर, दिनांक 5-4-1975

निदेश स० सि० घार० 62/ 2898 / 74-75— यतः मुझे, धार० किष्णमूर्ति भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

भौर जिसकी सं० रिक्त भूमिन० 54, जो II मैन रोड, हमुमन्तापुरा, लक्ष्मीपुरम बैंगलूर -21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बैंगलूर दस्तावेज न० 2061 / 74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात :∽

- (1) (1) श्री के० वासुदेव (2) श्रीमती गौरम्मा (3) के० द्वारकनाथ, 1302 श्रीरामपुरम, वैंगलूर 21 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सी० ग्रहनाचलम भागीदार सन् रेंज इनडसट्रियलस, 5 मैन रोड, श्रीरामपुरम, बैगलूर-21 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

रिक्त भूमि न० 54, II मैन रोड, हनुमन्तपुरा श्री-रामपुरम , बैगलूर -21 क्षेत्रफल 190'+120'×394'+305'=54172 वर्गफीट

2 वस्तावेज नं० 2061/74-75 तारीख 28-8-74

> धार० किष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 5-4-1975 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बैगलूर बैगलूर, दिनांक 9 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि० भ्रार० 62/ 2947/ 74-75- यत: मुझे, ग्रार० ऋष्णमृति, अधिनियम, 1961 (1961 भायकर का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है मुल्य उचिप्त बाजार न्नौर जिसकी सं० सैंट नं० 56/43 है, जो पुराना नं० 10ग्नार० 52 लाल बाग रोड, बैंगलूर-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2550 / 74-75 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अन्तरित की गई है दश्यमान प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे धुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री एस० सत्यनारायण (2) एम० राघवेन्द्र 56/42, लाल बाग रोड, वैगलूर-27 (म्रन्तरक)
- (2) श्री बैं० रामचन्द्र नायडुं सपुत्र एल्लाप्या नायडुं 86, सैट एण्ड रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4 (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 56/43 (पुराना नं० 10 फ्रौर 52) (एक भाग) लालबाग रोड, बैंगलूर-27

क्षेत्रफल पू॰ प॰ 60' उ॰ द॰ 50'-- 3000 वर्ग फीट

शीमा

पूः नं० 56/43 का बचा भाग

प०: लालबाग रोड

उ०: एम० ए० हाक की सम्पत्ति नं० 44/8

द०: 56/43 का बचा भाग

बस्तावेज नं० 2550 / 74-75 ता० 2-9-74

श्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 9-4-1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०——— मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगल्र, दिनांक 9 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/3166/74-75-- यतः,
मुझे, ग्रार० किष्णमूर्ति ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम'
कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य
25,000/- ६० से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० रिक्त भूमि नं० 56/43 (पुराना नं० 10
श्रीर 52) है, जो लालबाग रोड, बैंगलूर-27 में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर-4
दस्तावेज नं० 2977/74-75 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 4-10-1974 को
पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिस्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की

मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः अब उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. एम० सत्यनारायण, (2.) एम० राघवेन्त्र 56/42, लालबाग रोड, बैंगलूर-27 (भ्रन्तरक)
- (2) वै० 'रामचन्द्र नायडु, 86, सैट एण्ड रोड, बस-वनगुडि, बैंगलूर-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 56/43 (एक भाग) पुराना नं० 10 ग्रीर 52) लालबाग रोड, बैंगलूर-27 क्षेत्रफल पू० प० $42\frac{1}{2}$ उ० द० 50' 2156 वर्गफीट सीमा :

पू: नं० 56/43 का बचा भाग प०: ग्रन्तरिती का बिका हुग्रा भाग उ०: एम० ए० हक की सम्पत्ति नं०44/8 व०: 56/43 का बचा हुग्रा भाग दस्तावेज नं० 2977/74-75 ता० 4-10-1974

> म्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम ग्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 9-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलूर का

ता॰ 11 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० श्रार० 62/3114/74-75—यतः, मुझे, श्रार० ऋष्णमृति

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चातु 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 8 है, जो गनगानष्टनहल्ली, एश-वन्तपूर होब्ली बैंगलूर नार्त तालुका (4 एकर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर नार्त ਲੈ), नं० 3525 / 74-75 में तालुका दस्तावेज रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के पूर्वोक्त सम्पत्ति **प्रधी**न, 18-9-1974 को के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिएं प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

(क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निरुसुकर बनाता; और/पा

उक्त अन्तरण लिखित में वास्तित्रिक रूप में कथित नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए मुकर बनाना;

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :--

- (1) श्री एस० एम० रामिकण्णराव मुख्तारनामी सज्जन श्रार० राव 'लक्ष्मी निवास' फोर्ट, बैंगलूर सिटी (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुनिथप्पा उर्फ अप्पन्ना सपुत्न लेट होड्डे गौडा श्रष्ट्रिकुप्पा, मैसूर रोड, बैंगलूर सिटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां णुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (सा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितसद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० ३, गनगानडनहल्ली गाँव, एक्शवन्तपुर होब्ली, बैंगलूर नार्त सालुक ।

पूर्व : डा० दस्तूर की सम्पत्ति और रोड ़को छोड़ी गई जमीन

पश्चिम: जमीन सर्वे नं० 8 का एक भाग

उत्तर : रोड भ्रौर जमीन सर्वे नं० 8

दक्षिण : जमीन सर्वे नं० 8

दस्तावेज नं० 3525 | 74-75 ता० 19-8-1974

ग्रार० किष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 11-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलर

बैंगलूर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1975

निदेश नं० सी० भार० 62/3115/74-75-; यत: मुझे, भ्रार० ऋष्णमूर्ति श्रधिनियम, 1961 (1961 **新 43**) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 8 है, जो गनगानडनहल्ली यशवन्तपुर होब्ली बैंगलूर में नार्थतालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर नाथं ₹), तालुक दस्तावेज नं० 3526/74-75 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्चह प्रतिशत से भिधक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीष्ठनियम, या धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रत : ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपन्नारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत:→

- (1) श्री एस० एम० रामिकण्णराव मुख्यतारनामी, सज्जन ग्रार० राव, लक्ष्मी निवास, फोर्ट, बैगलूर सिटी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुनिबैरप्पा उर्फ पापन्ना सपुत्र मुनिथप्पा उर्फ श्रप्पन्ना, श्रत्तिकृष्पे , मैसूर रोड, बैगलूर सिटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 8, गनगानडनहल्ली, यशवन्तपुर होब्ली बैंगलूर नार्थ तालुक । (चार एकड़)

सीमा :

पूर्वः श्रप्पश्नाको विका हुश्राभाग पश्चिमः जमीन सर्वेनं० 8

उत्तर : रोड सर्वे नं० 8 और केमपापुर ग्रग्नहारा

दक्षिण: सर्वे मं० 10, गनगानडन हल्ली

दस्तावेज नं० 3526/74-75 तारीख 18-9-74

श्चार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्णन रेंज, बैगलूर

तारीख : 11-4- 1975

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JOINT CHIEF COTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 31st March 1975

ORDER OF CANCELLATION

Sub: Cancellation of Customs copy of Import licence No. P/E/0210018/c/xx/48/M/37.38 dated 5-7-73 issued to M/S. Photo Emporium, Madras.2.

No. ITC/Dup. Copy/9/AM/75/EI/797.—M/S Photo, Emporium, No. 11, Mount Road, Madras 2, were granted a licence No. P/E/0210018/c/xx/48/M/37.38 dated 5-7-73 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hudred and fifty only) by this office for import of Hearing Aid batteries S. No. 46 A (c)/II for the period of April 73-March 74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Customs copy of the above licence on the ground that the original has been misplaced by the Customs authorities and is not traceable. In support of their contention they have produced a letter of the Asst. Collector of Customs, Postar Appraising department, Madras-1.

I am satisfied that the original copy of the Customs copy of the licence has been misplaced and I directed that a duplicate copy of the Customs copy of the licence should be issued to the applicant firm. The original of the Customs copy of the licence is hereby cancelled to the extent of its full value (i.e. Rs. 1250/-)

This is reported for your information.

M. F. R. BIJILI

Deputy Chief Controller of Imports and Exports for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRIES OF SUPPLY & REH, AND FOOD & AGRICULTURE

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 5th April 1975

No. Admn(CDN)/5.—On attaining the age of superannuation, Shri S. D. Gupta an officiating Pay & Accounts Officer in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Rehabilitation, New Delhi retired from service with effect from the Afternoon of 31-3-75.

P. P. GANGADHARAN Chief Pay & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS DEPARTMENT OF SUPPLY

New Delhi, the 29th March 1975

No. A-17011(38)/72-A.6.—Shri R. K. Misra, permanent Examiner of Stores and officiating Assistant Inspecting Officer (Tex.) in the N.I. Circle of Dte General of Supplies & Disposals retired from Govt, service with effect from 28-2-75 (A.N.) on attaining the age of superannuation,

The 9th April 1975

No. A-17011/1/71-A.6.—The Director General of Suplies & Disposals hereby appoints Shri R. M. Roy Chowdhury, Examiner of stores (Textiles) in N.I. circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi with effect from the forenoon of the 25-3-75 until further orders.

The 10th April 1975

No. A-17011/87/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P.M.R. Namboodiri, Assistant Director (Progress) (Grade II) in the DS&D Bombay, to officiate as Assit. Inspecting Officer (Engg.) in the Calculta Inspection Circle with effect from the forenoon of the 1-3-75. until further orders.

Shri Namboodiri, relinquished the charge of the post of 21-76GI|75

Assistant Director of Progress (Grade II) in the DS&D. Hombay, on the forenoon of 1-2-75 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcatta Inspection Circle on 1-3-75 (F.N.).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th March 1975

No. A 19011 (38)/70-Estt.A.—On the expiry of the deputation period with the Afghanistan Government, Shri B. C. Mishra has reverted back to the Indian Bureau of Mines and assumed charge of the post of Deputy Controller of Mines with effect from the forenoon of 24th February, 1975.

The 5th April 1975

No. A 19011 (30)/75-Estt. A.—On his deputation to the Pyrites, Phosphates & Chemicals Limited, as Ore Dressing Engineer, Shri D V. Kulkarni, permanent Deputy Ore Dressing Officer, India Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Deputy Ore Dressing Officer with effect from the alternoon of 31-3-1975.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

Nagpur, the 14th January 1975

No. T-31013/3/CBM/72—For general information of the mineowners in India, I hereby notify the respective Territorial Jurisdictions of Regional and Sub-regional offices of Indian Bureau of Mines, as follows:—

I. Calcutta Region:

Address: Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, P-21, Mission Row Extension, Calcutta-13 (Telephone No. 235440).

State						District
— — — — Manipur			- - -		·	All districts
Mizoram						**
Tripura						"
Meghalaya						, ,,
Nagaland						"
Arunachal	Pra	desh				
Assam						,,
West Benga	1			,		> 1
Orissa						,,
Bihar						Singhbhum

II. Hazaribagh Region

Address: Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, Zulu Park, Hazaribagh, Bihar. (Telephone No. 491)

Bihar All districts except Singhbhum.

III. Ajmer Region

Address: Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, 158/X, Civil Lines, Ajmer, Rajasthan. (Telephone No. 21074 & 20639)

Rajasthan . . . All districts except Udaipur, Chittorgarh, Dungarpur and Banswara districts.

410	4	THE GAZ	ZETTE OF I	NDIA, MAY
īv.		gion Regional Contro of Mines, "Pus Civil Lines, Na (Telephone No.	gpur-440001, M	Indian Burcau Shankar Road, aharashtra.
	Madhya Pradesh	Bastar Surguja Balaghat Chhindwara Vidisha Shahjapur Ujjain Indore Khargaon	Raipur Bilaspur Seoni Hoshangabad Bhopal Mandasor Jhabua Dewas	Raigarh Durg Betul Raisen Rajgarh Ratlam Dhar Khandwa
	Mahara- shtra	Rajura Nagpur Amravati Buldana Bir Thana	Chandrapur Wardha Akola Jalgaon Ahmednagar Kolaba	Bhandara Yavatmal Parbhani Aurangabad Dhule Nasik
V. <i>F</i>	of Mines	gion Regional Contro , 3-6-170, Hyder Vagar, Hyderab No. 37004).	rguda, P. O. Hii	Indian Bureau mayat
	Andhra	All districts en Chittor distric	scept Nellore, (Cuddapah and
	Karnataka		Gulbarga	Raichur
VI.	Goa Mahara- shtra	Regional Control Mines, Fatima Koad, Margao, C All districts Ratnagiri Sholapur North Kanara Belgaum	a Building, Bern Joa. (Telephone Kolhapur Satara	ardo Da Costa
VII.		Regional Contro of Mines, 17, Ku Bangalore-5600 Bellary South Kanara	mara Park East, '	Vimala Prabha, Io. 26176),
	State		Dist	
	Tamil Nad Kerala	u	All d	listricts. istricts.
VIII	, <i>Udaipur S</i> Address :	Deputy Contro	oller of Mines, Polo Ground, N sthan.	Indian Bureau Iew Fatehpura.
	Rajasthan	Udaipur Banswara .	Chittorgarh	Dungarpur

Gujarat

Punjab

Delhi

Haryana

Uttar Pradesh

IX. Dehra Dun Sub-Region

Jammu Kashmir

Himachal Pradesh

All districts.

Address: Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, H. No. 17-D, Race Course, Dehra Dun, U.P.

All districts

-do-

-do-

-do-

All districts except Jhansi, Hamirpur, Banda, Allahabad

and Mirzapur dis-

Delhi

tricts.

Χ.	Address:	b-Region Deputy Control Minos, 19/543, A.P.		
	Andhra Pradesh	Nellore	Cuddapah	Chittoor
XI.	_	Sub-Region Deputy Control of Mines, 735, (Telephone No.	Napier, Town, J	
	Madhya Pradesh	Mandla Rewa Narsimhapur Chhatarpur Guna Bhind	Shahdol Satna Damoh	Sidhi Jabalpur Panna Sagar Datia Gwalior
	Uttar Pradesh	Jhansi Allahabad	Hamirpur Mirzapur	Banda

ORDER

These orders shall come into force with immediate effect.

- 1. Ordered that these Territorial Jurisdictions of the Regional/ Sub-Regional Offices of the Indian Bureau of Mines be published in the Gazette of India for general information of the Mineowners.
- 2. Ordered also that a copy of the Territorial Jurisdiction of the Regional and Sub-Regional offices of the Indian Bureau of Mines be communicated to all mineowners under the jurisdiction of the this Department.

D. N. BHARGAVA, Controller, Indian Bureau of Mines

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 4th February 1975

No. 2222 (ABS)/19A,-Shri Ajai Behari Srivastava is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740— 35—810— EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7-1-1975, until further orders.

The 2nd April 1975

No. 2222 (TPU)/19A.—Dr. Tarakeshwar Prasad Upadhaya is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9-12-1974, until further orders.

No. 2222 (PK)/19A.—Shri Prem Kumar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880 -40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31-1-1975, until further orders.

No. 2222 (AKS)/19A.-Shri Ashok Kumar Sood is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB -35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27-1-1975, until further orders.

The 3rd April 1975

No. 2222 (BD)/19A.—Shri Bhabesh Datta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs, 650 per month in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880 -40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1-2-1975, until further orders,

The 7th April 1975

No. 2251(GPS)/19B.—Shri G. P. Shah received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity from the forenoon of the 11th November, 1974.

The 10th April 1975

No. 2222 (GS)/19A.—Shri Goutam Sarkar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19-2-1975, until further orders.

C. KARUNAKARAN Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 25th February 1975

No. 4-102/74-Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Nishtala Venkata Kameswara Rao to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at South India Station of this Survey, Mysore, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 12th February, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS Senior Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 9th April 1975

No. 29-12/75/Estt.—In continuation of Notification No. 29-12/72/Estt. Dt. 27-1-75 the appointment of Shri S. K. Biswas as a Scientific Officer in the National Atlas Organisation on a purely temporary and ad hoc basis, is extended with effect from 16th April, 1975 for a further period not exceeding 3 months.

S. P. DAS GUPTA Director

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 9th April 1975

No. E. 11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE.

- (i) in the entry "PRM-12", for the figures "1975" the figures "1976" shall be substituted; and
- (ii) for the words and figures "PRM-12 and PRM-21" the words and figures "PERMAFLO-1 and PERMAFLO-3" shall be substituted.

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th April 1975

No. A-3314/8/70-SVI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. D. Misra, Assistant Station Engineer, High Power Transmitter, All India

Radio, Kingsway, Delhi in a quasi-permanent capacity in the post of Assistant Engineer with effect from 13-8-1968.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General.

(Civil Construction Wing)

New Delhi-1, the 5th April 1975

No. A-12023/2/74-CW.1/16-19—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following persons as Assistant Engineer (Civil), in the Civil Construction Wing of All India Radio, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the date shown against each:—

S. Name No.	Date from Office where which posted appointed
1. Shri R. Krishnaswamy	18/3/75 (FN) Sub-Divl. Office (Civil). C.C.W. A.I.R, Jullundur.
2. Shri V. Radhakrishnan	10/3/75 (FN) Sub-Divl, Office (Civil), CCW/AIR, Patna.

K.G. KRISHNAMURTHY, Engineer Officer to C.E. (Civil), for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROAD-CASTING

DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-11, the 5th March 1975

PUBLIC NOTICE

NATIONAL AWARDS FOR FILMS

No. 1/2/75-FFD-1.—In pursuance of rules 3 and 6 of the Rules concerning National Awards for Films Notified in the Resolution of the Government of India Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, No. 1/2/75-FFD dated the 5th March, 1975 entries for the National Awards for Films are hereby invited in respect of the following categories of Indian films certified for public exhibition during the calendar year 1974:—

I. FILMS AS ART

- 1. Best Feature Film of the year.
- 2. Best Feature Film on National Integration.
- 3. Best Children's Film of the year.

II. FILMS AS COMMUNICATION

- 4. Best Information Film (documentary).
- 5. Best Educational/Instructional Film.
- 6. Best Social Documentation Film (dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem).
- Best Commercial Promotional Film (Advertisement)
- 8. Best Promotional Film (Non-commercial).

III. SPECIAL SHORT FILMS CATEGORY

- 9. Best Experimental Film.
- 10. Best Animation Film.

- 2. The entries in respect of feature films as mentioned above as well as in other categories may be made by the producer(s) or any other person(s) duly authorised by him (them) in this behalf, upto 5th April, 1975. The entries should be made in duplicate in the form prescribed in the schedule annexed to the Rules referred to above. The entry forms in respect of feature films and short films shall be accompanied by a treasury chalan of Rs. 100 in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and of Rs. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit respectively. The above amount should be credited to Central Government Account under the Major Head "L. II-Miscellaneous". "085 Information and Publicity—Receipts from Films."
- 3. Entries in respect of the various categories of films should be addressed to the Director, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe (Room No. 392), New Delhi.

The prints will be delivered at such place as and when advised by the Directorate of Film Festivals.

- 4. All entries will be accompanied by 50 copies each of the synopsis complete with cast together with 5 copies of the script in the language of the film, together with 5 copies of English or Hindi repdering thereof; and 30 copies of the songs, if arry, in the language of film, together with their 30 copies of free translation in English or Hindi and 6 stills with the relevant publicity material in addition to the print at the cost of the entrant. The print should be sent duly addressed to the Technical Officer, Films Division Auditorium, No. 1, Mahadev Road, New Delhi and should reach here latest by 19th April, 1975.
- 5. Copies of Rules for National Film Awards and Entry Forms can be had from the following:—
 - Directorate of Film Festivals,
 Ministry of Information & Broadcasting,
 Room No. 392, Vigyan Bhavan Annexe, New
 Delhi.
 - The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 91-Walkeshwar Road, Bombay-6.
 - The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 35-Haddows Road, Nungambakkam, Madras-6.
 - The Regional Officer, Central Board of Film Censors,
 Esplamade East, 3rd Floor, Calcutta-1.
- 6. The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35 mm or 1,360 metres in 16 mm. The maximum length of a film to be entered under the broad cotegories "Film as Communication" and "Special Short Films Category" shall be 1000 metres in 35 mm or 400 metres in 16 mm except in the case of Information Film (Documentary). A film entered as a children's film will not be eligible for entry as a feature film or vice-versa.

RESOLUTION

No. 1/2/75-FFD.—The following Rules are notified for regulating the National Awards for Films for 1974:—

- 1. These Rules shall be called Rules for the National Awards for Films, 1974.
- 2. The object of these awards is to encourage the production of films of high acsthetic and technical standard and of social, education and cultural values.
- 3. The following categories of awards will be available under these rules.

(a) FILMS AS ART

- (i) Award for the National Best Feature Film.—President's Gold Medal for the National best feature film of the year and a cash prize of Rs. 40,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the Director.
- (ii) Award for the second National Best Feature Films—Silver Medal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000-/ to the Director,
- (iii) Special Award for the Best Feature Film on National Integration.—Silver Medal and a Cash prize of Rs. 30,000/to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the Director.
- (iv) Special Award for Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value.—A Gold Medal to the producer and a Silver Medal to the Director.
- (v) Award for the Best Feature Film in each regional language.—Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/-to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the director of the best feature film in each language viz.,

Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili); Marathi (including Konkani); Gujarati; Punjabi; Kashmiri; Sindhi and English.

- -Bengali, Assameso, Oriya and Manipuri.
- -Tamil, Telugu, Kanada and Malayalam.
- (b) Award for Excellence in Direction,—Silver Medal and a cash prize of Rs. 20.000/- to the best director of the year.
- (c) Award for Excellence in Cinematography (Black and White).—Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/-to the best Cameraman of a black & white film.
- (d) Award for Excellence in Cinematography (Colour).
 —Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the best Cameraman of a colour film.
- (e) Best Actor of the Year Award.—"BHARAT AWARD" in the form of a figurine to the best actor.
 - (f) Best Actress of the Year Award,—"URVASHI AWARD" in the form of a figurine to the best actress.
 - (g) Best Child Actor/Actress of the Year Award.— Silve Medal to the best child actor or actress who is not more than 16 years in age.
 - (h) Best Male-Play-Back Singer of the Year Award.—Silver Medal to the best male play-back singer.
 - (i) Best Female Play-Back Singer of the Year Award,—Silver Medal to the best female play-back singer.
 - (j) Best Music Director of the Year Award.—(An award to recognise Originality of Score).—Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the best music director.
 - (k) Best Screenplay of the year Award,—Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the best script writer.
 - (1) Best Story of the Year Award.—Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the best story writer.
 - (m) Best Lyric of the Year Award.—Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the author of the best film song on the theme of national integration.
 - (n) Best Children's Film of the Year Award:—Gold Medal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the director.

II Film as Communication

- (a) Best Information Film (Documentary).—Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 4,000/- to the director.
- (b) Best Educational/Instructional Film.—Silver Medal and a cash prize of Rs, 5,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 4,000/- to the director.

- (c) Best Social Documentation Film.—(Dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem) Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 4,000/- to the director.
- (d) Best Commercial Promotional Film (Advertisement).—A Silver Medal each to the producer and the director.
- (e) Best Promotional Film (Non-Commercial.—For the best promotional film on Subjects of national importance e.g. National Integration, social justice, co-operation; savings; Dynamics of Development including agricultural practices, etc.)
- A Silver Medal each to the producer and the director. III—Special Short Films Category
 - (a) Best Experimental Film.—Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/ to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 4,000/- to the director.
 - (b) Hest Animation Film.—Silver Medal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and a Silver Medal and a cash prize of Rs. 4,000/- to the director,

IV-Dadasaheb Phalke Award

(Special award for outstanding contribution to the cause of Indian cinema).

Gold Medal, a cash prize of Rs. 20,000/- and a shawl. Explanation

The telm, 'Producer', 'director', 'cameraman', "actor", 'actress', 'child actor/actress', 'play-back singer', 'music director', 'screen-play writer'/script writer', 'story writer', and 'lyric writer' used in these rules will be construed as referring to the 'producer', director', 'Cameraman', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'play-back-singer', 'music director', 'screen-play writer'/script writer', 'story writer' and 'lyric writer', as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

- 4. (a) No award will be given to the producer or director of a film in a category for which the number of entries received is less than two,
 - (b) Government may, at its discretion, give the cash prize in the form of National Savings Certificate or any other similar certificate issued by the Government of India.
 - (c) The producer of a feature film produced in a language other than Hindi which wins an award under category 1(a) of Rule 3 will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 3,000/on his getting that film sub-titled in Hindi.
- 5. All Indian films certified for public exhibition by the Central Board of Film Censors in the preceeding calendar year will be eligible for entry. A declaration to that effect shall be made by the producer or any other duly authorised person is the form contained in the Schedule hereto annexed.
- A film will be entered for awards only in one of the categories mentioned under Rule 3 viz., best feature film, the best national integration film, the best social documentation film, the best children's film, the best information film, the best educational/Instructional film, the best promotional film the best experimental film and the best animation film.
- 6. (a) Entries for the awards will be invited every year by a date to be specified by the Central Government in a notification to be published in the Gazette of India.
- (b) Every application for entry shall be made on the form contained in the Schedule to these Rules and be accompanied by an entry fee Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35 mm and 400 metres in 16mm and Rs. 50/- in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable.
- (c) Each entrant will submit, at his cost, to the Director, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, Room No. 392, New Delhi or to any other authority as may be specified:—
 - (i) a print of the film as certified by the Central Board of Film Censors at the time and place indicated by such Regional Officer or authority;

- (ii) 50 copies each of the synopsis and 5 copies of the script in the language of the film together with 5 copies of English or Hindi rendering thereof; and 30 copies of the songs, if any, in the language of the film, together with their 50 copies of free translation in English or Hindi and 6 stills with the relevant publicity material.
- (d) The decision of the Government of India whether a film is eligible to be entered for the awards and whether any film is a feature film, national integration film, children's film, information film, educational/instructional film, experimental film social documentation film, promotional film, animation film for the purpose of entry for the awards, will be final.
- (e) A film which is dubbed version, retake or an adaptation of a film, which has already been entered into a State/national film Award Competition, instituted by the Central Government will not be eligible for consideration for award in any of the categories under Rule 3.1 (a) (i) to (iv); 3.1 (k), (1) and (n) but would be eligible for award under categories pertaining to excellence in direction, cinematography, acting, play-black singing music direction and lyrics i.e., 3.1 (b) to (j) and (m).
- (f) Only one of the versions of a film, which is made in several languages, can be entered for award.
- (g) The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35mm or 1,360 metres in 16 mm. The maximum length of a film to be entered under categories II and III of Rule 3 shall be 1000 metres in 35 mm and or 400 metres in 16 mm except in the case of information film (documentary).
- (h) The last date of entry may be relaxed at the discretion of the Government of India in exceptional cases.
- (f) No film which has not been entered for the National Awards will be considered eligible for these awards.
- 7. All transport costs on the consignment and return of the film and publicity material will be payable by the entrant.
- (8) All films will be submitted at the owner's risk and while the Government will take every reasonable care of the film submitted, it cannot accept responsibility for any loss or damage to the film while in its possession.
- 9. The awards will be decided by the Government on the recommendations of the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films appointed by the Government, These Juries was make their recommendations to the Government.
- 10. The composition of the National Jury for Feature Film will be as follows:—
 - (a) A Chairman nominated by the Government; and
 - (b) not more than 24 persons, distinguished in the field of arts and humanities including film and qualified to judge the thematic and artistic merits of films including presentation, direction and technical values, nominated by the Government.
- 11. A panel of not more than 3 persons shall be constituted by the Chairman out of the members of the National Jury for Feature Films to examine films in each language. No separate panel shall, however, be constituted for a particular language if the number of entries in that language is less than three. The film(s), in that event, shall be grouped with another language of the region concerned having greater affinity with that language.
- 12. Each panel will recommend to the aforesaid National Jury for Feature Films not more than three films considered suitable for awards without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel a particular film excells over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 3.1 (b) to (m), the particular category in that event may be specified along with the title of the film,

- 13. A special panel of not more than five members out of the members nominated on the aforesaid National Jury for Feature Films will be constituted by the Chairman for examination of films entered for Children's Film Award under Rule 3.1 (n) and recommend to the aforesaid National Jury not more than three films, without indicating order of merit.
- 14. The National Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various language panel and the panel for the Children's films and recommend films for various categories of awards under Rule 3.I.

15. NATIONAL JURY FOR SHORT FILMS:

The National Jury for Short Films consisting of 5 members, including the Chairman, will be bonstituted by the Government for examination of entries under the categories of information films (documentary), educational/instructional films, social documentation films, promotional films, (commercial and non-commercial), experimental and animation films. The Jury shall make its recommendation to the Government direct.

- 16. Notwithstanding anything contained in rules 10 and 15 of these Rules, the Government may nominated on any of the two National Juries such number of additional members not exceeding 5 as may be considered necessary to ensure adequate representation of members, knowing each language in which films are adjudged or having specialised background.
- 17. Both the National Juries may determine their own procedure for the examination of films,
- 18. The quorum of the two National Juries shall not be less than half of the number of members nominated or presented voting.
- 19. The members of the two National Juries in addition to the travelling and daily allowance as admissible under the rules, shall also be entitled to receive consultancy fee (a) Rs. 50/- per day for attending the meetings/previews of films in connection with the National Films Award competition.
- 20. The Award for outstanding contribution to the cause of Indian Cinema under rule 3, IV of these Rules shall be decided by Government of India whose decision in the matter shall be final,
- 21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films making a recommen-

- dation that none of the films in a particular language or category or that none of the Screen-play Writer, Story Writer, Director, Cameraman, Actor, Actress, Child Actor, Play-back Singer, Music Director and Lyric Writer of the feature films examined by them is of a standard adequate for an award.
- 22. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for the Awards and which receives an award. The cost of the print viz. the cost of raw material and processing charges, will be reimbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available.
- 23. If a person winning an Award for Excellence in Direction also happens to be the director of a film winning award for the National Best Feature film or the Second best feature film or the Best Feature film on National Integration as also for the Regional Awards, he will receive award only in one capacity, carrying a higher cash prize.
- 24. If the producer and the director of an award-winning film happens to be the same person and eligible for award in both capacities, he will be given an Award either as a producer or a director and not both.
- 25. The producer of the film entered for the Award shall have no objection to the screening of the film for the National Juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.
- 26. The members of both the National Juries shall treat the deliberations and recommendations of the Jury as confidential.
- 27. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two National Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.
- 28. The decisions of the Government of India in respect of the Awards and of interpretation of these rules shall be final and no appeal shall lie against them.
- 29. The Awards will be made annually at a function for the presentation of the Awards which will be held at such place and on such dates as Government may determine,
- 30. A person who participates in the National Awards for Films under these Rules shall be deemed to have accepted these Rules.

SCHEDULE TO THE NATIONAL AWARDS FOR FILMS RULES

То

The Director, Directorate of Films Festivals, Vigyan Bhavan Annexo (Room No. 392), Maulana Azad Road, NEW DELHI-11.

ENTRY FORM FOR NATIONAL AWARDS FOR FILMS

1.	I wish to enter the follwing	film f	or the Na	ationa	l Awar	ds :	for Films for the year 1974:—
(i)	Title of the film						
(ii)	Classification: Feature/Children's/docum tional/Social documentation ment/Promotional (non-chi-	on/Pro	motional	(Adv	ertise-	•	
4	Animation film		· · ·	•	•	•	
` '	Language of the film	٠		•	•	•	
(lv)	Length, gauge and running	time (of the film	ι.	•		
(v)	Number of reels						
(vi)	Black & White/Colour						
(vll)	Classification of the film	in th	e Censo	r Cc	rtificate	::	

(viii) Name and full address of the Producer (with telephone	
number and telegraphic address, if any)	
(ix) Name and full address of the Director	
(x) Name and full address of the story writer	
(xi) Name and full address of the screen-play writer	
script writter	
	/
(vii) (a) Niana and full address of the leading scale and	
female artist	
-	
GA Name and Chadden of the Add and Attended for any	
(b) Name and ful address of the child artist (if any) of an age not exceeding 16 years	
(xiii) Name & full address of the play back singer:	
(a) Male singer	
(a) Male singer ,	
(a) Male singer ,	
(a) Male singer	
(a) Male singer ,	
(a) Male singer	
(a) Male singer (b) Female singer (xiv) Name and full address of the cameraman (xiv) Name and full address of the music director (xvi) Name and full address of the lyric writer	
(a) Male singer	
(a) Male singer (b) Female singer (xiv) Name and full address of the cameraman (xiv) Name and full address of the music director (xvi) Name and full address of the lyric writer	

(xviii) Date of release	
(xix) If the film is a dubbed version an adaptation or a retake of another film particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake	
2. I have read the rules governing these awards and agree to	
I declare that I have been duly authorised by the producer of the entry is not the producer).	of the film to make this entry (to be made in case the person making)
 I certify that the film is not a dubbed version, a retake of a State/National Award and the print which is being sub- by the Central Board of Film Censors. 	an adaptation of a film which has already been entered earlier for mitted as entry is exactly in the form in which it has been certified
5. I further certify that the statements made above are true to	the best of my knowledge and belief.
	Signature ————————
	Address
Date ————	
Placo	

Note:—The information should be the same as given in the credit title of the film. The title of the film and names of producers, directors and technicians etc. should be given in English as well as in Hindi.

The 3rd April, 1975

NATIONAL AWARDS FOR FILMS

F. No. 1/8/73-FFD.—In supersession of the Public Notice of the Government of India, Ministry of Information and Broadcasting, No. F. 1/8/73-FFC, dated the 19th July, 1973 entries of films are invited for the following two special Awards instituted by the Government of India for ONE YEAR as a part of programme to celebrate the 25th Anniversary of India's Independence:—

AWARDS

- (i) Best Feature Film.—Cash prize of Rs. 30,000 and a Silver Medal to the producer and a cash prize of Rs. 10,000 and a Silver Model to the director.
- (ii) Best Documentary/Short Film.—Cash prize of Rs. 5,000 and a Silver Medal to the producer and a cash prize of Rs. 4,000 and a Silver Medal to the director.

THEMES OF FILMS FOR 25TH ANNIVERSARY AWARDS

- (i) Nation's re-dedication to the achievements of the ideals instilled by the Father of the Nation and also enshrined in the Preamble to the Constitution of India and our determination to pursue the noble ideals which inspired the founding Fathers;
- (ii) Homage to our freedom fighters and martyrs by depicting episodes and distinctive features of their unique struggle against a mighty foreign imperialism: thus correctly interpreting the Indian freedom struggle in the moral and idealistic environment in which it was conducted;
 - (iii) Unity in diversity;
- (iv) National Internation and the preservation and further growth of the unity of the nation;
- (v) Encouragement to the nation-builders at every level, high or low, tracing the mighty endcavour towards the forging of a new nation;
- (vi) Achievements in different fields during the past 25 years highlighting the problems solved; (vii) Propagation of ideas of self-reliance and efforts to achieve self-sufficiency in various productive activities;

- (viii) March towards social justice, economic prosperity and promotion of social welfare;
- (lx) Achievement of the ideal of the assertion of the individuals' right to freedom in expression and action.

ELIGIBILITY

- (i) The films on the themes of 25th Anniversary awards completed during 1972, 1973 or 1974 and which have been duly certified by the Central Board of Film Censors for public exhibition during any of these calendar years will be eligible for entry in the competition. The last date for receipt of entries is April 30th, 1975. Entries in respect of films should be addressed to the Director. Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, (Room No. 392), Maulana Azad Road, New Delhi, so as to reach him on or before this date.
- (ii) The films already entered for this special award in response to the Public Notice No. F. 1/8/73-FFC, dated the 19th July, 1973 will be considered to have been entered under this Public Notice and no fresh entry form will be required to be submitted in respect of such films.

PUBLICITY MATERIAL AND PRINTS

- (i) The prints will be delivered at such place as and when advised by the Directorate of Film Festivals.
- (ii) All entries in respect of feature films will be accompanied by 50 copies each of the synopsis complete with cast and the script in the language of the film, together with 5 copies of English or Hindi rendering thereof; 30 copies of the songs, if any, in the language of the film together with their 30 copies of free translation in English or Hindi and 6 stills with the relevant publicity material in addition to the print, at the cost of the entrant.

All entries in respect of documentary/short films will be accompanied by 5 copies each of the synopsis and the commentary text in the language of the film together with 10 copies of English or Hindi rendering thereof and 6 stills with relevant publicity material in addition to the print, at the cost of the entrant.

AVAILABILITY OF ENTRY FORMS

Entry form and other relevant information can be had from the following:—

- Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Room No 392, Vigyan Bhavan Annexe, Maulana Azad Road, New Delhi.
- The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 91-Walkeshwar Road. Bombay-6.
- The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 35 Haddows Road, Nungambakkam, Madras-6.
- The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 8 Fsplanade East, 1st Floor, Calcutta-1.

JAGAT MURARI, DIRECTOR DIRECTORATE OF FILMS FESTIVALS

To

The Director,
Directorate of Film Festivals,
Ministry of Information and Broadcasting,
Room No. 392, Vigyan Bhavan Annexe,
New Delhi.

ENTRY FOR SPECIAL AWARD FOR 25TH ANNIVER-SARY OF INDIA'S INDEPENDENCE

I wish to enter the following film for the special award instituted to celebrate the 25th Anniversary of Independence in terms of Ministry of Information and Broadcasting Public Notice No. 1/8/73-FFD, dated the 3rd April, 1975.

- (i) Title of film:
- (ji) Theme:
- (iii) Language of the film:
- (iv) Length, gauge and running time of the film.
- (v) Number of reels:
- (vi) Black & White/Colour:
- (vii) Classification of the Film in the Censor Certificate: Whether 'A' or 'U':
- (viii) Name and full address of the producer with telephone number and telegraphic address, if any:
- (ix) Name and full address of the Director '
- (x) Name and full address of the screenplay writer, script writer
- (xi) (a) Name and full address of the leading male and female artist:
 - (b) Name and full address of the child artist (if any) of an age not exceeding 16 years:
- (xii) Name and full address of the play back singer:
 - (a) Male singer .
 - (b) Female singer:
- (xiii) Name and full address of the cameraman:
- (xiv) Name and full address of the music director:
- (xv) Name and full address of the lyric writer
- 22-76GI/75

- (xvi) Number and date of certificate of exhibition issued by the Central Board of Film Censors;
- (xvii) Date of release:
- (xviii) If the film is a dubbed version an adaptation or a retake of another film particulars of the film of which it is dubbed version, adaptation or retake:
- 2. I have read the rules governing these awards and agree to abide by the same.

ng nggagagaga a ta a ta a ta ata ata

- 3. I declare that I have been duly authorised by the producer of the film to make this entry (to be made in case the person making the entry is not the producer).
- 4. I certify that the film is not a dubbed version, a retake or an adaptation of a film which has already been entered earlier for a State/National Award and the print which is being submitted as entry is exactly in the form in which it has been certified by the Central Board of Film Censors.
- 5. I further certify that the statements made above are true to the best of my knowledge and belief.
- 6. I hereby agree to the Government retaining the print of th film in the event of its receiving an award in the form of a medal and/or cash.
- 7. I have no objection to the special screening of the film for the general public in the national festival of films that Government may organise after the National Awards have been announced. I also understand that the proceeds of tickets for these screenings will be credited to the Government revenue.

Date :	Signature	1														
Place :	Address : .															
		٠.	•	•	٠	٠.	•	•	•	-	٠.	•	٠	•	٠	

NOTE: The information should be the same as given in the credit titles of the film. The title of the film and names of producers, directors and technicians etc. should be given in English as well as in Hindi.

Bombay-400026, 31st March, 1975

No. A-12026/2/73-Est.I.—Shri N. F. Dewani Accounts Officer of the office of the Accountant General Central Revenues, New Delhi, who was on deputation to the Films Division, New Delhi, repatriated to his parent office with effect from the forenoon of the 1st March 1975. On being relieved from the Films Division, New Delhi, he was allowed to proceed on Earned Leave for 61 days from 1-3-1975 to 30-4-1975.

M. K. JAIN, Assit, Admn. Officer. for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVFRTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 26th March, 1975

No. 9/53/60-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri B. B. Banerjee, a permanent Senior Artist in this Directorate to officiate as Chief Modeller on a purely ad-hoc basis with effect from the 17th March, 1975 until further orders vice Shri C. B. Parganiha appointed as Officiating Art Executive (Visualiser).

for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi the 1st April 1975

No. 10-4/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Gitasri Mukherjee to the post of Junior Chemist for Pesticides Residue Analysis in the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of the 18th January, 1975, on an ad-hoc basis and until further orders.

The 4th April 1975

No. 1-21/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S Subba Rao in a substantive capacity to the permanent post of Associate Professor of Environmental Sanitation at the All India Institute of Hygiene and Public Health. General of Health Services for the above period.

The 7th April 1975

No. 1-8/72-Admn.1.—On attaining the age of superannuation, Shri G. C. Basu. Administrative Officer at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of the 31st December, 1974.

No. 11-3/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade 1 of the C.S.S. from the forenoon of the 28th January, 1975 to the afternoon of 31st March, 1975.

The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 11th April 1975

No. 1-6/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Kumari Vadlamani Subhadra to the post of Assistant Professor of Midwifery Nursing in the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 20th March, 1975, in a temporary capacity, and until further orders.

The 14th April 1975

No. 1-17/69-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Di. G C. Karmakar. Assistant Professor of Biophysics at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta retired from service with effect from the afternoon of the 31st Ianuary, 1975.

The 16th April 1975

No. 33 4/75-Admn I—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kalra, a retired Section Officer, as Public Relations Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi in an honorary capacity, with effect from the forenoon of the 3rd March. 1975, and until further orders.

No. 17-7-/75 Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shrl V. R. Mainkar. Senior Scientific Assistant, Directorate General of Health Services, New Delhi, in the post of Technical Officer in the same Directorate with effect from the forenoon of the 1st January, 1975 vice Shri K. C Gangal, on leave upto the 28th February, 1975.

S. P. JINDAL, Dy. Dir. Admn.

New Delhi, the 8th April 1975

No. 16.17/74-SI.—On retirement from Govt. Service, Shri Gurmukh Singh, Deputy Assistant Director General (Medical Stores) in the Medical Stores Organisation relinquished the charge of his post with effect from the afternoon of 31st March 1975.

SANGAT SINGH, D,D,A, (ST).

New Delhi-110011, the 10th April 1975

No. 35-9/74-CHS.I.—Consequent on her transfer Dr (Mrs.) Madhur Grover relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (on ad hoc basis) under the Central Govt. Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 12th Feb. 1975 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer at Safdarjang Hospital, New Delhi on the 13th Feb., 1975 (F.N.) on the existing terms and conditions.

The 11th April 1975

No. 13-2/75-CHS.I.—On transfer, Dr. A. K. Sarkar, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Medical Officer in the Raj Kumari Amrit Kaur College of Nursing, Andrewsganj, New Delhi on the forenoon of the 20th March, 1975 and assumed charge of the post of Deputy Assistant Director (Public Health) in the C.H.E.B., Directorate General of Health Services, New Delhi, on the same day.

On transfer, Dr. (Mrs.) R Chawla, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of Medical Officer in the Rural Health Training Centre, Najafgarh, on the afternoon of the 19th March, 1975 and assumed charge of the post of Medical Officer in the Raj Kumari Amrit Kaur College of Nursing, Andrewsganj. New Delhi in the forenoon of the 20th March, 1975.

No. 34-46/74-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Ravi Shanker relinquished charge of the post of Junior Medlcal Officer on ad hoc basis under the Central Government Health Scheme, Delhi on the forenoon of the 25th November, 1974, and assumed charge in the same capacity and on the existing terms and conditions in the Willingdon Hospital, New Delhi, on the forenoon of 25th November, 1974 until further orders.

R. N. TEWARI, Dy. Dir. Admn (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DFPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 22nd March 1975

No. 5(4)/74-Estt.(1).—Consequent upon his selection of Shri S. P. Chhibbar, Officer-in-chrage, W.C.C.S., Directorate of Fxtension to the post of Controller, Class II (Non-CSS) in the Import & Fxport, Trade Control Organisation he has relinquished the charge of his post in this Dte. w.e.f. 10-3-75 (F.N.).

The 2nd April 1975

No. F.12(9)/70-Estt.(I).—The following Superintendents (Grade I) of the Directorate of Extension are appointed substantively to the permanent post of Superintendent (Gr. I) G-C-S Class II (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700—30—760—35—900 w.c.f. 23-8-1973.

- 1. Shri K. L. Issar,
- 2. Shri K. P. Srinivasan

The 3rd April 1975

No F 2(7)/70-Estt.(1).—Shri H. S. Gautam will continue to officiate as Superintendent (Gr. 1), Class II (Gazetted) (Ministerial) in the scale of Rs. 700—30—760—35—900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) on ad-hoc basis beyond 28th February, 1975 to 31st May, 1975.

N. K. DUTTA, Dir. of Admn.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 2nd April 1975

No. F.2/8/75-DN.II.—In partial modification of Notifications as No. 3(TL/2)65-D.II. No. 3(44)|9|72-D.II, No. F. 5|11|69 D.II & No. F. 2|8|70-DN.II and published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1843) the name of Shri S. K. Sabharwal, Assistant Marketing Officer wherever occuring in the said notifications may be treated as cancelled.

No. F.2/8/75-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 125, 126. 127 Dt 15.9 1962, No. 1131, 1132 Dt. 7 8 1965, No. 448 Dt. 14.3 1964, No. 1133, 1134, 1135 Dt.

7.8.1965 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri K. Suryanarayana, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Cardamom, Chillies, Ginger, Turmeric, Table Potatoes, Onion, Garlic and Pulses, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marketing Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

No. F.2/8/75 DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 125, 126, 127 Dt 15.9, 1962, No. 1131, 1132, Dt. 7.8.1965 and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri E. S. Paulose, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Cardamom, Chillies, Ginger and Turmeric, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

No. F.5/11/69-D.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notifications GSR-1133, 1134, 1135 Dt 7.8.1965, GSR-448 Dt 14.3.1964, No. 124 Dt. 15.9.1962 GSR-1421 Dt. 31.8.1963, No. 12 Dt. 9.6.1945, No. 1 camp Dt 5.1.1946, No. 6 Dt. 5.2.1949, No. 64 Dt. 17.6.1961 & No. 1130 Dt. 7.8.1965 published in the Gazette of India 1 hereby authorise Shri B. S. Dhardwaj, Assistant Marketing Officer to issue Certificate of Grading from the date of issue of the notification in respect of Onion, Garlic, Pulses, Table Potatoes, Myrobalans, Tobacco and Tendu Leaves which have been graded in accordance with the provisions of the Onion, Garlic, Pulses, Table Potatoes, Myrobalans, Tobacco and Tendu Leaves Grading and Marking Rules, as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, (1 of 1937).

The 11th April 1975

No. F.4-6(84)/75-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. B. Warhade has been appointed as Assistant Marketing Officer, Group III, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Nagpur with effect from 25-2-75 (F.N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th April 1975

No. AMD|1|3|75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division hereby appoints the following permanent Scientific Assistant (Physics) Grade 'B' and officiating Scientic Assistant (Physics) Grade 'C' in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, as Scientific Officer (Physics) Grade SB, in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of 1st February, 1975 until further orders:—

- 1. Shri Ravi Shankar,
- 2. Shri N. B. Mathur,
- 3. Shri A. Vishwanathan,
- 4. Shri M. V. Karthikeyan,
- 5. Shri K. Sivaraman.

The 9th April 1975

No. AMD|1|3|75|Adm.--The Director, Atomic Minerals Division hereby appoints the following Quasi permanent/officiating Scientific Assistants (Physics) Grade 'A' in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Linergy, as

Scentific Officers (Physics) Grade SB, in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of 1st February, 1975 until further orders:—

- 1. Shri Bhishma Kumar.
- 2. Shri Shankar Mishra.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative and Accounts Officer, for Director.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040 the 22nd March 1975

No. NFC|Adm|22|12|422.—Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Anath Bandhu Guha, as Station Officer in a temporary capacity in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from February 15, 1975 (FN), until further orders.

S. P. MHATRE, Senior Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd March 1975.

No. A.38012/1/75-F.C:—On attaining the age of superannuation, the fallowing officials retired from Government service on the 28th February, 1975 (A.N.):

- S. No. Name, designation and station of posting.
 - 1. Shri A. K. Mitra, Controller of Communication, Calcutta Airport, Dum Dum-52.
 - Shri B. D. Rao, Senior Technical Officer, Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

The 24th March 1975

No. A.38013/1/74-LC.—Shri A.D.H. Carvalho, Assistant Communication Officer in the office of the Officer-in-Charge, Aeronautical Communication Station, Bhavnagar relinquished charge of his office on 27-1-75 (After-noon) on retirement from Government service in terms of F.R.56(K) (This Department Notification No. A.38013/1/74-EC. dated 26-2-1974 is hereby cancelled.

The 25th March 1975

No. A.32013/1/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Iyyar, Assistant Communication Officer at A.C.S., Madras to officiate as Communication Officer at A.C.S., Trivandrum with effect from the 19-9-1974 (F.N.) on a purely ad-hoc basis vide Shri N. Sundaram, Communication Officer, A.C.S., Trivandrum granted leave.

No. A.32013/1/74-LC.—The President is pleased to appointment Shri D. S. Shrivastava, A.T.O., A.C.S., New Delhi to officiate as Technical, Officer in the Central Radio Stores Depot, New Delhi with effect from the 12th December, 1974 on purely ad-hoc basis vice Shri K.P.B. Nair, Technical Officer granted leave.

No. A.32013/1/74-H.C.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Nath, Assistant Director of Communication to officiate as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Department New Delhi (Headquarters) with effect from the 17th May, 1974(F.N.) on purely ad-hoc basis vice Shri V. Chandrasekharan, Deputy Director (Communication) granted leave.

No. A.32013/1/74-EC:—The President is pleased to appoint Shri R. S. Goela, Senior Technical Officer to officiate as Assistant Director (Communication) in the Civil Aviation Department, New Delhi (Headquarters) with effect from the 29th May, 1974 until further orders.

No. A.32013/1/74-EC:—The President is pleased to appoint Shri I. P. Samuel, Assistant Technical Officer to officiate as Technical Officer at the A.C.S., Bombay with effect from the 30th September, 1974 A.N. on a purely ad-hoc basis vice Shri M. N. Adur, Technical Officer, A.C.S., Bombay granted leave.

New Delhi, the 29th March 1975

No. A. 32013/9/73-EC—The President is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Aviation Department to the post—and with effect from the date shown against each on a purely ad-hoc—basis—until further orders:—

S. No. Name and designation	Post to which appointed	Date from which appointed	Station	to which
 Shri K. Ramalingam, Technical Officer, Shri S. K. Gupta, Communication Officer Shri R. P. Sharma, Communication Officer 	Senior Technical Officer Senior Communication Office Senior Communication Officer		A.C.S. A.C.S., A.C.S.,	Calcutta. Calcutta. Calcutta.

The 1st April 1975

No. A.38013/1/75-EC.—Shri I. Lal Raura, Assistant Communication, Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station. Calcutta relinquished charge of his office of the 31st January, 1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 5th April 1975

No. A.32014-1/74-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officers on a purely ad-hoc basis with effect from the date shown against each and until until further orders:—

- S. No., Name, Date from which appointed, Aeronautical Communication Stn. to which posted:
 - 1. Shri Mukhtiar Singh, 1-3-1975-A.C.S., Calcutta.
 - 2. Shri M. K. Chatterjee, 10-1-1975-A.C.S., Imphal.
 - 3. Shri Piara Singh, 3-1-1975-A.C.S., Calcutta,

- 4. Shri C. N. Mahadev, 14-3-1975-A.C.S., Palam.
- 5. Shri T. R. Manon, 4-1-1975-A.C.S., Calcutta.
- 6. Shri M, D, Ranganathan 2-1-1975-A.C.S., Madras.
- 7. Shri Y. P. Bhatia, 22-1-1975—A.C.S., Barapani, Shillong,
- 8. Shri B. R. Rao, 10-1-1975-A.C.S., Bombay.
- 9. Shri M. Appa Rao, 7-1-1975—A.C.S., Madrus.

The 14th April 1975

CORRIGENDUM

No. A.32013/5/73-EC.—In the Directorate General of Civil Aviation's notification No. A.32013/5/73-EC dated the 27th February, 1975, the name of "Shri S. K. Swamy Aiyar" may please be amended to read as "Shri S. Krishnaswamy".

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29 March 1975

No. A. 12025/1/74-ES—The President is pleased to appoint the following Assistant Aircraft Inspectors as Aircraft Inspectors from the date shown against each, in an officiating capacity and until further orders.

S. No	o. Name	Date of appointment	Station of posting
1.	Shri U. P. Satpathy	12-2-1975	Office of the Controller of Aeronautical
2.	Shri J. I. S. Bedi	15-2-75	Inspection, Calcutta. Office of the Controller of Aeronautical
			Inspection, New Delhi.

H. L. KOHLI Deputy Director of Administration,

MINISTRY OF 'FOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 29th March 1975

No. E(1)06562.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Kathuria, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist in the officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st March, 1975 and until further orders.

Shri S. N. Kathuria, Offg Assistant Metcorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

The 31st March 1975

No. E(1)05102.—The Director General of Observatories hereby approves the proforma promotion of Shri G. Varadha Rajan, Professional Assistant and presently on deputation as Technical Officer in W.M.O. Headquarters, Geneva, to the post of Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Class II (Central Service, Class II) in this Department with effect from the 9th December, 1974 and until further orders.

Meteorologist for Director General of Observatories,

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th April 1975

No. 1/251/75-EST—Shri M. M. Sharma, permanent Assistant Supervisor, New Delhi Branch, is appointed as Supervisors, in an officiating capacity at the Calcutta Branch with effect from the forenoon of the 13th March, 1975, and until further orders.

P. G. DAMLE Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE

Baroda, the 20th January 1975

No. 1 of 1975.—Shri M. M. Antani, Permanent Chief Accounts Officer, Central Excise, Class-II, Baroda has retired on Superannuation pension with effect from the afternoon of 30-9-1974. His birth date is 6-9-1916.

NOOTAN DAS
N. B. SANJANA
Collector,
Central Excise, Baroda.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-10/75-76,—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Khalwara Road, Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in August on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Manohar Lal s/o Shri Sant Lal GA of Shri Krishan Lal alias Kishan Lal s/o Sant Lal Calcutta Mating House, Loha Mandi Road, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Sadhu Singh s/o Shri Dassondha Singh r/o V, Manak Teh. Phagwara. (Transferee)
- *(3) As at . No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registering Deed No. 1094 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 10-4-1975.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/TTN/AP-11/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at 1/61MC 168/237 & 198/274. Rodupura Tarn Taran.

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Taran Taran in August & November on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dharam Singh s/o Atma Singh s/o Labho Singh, Nehru Gate, Amritsar Road, 'Faran Taran, Shri Kartar Singh s/o Atma Singh r/o Amritsar Road, Tarn Taran now 206 Sector 15-A Chandigarh,
- (2) Shri Paramjit Singh Ahuja s/o Shri Sunder Singh c/o M/s Sunder Singh Inder Singh, Atta Chaki Wala, Amritsar Road, Taran Taran.
- "(3) As at S. No. 2 above and persons occupying the property.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 3504 of August, 1974 & 4266 of November, 1974 of the Registering Authority, Taran Taran.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 10-4-75. Seal: FORM ITNS-

(2) 1. Shrimati Surajbai W/o Shri Babulal Rathore, 2. Shri Rameshchand Rathore, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.--Whereas, I, M. F.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Net) have reasonable to believe that the infinite market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Municipal House No. 10, Pinjra Bakhal, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt, Devkaranbai W/o Shri Brijlal, 65 Hariganj, Khandwa.

(Transferor)

Date: 11-4-1975

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The expressions terms and Chapter herein as are defined in XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 10, Pinjra Bakhal, Indore.

M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bhopal.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1560/0.05 alongwith building, Gairat Khana No. 10/326 Riwa, Teh. Hujur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewn on 5-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Bandhvesh Maharaja Sahab Bahadur Marathand Singh Ju Dev Tanay Ex-Maharaja Sir Gulabsingh, R/o Khila Rewa, Teh, Hujur, Distt. Rewa. 2. Shri Achuthanand Mishra alias Swamiji Tanay Surajdin Mishra, R/o Amhiya, Teh, Hujur, Distt, Rewa,

(Transferor)

 1. Shri Ramandas Tanay Chothram 2, Jawaharlal Tanay Ramandas, R/o Dhodhar Rewas. Teh., Hujur. Distt. Rewa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1560/0.05 alongwith building, Gujarat Khana No. 10/326, Riwa, Teb. Hujur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Seal:

FORM T.T.N.S .--

(2) Shri Jankilai S/o Shri Chaganlal Trivedi, Chie Welfare Officer, Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg.) Co, Birlagram Nagada. Chief

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, 1 M. F.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Part of house bearing M. No. 6/15 Kalidas Marg, Madhav Nagar, Ujjain situated at Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regist-

ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on 26-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liablity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrì Champalal S/o Badaji Gorama, Contractor, Kalidas Marg, Madhav Nagar, Ujjain,

(Transferoi)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in 'that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of House bearing M. No. 6/15 Kalidas Marg. Madhay Nagar, Ulfain,

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, -Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rang Bhopal,

Date: 11-4-1975,

Seal;

23-76GI/75

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lal Jeet Singh Ram Dayal Singh S/o Megh Singh Rasput R/o village Khandali Tehsil Jawra, Dist. Morena now R/o Block No. 96, M. House No. 47-74, Jiwaji Gani, Morena,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76,-Whereas, Μ. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and shop in Mandi Committee, Block No. 96, M. House No. 47/4 Jiwaji Ganl, Morena, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Morena on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Thakur Das S/o Jaisaran Khatri Punjabi R/o Datpura, Morena & Kashi Ram Verma S/o Thakur Das (Goldsmith) R/o Old Gadi Ada, Morena. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and shop in Mandi Committee, Block No. 96, M. House No. 47/4 Jiwaji Ganj, Morena,

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax. Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Seal:

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Krishnaprakash Pujari S/o Shrigopal Pujari, R/o Sadar Bazar, Raipur, (Transferor)

(2) Shri Maniklal Chandulal Somani, Raipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76,—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Khasra No. 296, Portion of it, Area 1.15 at Village, Tikarapara, Raipur situated at Raipur,

(and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 8-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 296, Portion of it area 1.15 at Village, Tikarapara, Ralpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Seal:

FORM ITNS-

(1) Shri Kisan Kakira Choudhary, R/o Village, Rawer, Taluka Rawer (Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shiri Pyarelal Atharram Gohar, R/o Village, Shahpur, Teh. Burhanpur, West Nimad).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 11th April 1975

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I M. F. Munshi,

EXPLANATION: -The terms and expressions used bare

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Land situated at Village Shahpur, Teh. Burhanpur area 6.13 acres situated at Burhanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Burhanpur on 22-8-1974.

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vlaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land situated at Village Shahpur, Tch. Buthanpur—Area 6.13 acres,

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 11-4-1975.

Scal:

(1) Shri Amritsar Carpet & Rugs Manufacturing Co., Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hariom Itading Co., Indergani, Lashkar.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76,—Whereas, I M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Mahalgaon, Gwalior, situated at Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 30-8-1974.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mahalgaon, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. ICA/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. a half western side plot situated at zwabit lines, near Lily Talkies Bhopal situated at Bhopal,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-8-1974,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesald property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesald exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt, Nirmala Gupta W/o Shri Vinod Chander Gupta R/o Sultania Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9 through Ram Sarandas S/o Sardar Nihalsing Secretary Sant Nirankari Madanlal, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half western side plot situated at Zwabit lines, Near Lily Talkies, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ashok Rao S/o Ragavendra Rao R/o Gadpara, Teh, & Distt, Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badrisingh S/o Chhavilalsingh Thakur R/o Chata. 2. Shri Balaramsingh R/o Para, Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. in Mohalla Masan Gan, sheet No. 24, Plot No. 5/1 at

Bilaspur situated at Bilaspur,

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 23-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheet No. 24, Plot No. 5/1 situated at Masan Gani, Bilaspur.

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Date: 11-4-1975.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 145 Phabbara Chouk, Ujjain situated at Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 5-8-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Vimalaben Wd/o Manilal Shah.
 - 2. Shri Vipinkumar,
 - 3. Nareshkumar,
 - Prafulkumar all sons of Late Shri Manilal Shah.
 - Arunaben d/o Manilal Shah, R/o Bahadurganj, Ujjain,
 - Pramifaben d/o Manifal Shah, R/o Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishrai S/o Shri Mathuradasji Juneja, R/o Phabbara Chouk Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 145, Phabbara Chouk, Ujjain.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Seal ·

(2) Shrimati Lilabai W/o Shri Surajmalji Jain, R/o 21/1, Racecourse Road, Indore. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 15 Bada Sarafa, Indore Area 1057 sq. ft.

situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arssing from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which assets have not been or which ought to be disclosed by transferee for tho purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Anandilal S/o Shri Badrinarayan,
 - 2. Shrl Nathulal S/o Shri Kewalram,
 - 3. Shri Balmukund Harinarayan Caste Chithoda, R/o 1st, 2nd Campel and 3 Bagli, Dewas.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15, Bada Sarafa, Indore Area 1057 sq. ft.

M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Seal:

24--76GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Total land area 17.09 acres at Village Karapgaon Teh.

Gadarwara situated at Narsinhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Narasinhpur on 7-8-74,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Chamchal.

Shri Umashankar,
 Shri Ambikacharan, Karapgaon, Teh. Gadarwara, Distt. Narsinhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Halkibai W/o Shri Shankarsingh Rajput, R/o Village Karapgon, Teh. Gadarwara, Distt. Narsinhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proproperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Totl land area 17.09 acres at Village Karapgaon Teh. Gadarwara, Narsinhpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

Shri Gulabchand S/o Shri Ramcharanji R/o 122 Palsikar Colony, Indore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Minocha S/o Shri Kantilalji Rawal, R/o Nayapara No. 1, House No. 4, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal the 11th April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette,

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House constructed on Plot No. 26, Vengatesh Market, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 24-8-1974

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 26, Vengatesh Market, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the

Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons namely:--

Date: 11-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Rof. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Pukka and Katcha No. 903/1031 No. 4 and 16 new-House No. 48/1031 Kotwali Road, Satna situated at Saina. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Satna on 8-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Shri Balmukund S/o Baldevprasad,
 Smt. Devrathi W/o Shri Baldevprasad,
 Smt. Munibal Daughter of Shri Baldevprasad,

Satna

(Transferor)

(2) Shri Madhavdas S/o Shri Aratmal,
2. Smt. Laxmibai W/o Shri Dharamdas.
3. Shri Hiranand S/o Shri Shobhraj Panjwani R/o ward no 15, Satna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Pukka and Katcha No. 903/1031 No. 4 and 163 new-House No. 48/1031 Kotwali Road, Satna.

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Sureshkumar S/o Hiralalji Nandecha, Jawahar Marg, Khachraud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

No. 1AC/ACQ/BPI/75-76,—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a house bearing Municipal No. 98(old No. 317) Jawahar Marg, Khachraud Distt, Ujjain situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 30-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereb yinitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hiralal s/o Pratapchandji Nandecha, Jawahar Marg, Khachraud.

(Transferor)

Date: 11-4-1975.

Seal:

- (a) by any of he aforesaid persons within a period' of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing Municipal No. 98 (old No. 317) at Jawahar Marg, Khachraud, Distt. Ujjain.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

IAC/ACv/BPL/75-76.—Whereas, J, M. F. Ref No. Munshi

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. 317, 318 Gole Bazar Ward, Jabalpur situated at

Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jabalpur on 8-8-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of -such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Khilonabai W/o Shri Bhagwandas Through Shri Bhupendrakumar Jain S/o Rishabhdas Jain Gole Bazar Ward, Satna Building, Jabalpur, (Transferor)
- (2) 1. Shri Anilkumar, 2. Shri Sunilkumar 3. Shri Sanjaykumar, all sons of Shri Rajarm Singhai through Mother Smt. Banarsibai Azadrani Singhai W/o Shri Rajaram Singhai, R/o 664 Sarafa Ward, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 317 and 318 Gole Bazar Ward, Jabalpur,

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Ref. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in Ward No. 4, Ashok Nagar, Distt. Guna situated at Ashok Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ashok Nagar on 1-8-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrì Sureshchand,
 - 2. Shri Nareshchand,
 - 3. Shri Chandesh Kumar S/o Dalchand Jain R/o Village, Piprai, Pargana Mugawali, Ashok Nagar M.P. Distt, Guna.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar S/o Sumerchandji Minor through Guardian Father Shri Sumerchandjee R/o Ashok Nagar, Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Ward No. 4, Ashok Nagar, Distt. Guna.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 11-4-1975.

 Shri Nandkishoro S/o Shri Komramjee Sharma R/o Raojee Bazar, Main Road, House No. 53, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing single storey house on Plot No. 12 in Jayashree Syndicate Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on Indore on 8-8-74

tor an aappearent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(2) 1. Shri Vishindas S/o Shri Daulatram.
2. Shri Daulatramji S/o Shri Dharamdasji,
R/o 12, Jail Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house on plot No. 12 in Jayashree Syndicate Colony, Indore.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-4-1975

Form I.T.N.S.---

(1) Shri Hariharnath Sharma. 40, Rajmohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76,—Whereas, I. M. F. MUNSHI.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8/6 of Mahesh Nagar Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 29-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :-

- (2) 1. Shri Jamnadar Mohta
 - 2. Shri Brijballabhdar Mohta,
 - Shri Haridar Mohta, 4. Shri Narayanwar Mohta

All sons of Shri Kishanchand Mohta, 11/3 North Rajmohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/6 of Mahesh Nagar Colony, Indore.

M, F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

Seal:

25---76GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./75-76.—Whereas, I. M. F. MUNSHI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House portion Municipal No. 2,989 situated at Ambaprasad Tiwari Marg, Sakhipura Marg, Ujjain

situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on 5-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Subashchandra S/o Kailashchandraji Caste Mhajan,
 - 2. Shri Santhoshchand,
 - Attulkumar (Minors) through guardian Mother Azadkumari, R/o Laxmibal Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Vimalabai W/o Shri Rajendrakumar Jain, Caste Mahajan, R/o Lakharvadi, Bambakhana, Distt. Ujjain, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House portion Municipal No. 2.989 situated at Ambaprasad Tiwari Marg, Sakhipura Marg, Ujjain.

M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal.

Date: 11-4-1975

Sea!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kapoori Devi Gupta W/o Shri Jagdishchand Gupta, R/o Shopping Centre, T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, 1, M. F. MUNSHI.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. House constructed on plot No. 49, T.T. Nagar Shopping Centre, Bhopal situated at Bhopal 25,000 and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal on 8-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Shcela Gupta Wd/o Late Mokatlal Gupta, R/o 49 Shopping Centre, New Market, T.T. Nagar, Bhopal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 49, T.T. Nagar, Shopping Centre, Bhopal,

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

Seal:

(Transferor)

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot and superstructure of Rice Mill at Bhatapara, Baloda

Bazar, Raipur situated at Raipur , (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatapara on 12-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Ranchodbai S/o Virjibhai Waghar, Gujrati Chhatri, Gujrat Chhatri, P/o Ex-firm M/s Ranchhodbhai Virji,

C/o Gujarat Rice Mills, Bhatapara, Tehfl Baloda Bzar, Distt. Raipur, (Transferor)

(2) 1. Shri Lakhiram S/o Kedarnath Agrawal, P/o M/s Sureshchand Santoshkumar of Bhatapara, Teh. Baloda Bazar,

- Smt. Ramkalibai W/o Hurkeshdas Agrawal Bhatapara.
- Smt. Gitadevi W/o Satyanarayan Agrawal,
 Smt. Manbhavatidevi W/o Madanlal Agrawal,
 Smt. Santoshbai W/o Gyaniram Agrawal,

All R/o Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever perlod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and Superstructure of Rice Mill at Bhatapara, Baloda Bazar Raipur.

> M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal.

Date: 11-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 11th April 1975

No. C.R. 62/3115/74-75/Acq.B.-Whereas, R. 1, Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being dry agricultural land measuring 4 acres out of Survey No. 8 situated at Gangandanhalli village, Yeshvantpur Hobli, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore North Taluk, Document No. 3526/74-75 18-9-1974. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. M. Ramakrıshna Rao, Power of Attorney holder on behalf of Shri Sajjan R. Rao, 'Lakshmi Nivas', Fort, Bangalore city.

(Transferor)

(2) Shri Muni Byrappa alias Papanna, S/O Muniyappa alias Appiahuna, Atthikuppa, Mysore Road, Bangalore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being dry agricultural land measuring Four acres out of survey No. 8 of Gangandanhalli village, Yeshvantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries :

E-Portion sold to Sri Appayanna.

W-Portion of land bearing S. No. 8.

N-Road+Same S. No. land and Kempapura Agrahara.

S—I and belonging to Gangandanhalli S. No. 10. Document No. 3526/74-75 dated 18-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Rcf. No. MUNSHI,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot and supertructure of Rice Mill at Bhatapara, Baloda Bazar, Raipur.

sivated at Bhatapara,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhatapara on 12-8-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) Shri Ranchhodbai S/o Virjibhai Wagher, Gujrati Chhatri, P/o Ex-firm M/s Ranchhodbhai Virji, C/o Gujarat Rice Mills, Bhatapara, Baloda Bazar Distt, Raipur.
- (Transféror) Shri Lakhiram S/o Kedarnath Agrawal,
 P/o M/s Suresh Chand Santoshkumar of Bhatapara, Teh. Baloda Bazar,

2. Smt. Ramkalibai W/o Harkeshdas Agrawal Bhatapara,

Smt. Sitadevi W/o Satyanarayan Agrawal, Smt. Manbhavatidevi W/o Madanlal Agrawal, 5. Smt. Santoshbai W/o Gyaniram Agrawal, All R/o Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferce)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot and Superstructure of Rice Mill at Bhatapara, Baloda Bazar, Raipur.

> M. F. MUNSHI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property bearing Khasra No. 281/1 and 281/2 on plot No. 7, 8 and 9 (Khasra Nos. 282 and 284) situated at Bhatapara, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara on 12-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranchhodbai S/o Virjibhai Wagher Gujarati Chhatri,
 P/o Ex-firm M/s Ranchhodbhai Virji, C/o Gujarat Rice Mills, Bhatapara, Teh. Baloda Bazar, Distt. Raipur.

(Transferor)

- 1. Shri Kakhiram S/o Kedarnath Agrawal, P/o M/s Sureshchand Santoshkumar of Bhatapara, Teh. Baloda Bazar.
 - Smt. Ramkalibai W/o Harkeshdas Agrawal Bhatapara.
 - 3. Smt. Gitadevi W/o Satyanarayan Agarwal.
 - 4. Smt. Manbhavatidevi W/o Madanlal Agrawal,
 - 5. Smt. Santoshbhai W/o Gyaniram Agrawal All r/o Vidya Upnagar, Bilaspur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and Superstructure of Rice Mill at Bhatapara, Baloda Bazar, Raipur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

Shri Rameshchandra S/o Babulalji Baheti, 68, Narsingh Bajar, Indore.

23. Palasia, Main Road, Indore.

(3) Shri Daulat Ram Sarana,

(Transleree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

IAC/ACO/BPL/75-76.—Whereas. M. F. Ref. No. MUNSHI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of property situated at 23, Palasia, Main Road Indore

situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Ramosh S/o Dattatraya Dighe. C-6. Shri Yeswant Society, M. G. Road. Chatkopar, Bombay-77.
 - Shri Sharad S/o Dattatraya Dighe, 36, Satparvati Housing Cooperative Society Coaldongri Lane, Andhori East, Bombay. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at 23, Palasia, Main Road, Indore. Area 8960 sq. ft.

> M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76,—Whereas, I. M. F. MUNSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of the porperty situated at 23, Palasia Main Road, Indore —Area 7900 sq. ft. situated at Indore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-8-74.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh S/o Dattatraya Dighe, C-6, Shri Yeswant Society, M. G. Road, Chatkopar, Bombay-77.

(Transferor)

- Shri Sharad S/o Dattatraya Dighe,
 Satparvati Housing Cooperative Society,
 Coaldongri Lane, Andheri East, Bombay.
 (Transferor)
- Shri Rameshehandta S/o Babulalji Baheti,
 Narsingh Bajar, Indore.

(Transferce)

(3) Shri Daulat Ram Sarana,23, Palasia, Main Road, Indore.(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the property situated at 23, Palasia, Main Road, Indore. Area 7900 sq. ft.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

Scal:

Form I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Radhakishan S/o Kanhaiyalal

- 2. Shri Rameshchand,
- 3. Brijesh S/o Radhakishan (Mahajen), R/o Daulatgeni, Ujjain.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

(2) Shri Ashokkumar S/o Suganchand (Mahajen), R/o Badanagar, Distt. Ujjain.

(Transferee)

Reſ. No. IAC/ACQ/BP1./75-76.—Whereas, I. M. F. MUNSHI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Municipal House No. 2: 1026 in Daulatganj, Ujjain situated

at Lliisin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Ujjain on 30-8-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act. I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 2:1026 Daulatganj, Ujjain.

M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 11th April 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, 1 M. F. Munshi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal House No. 6, three storeyed Opp. Sabji Mandi Nandlalpura, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Column

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 30-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mangilal S/o Babulalji Kajal R/o 6 Nandlalpura Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jamunabai W/o Shri Mayaramji Dave, R/o 34, Yashwant Road, Indore (Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 6, three storeyed Opp. Sabji Mandi Nandlalpura, Indore.

M. F. MUNSHI.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1975

Ref. No. Acq.File No. 177 J. No. I(102)/VSP/74-75.— Whereas, 1 K. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Block No. 7 Asst. No. 22492 situated at Waltair uplands Visakhapatnam,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Visakhapatnam on 15-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- D. N. Dhody, Project Manager, Humphreys & Glasgow consultants (P) Ltd., Gammon House, Savankar Marg, Prabhadevi, Bombay-400025. (Transferor)
- (2) Smt. Goda Rukmini, G-8, Section-2, RURKELA-6 (Orissa). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District Visakhapatnam Sub-Registrar Visakhapatnam Municipality Asst, No. 22492 Layout Plot No. 30 Block No. 7 Waltair ward 600 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East .- 30 ft. Road as per layout plan. South: Plot No. 29 as per layout plan. West: Compound wall of Virginia House. North: Plot No. 31 of the layout plan,

> K. SUBBARAO, Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range,

Kakinada.

Date: 15-3-1975.

FORM ITNS----

(1) Shri B. Chinayya, Contractor Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1975

Ref. No. Acg. File. No. 176 J. No. I(109 & 110)/VSP/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao,

being the Competent Authority under

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28-10-7 situated at Suryabagh Visakhapatnam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 15-8-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Kolluru Sitaram Being minor by guardian father Kolluru Krishnamurthy, Vizag-2.

2. Kolluru Gopal, Being minor by guardian father K. Bulli Nookaiah setty, Vizag-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District Visakhapatnam Sub-Registrar Visakhapatnam Municipality Allipuram ward Surya Bagh Block No. 47 T.S. No. 1678—Plot No. 28 Door No. 28-10-7 A.C. Sheets house 169 Dq Yds extent,

BOUNDRIES

Fast: Compound wall of this property and house of Neclam Setty's family.

South: Compound wall of estate of God,

West: Road.

North: Property belongs to this door number.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 14-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Vankayala Nookaraju, C.B.M. High School, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri Puvvada Chendramouli, General and Fancy Stores, Visakhapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1975

Ref. No. Acq. File J. No. 1(99)/VSP/74-75.—Whereas, I. K. Subbarao.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 43-8-5 situated at Subbalaxminagar

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Visakhapatnam on 15-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—Visakhapatnam Municipality—Visakhapatnam Town—Allipuram ward—Subbalaxminagar—Block No. 20-21—T.S. No. 321-322 and 323—Plot No. 121—Door No. 43-8-5 Building with site—600 Sq. Yds.

BOUNDRIES

East: Tiled House of Uppada Tata, South: Site of Bodda Appalanarasaiah.

West: Municipal Road.

North: Daba house of Sri Satyanarayan.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVRENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 174 J. No 1(230)/KR/74-75.— Whereas, I, K. Subbarao,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 11-24-74 situated at Bhavannarayana St. Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijawada on 15-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely; --

S/Shri

(1) 1. Anisetty Madhavarao, Agent, Andhra Bank, Amaravat, 2. A. Salbabaxxq, S/o A-Madhvarao, Andhra Bank, Amravati.

3. A. Eswara Chandra Vidya Sagar S/o Madhavarao, Amaravatı.

4. A. Anjaneyulu. Dy. Superintendent of Police, Narasapur.

5. A. Bhavani Prasad being minor by guardian father Anjaneyulu.

W/o Late Venkateswararae, 6. A. Swarajyam, Begampeta, Hyderabad.

7. Anisetty Usha.

8. Anisetty Geeta.

9. Anisetty Kanaka Durga 7,8,9 being minors by guardian mother Swarajyam.

10. A. Satyanarayanarao, S.B. Asst. A.C.B.(Sakeen Hyderabad.

11. A Sivarao alias Naguriah, Provident fund dept. C/o Sawaswati Talkies, Baburajendraprasad road, Viiavawada.

12. A. Chandramouli, I.T. Dept. Nizamabad.

A. Girija Prasad.

14. A. Yasodar 13 & 14 minors represented by father Chendramouli.

(Transferor)

(2) 1. Jonnalagadda Venkateswarlu, Vijaynwada 2. J. Srinivasa Kumar Being minor represented by father Venkateswarlu.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons i nterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District-Vijayawada Sub-Registrar-Vijayawada Town—Vijayawada Municipality—Rev. Ward No. 7—Block No. 1—N.T.S. No. 4 Municipal Ward No. 11—Door No. 11-24-74—Bhavannarayana Street—Vijayawada.

BOUNDRIES

East: Bhavannarayana Street 10.6 ft. South: Building of Gondesi Family 60 ft. West: Site of K. Radhakrishna murthy 30.6 ft. North: Building of K. Bhavannarayana 60 ft.

K SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1975

Scal;

(2) Shri Sved Salahuddin. S/o Mohiyuddin, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. File No. 181 J. No. I(359) /GTR/74-75.-Whereas, I. K. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 11-4-30 situated at Rajavari Thota Guntur (and more fully described in the Schedule an-

nexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Pillri Govindaraj, S/o Rannaiah Nayadu. 2. P.G. Prabakar S/o Govindraj, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Guntur District-Guntur Taluk-Guntur Town-Kothapeta Station Road-Municipal Old ward 5-New ward No. 20-Block No. 8-old T.S. No. 649-New T.S. No. 1300-Asst. No. 9255-Door No. 11-4-30 4182-6-0 Sq. Yds. Building situated in it.

BOUNDRIES

East Railway Station Road.

South: Kusuma Haranath Timber depot site.

West: Municipal Road and

North: Municipal Road and properties of Narla Penchaiah & Madasu Rangajah.

> K. SUBBARAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-3-1975

FORM ITNS----

(3) as per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISTION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P.788/Phillaur/74-75.—Whereas I, Ravinder Kumar.

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in August 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachman Singh, Gurbachan Singh s/o Banta Singh alias Joginder Singh R.O. Rurkakhurd, Teh. Phillaur,

(Transferor)

(2) mt Parkash Kaur through Nama Ram Masandpur, Mohulla Bara Pind, Teh. Phillaur,

(Transferee)

(4) any person interested in the property. [Person Whom undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal situated at Rurka Khurd, Teh. Phillaur as mentioned in Registered Deed No. 6004 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF, IULLUNDUR

Juliundur, the 31st March 1975

Ref. No A.P./Phillaur/74-75.--Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No, as per schedule situated at as per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Lachaman Singh, Sh. Gurbachan Singh s/o Sh. Banta Singh alias Joginder Singh Rurka Khurd, Teh. Phillaur,

(Transfero.,

(2) Shri Ram Partap s/o Sh. Nama Ram, r/o Masandpur, Bara Pind, Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) as per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property].
- (4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal in Rurka Khurd as mentioned in Registered Deed No. 6005 of August, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

Part III—Sec. 1]

50**

FORM ITNS ...-

(1) Sutlej Land Finance P. Ltd., Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Juliundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./790/Nawanshabar/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nawanshahar in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Charan Kanwal, Kashmir Singh ss/o Shri Ram. Nawanshahar. (Transferee)

- '(3) as per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 60 sq. ft. in Nawanshahar as mentioned in Registered Deed No. 2530 of August, 1974 of Registering Authority, Nawan Shahar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./791-Nawashar/74-75,--Whereas 1 Ravinder Kumar.

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nawanshahar in August 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Darshan Singh s/o Manakchand etc. Nawanshahar Tebsil Banga.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s/o Ishar Singh, Norawali Teh, Garshankar.

(Transferce)

- (3) as per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 marlas including 2 storeys bldg, as mentioned in registered deed No. 2943 of August, 1974, of Registering Authority, Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
IULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./792/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the registering officer

at Jullundur in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Tarlok Singh Sachher r/o 481, L, Modeltown, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Chaudhry Housing Organisation, Jullundur. (Transferee)
- (3) as per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) any person interested in the property. [Person Whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 14 marlas at ingra Khurd, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 6719 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP./793/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per scheduled situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule an-

nexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August. 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh s/o Tarlok Singh, Jullundur. (Transferor)

- (2) Choudhry Housing Organisation of Jullundur.
- (3) as per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) any person interested in the property. [Person Whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 8 marlas situated in Kagra as per registered deed No. 5716 of August, 1974, of Registered Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/794/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule situated at as per schedule (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh s/o Tarlok Singh, R.O. 481-L, Model Town, Jullundur.

(2) Choudhry House Organisation, Juliundur,

(3) as per S No. 2 above. [Person in occupation of the property].

(4) any person interested in the property. [Person whom theundersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals at Kingla Khurd as mentioned In Registered Deed No. 5720 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range,
Influndur.

Date: 31-3-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./Julludur/74-75/795|—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Swaran Lata w/o Banarsi Dass, Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shri Mukesh Chander c/o Shadi Ram Banarsi Dass Tanda Road, Jullundur. (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 15 marlas at village Noru, Tanda Road as mentioned in Registered Deed No. 5733 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

(1) Shii Ruplal Agarwal s/o Charandas, Jullundur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kranti Kumar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./Jullandur/74-75/796,—Whereas, I Ravinder

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer

at Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share of three shops Session Court Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5665 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property

by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28--76 GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./Jullundur/74-75/797.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No, as per schedule situated at as per schedule.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh s/o S. Bela Singh s/o Narain Singh of Basti Danishmandan, Jullundur. (Transferee) (2) Shri Mehar Singh s/o S. Diwan Singh s/o Ram Singh of Basti Sheikh, Jullundur. (Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the porperty. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 11 marlas in Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5654 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULIUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./Jullundur/74-75/798,—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o Jawala Singh, c/o Fancy Watch Co., Rainak Bazar, Jullundur. (Transferor)
- Shrimati Santosh Kumari w/o Askaran Lal, H. No.
 New Sauraj Ganj, Jullundur.
 (Transferee)
- As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jand measuring 10 marlas near Dyalpur Khalsa Hr. School, Nakodar Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5600 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISTION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/799/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar.

being the Competent Authority.

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5582 situated at Jullundur

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) Shri Ruplal Agarwal s/o Charandas, etc. of 471, Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Kranti Kumar etc. ol 176. Bawa Building, G.T. Road, Jullundur.

(Transferce)

- (3) Λs per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- of the person interested in the said (b) by any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of three shop near Session Courts, Jullandur as mentioned in Registered Deed No. 5582 of August 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./Jullundui/800/74-75.--Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 5575

situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mohinder Singh s/o Bela Singh s/o Narainsingh, of Basti Danishmandah. Teh. Jullundur.
- (2) Vijay Engineering Works, Basti Sheikhan, Jullundur City, through Kanwaljit Singh, Partner. (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in basti Sheikh, Jullundur measuring 8 kanals 7 Marlas as mentioned in Registered Deed No. 5575 of Aug. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. A.P./801/Jullundur/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5572 situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Tara wd/o Raj s/o Sunder, of Chak Hasana, Lama Pind, Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Pawankumar Gupta s/o Amarnath 77, Arjan Nagar, Jullundur City.

 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 63 marlas at Chak Hasana Lamapind as mentioned in registered deed No. 5572 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

No. A.P./802/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5571 situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sim.ti Tara wd/o Raj s/o Sunder, Chak Hasana Lama Pind, Teh. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Avinash Kumar s/o Amarnath s/o Puranchand, 227, Arjan Nagar, Jullundur.
- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 K 6½ marlas land at Chack Hasana Lamapind as mentioned in registered deed No. 5571 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 31-3-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP.803/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in August, 1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Kumar S/o Pt. Sat Pal, etc. of Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Dharam Chand Bhadari S/o Desraj Smt. Lalit Bhandari, Allahabad Bank, Civil Lines, Jullundur. (Transferee)
- (3) Λ_S per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land 1 kanal 17 marlas 198 sq. ft. at Amar Garden Extension, Byepass, Jullundur as per Registered Deed No. 5402 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Juliundur.

Date: 31-3-1975

Gurcharan Singh Johal,
 Lajpat Nagar, Jullundur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Rcf. No. AP.804/Jullundur/74-75.--Whereas, I, Rayinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Harwinder Kumar etc. S/o Harbhagwan Dass, S/o Santlal c/o M/s. Ram Sarup & Co., Mandi Fentongani, Jullundur. (Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 342 at Lajpat Nagat, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5395 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975

(1) Shrimati Bimla Devi alias Bimlawati, W/o Ram Parshad S/o Suraj Lal, of Jullundur.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangat Rai S/o Amarnath of Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Jullundur, the 31st March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AP 805/Jullundur/74-75.—whereas, I, Ravinder Kumai,

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Gazette.

Chapter.

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

THE SCHEDULE

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Iuliundur in August, 1974 for an apparent

> Land measuring 11 mails as mentioned in Registered Deed No 5382 of August, 1974 of Registering Authority Jullundur,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursurance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Seal:

Date: 31-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP. 806/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974
Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kirpal Singh Jandu, S/o Melasingh
 V & P. I. Noormalahal, Teh. Phillaur.
 (Transferor)

- (2) Smt. Kanjeet Kaur d/o Banta Singh, Ghasitpura, Teh. Tarantaran, Dist. Amritsar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 marlas 48 sq. ft. at Mahal Road, Near Radio Station, Jullundur as per Registered Deed No. 5293 of August, 1974 of Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975

(2) Shri Kantikumar, Santosh Kumar, etc. 176, Basti Bawakhel, G.T. Road, Jullundur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Jullundur, the 31st March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Ref. No. AP.807/Jullundur/74-75.—Whereas, 1, Ravinder Kumar,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

being the competent authority under section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot as per Registered Deed No. 5062 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

(1) Smt, Kanta Aggarwal, w/o Shri Rooplal Aggarwal 270, Central Town, Jullundur.

(Transferor)

Date: 31-3-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundui, the 31st March 1975

Ref. No. AP.808/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karamsingh Modi S/o Shri Basant Singh etc. of Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gurdevsingh S/o Shri Daulatsingh R/o Kukadpind, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons whitin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same. meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and equal 1/3 of Shop No. 10, Dilkusha Market, Jullundur of Registered Deed No. 5192 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP.809/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukshwar Singh, Balbir Singh S/o Nand Singh Basti Bawakhel, Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash S/o Shri Desraj R/o Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals 5 marlas mentioned in Registered Deed No. 5175 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975

FORM ITNS----

 Shri Giani Shanker Singh S/o Bal Singh, etc. of Jullundur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP.810/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at as per schedule

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at

Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt, Swaran Kaur W/o Gurdev Singh, Kukad pind, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 or Shop No. 10, Dilkusha market, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5162 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/811/Jullundur/74-75,—Whereas, I. Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing and situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mukathwar Singh, of Basti Bawakhel, Jullundur

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal s/o Nandlal of Jullundur City.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property],
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 5 kanals 17 marlas 56 sq. ft. at Basti Bawakhel, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5074 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975,

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/812/Jullundur/74-75.—Whereas, J. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Juliundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanta Agarwal w/o Rooplal Agarwal, 270, Central Town, Jullundur. etc.

(Transferor)

(2) Shri Kranti Kumar and Santosh Kumar, 176, Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferee)

- '(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- *(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person i nterested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop mentioned in Rgistered deed No. 5021 of August. 74 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975,

Seal:

30-76GI/75

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/813/Jullundur/74-75,---Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Iullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Swaransingh Johal s/o Labhsingh, Civil Lines, Jullundur & others.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s/o Gurdev Singh, Kukadpind, 1eh, Jullundur.

(Transferee)

- *(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- *(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of Shop No. 10, Dilkhusha Market, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5024 of Aug., 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistan Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/814/Jullundur/74-75,---Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

As per schedule

situated at as per schedule (and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been trtansferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in August, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kishanlal s/o Bhagwan Das. & Birbaldass s/o Choudhry Ram c/o Rastriya Bartan Bhandar, Chowk Soodan, Juliundur.

(Transferor)

- (2) Shii Gobind Ram s/o Bhagwan Dass, of Jullundur.
 (Transferee)
- "(3) As per S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the property].
- "(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this nontice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 kanal 17 marlas 63 sq. ft. as mentioned in Registered Deed No. 5001 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/815/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'selic Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Smt, Saraswati Wd/o Shri Ramlal of Jullundur.

(Transferor)

(2) Bhatia Co-operative House Bldg. Society, Jullundur.

(Transferee)

- *(3) As per S. No. 2 above,

 [Person(s) in occupation of the property].
- "(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals 6 marlas as mentioned in Registered Deed No. 5027 of August, 1974 of Registering Authority, Jullandur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISTION RANGE, IULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/816/Jullundur/74-75.--Whereas, I. Ravinder Kumar.

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in August, 1974

1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lukhbir Singh s/o Shri Kapur Singh, 186, Session Road, Jullundur.

(Transferor)

 Smt. Gurmit Kaur w/o Harbans Singh, V. Randhawa, Kapurthala.

(Transferce)

- "(3) As per S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 marlas at Police Line Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5258 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/817/Jullundui/74-75.-Whereas, I. Ravindei Kumar,

being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghbir Singh etc. of Village Dakoha, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur w/o Bachhan Singh etc. of V. Dakota Khurd, Jullundur.

(Transferce)

- "(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land backside factory of M/s India Metal Works, Hoshiarpur Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5312 of Aug, 1974 of Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/818/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at

Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Parkash s/o Ramlal Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bhatia Co-operative House Building Society, Juliundui

(Transferce)

*(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property].

"(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals 5 marlas as mentioned in Registered Deed No. 5039 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/819/Jullundur/74-75.--Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R_{\tilde{\lambda}}$. 25,000/-and bearing No.

As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in August, 1974

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lakhbir Singh s/o Kapur Singh, 186, Session Court Road, Jullundur.

(Transferor)

Shri Manjit Singh Randhawa s/o Harban Singh Randhawa, Vill. Randhawa, Kapurthala.

(Transferce)

*(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigued knows to be interested in the property];

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1,and measuring 5½ marlas at Police Line Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5126 of Aug., 1974 of Registering Authority, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/ β 20/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r, and bearing No.

As per schedule

situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur in August, 1974

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Raghbir Singh s/o Udham Singh, etc. of R.O. Dakoha Tehsil, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh s/o Mangal Singh of Glamour India, Jullundur c/o India Wood and Metal Works, Hoshiarpur Road, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at the back of factory of Shri Yash Parkash at Hoshiarpur Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5216 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/821/Jullundur/74-75.—Whereas, J, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at

As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

Juliundur in August, 1974
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid prope ty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakhbir Singh s/o Kapur Singh, 186, Session Court Road, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Randhawa s/o Harbans Singh Randhawa, in Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any preson interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 54 marlas situated at Police Lines Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 5125 of Aug., 1974 of Registered Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975,

Scal:

ŗ,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Iullundur, the 31st March 1975

Ref. 'No. AP/822/Jullundur/74-75.—Whereas, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No. as per schedule As per schedule

erom bas)

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Amar Singh s/o Duthoo of Village Gopalpur alias Birdipur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Munjal s/o Ram Narayan, Kot No. 393. New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. ¡Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1 kanals 14 mails 69 sq. ft. as mentioned in registered deed no. 5109 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundu.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundui, the 31st March 1975

Ref. No. AP/823/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in August, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Amar Singh 4/0 Diltar Village Gopalpur alias Bidipur Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Mri R. K. Mahajan and Co., Basti Road, Jullundur. (Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person(8) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(a) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 18 marlas 89 sq. ft. as mentioned in Registered Deed No. 5117 of August, 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/824/Jullundur/74-75.--Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 259D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shii Amarsingh of Village Gopalpur, Teh. Jullundur. (Transferor) (2) Smt. Sarojmahajan w/o Chander Mahajan, Shakti Nagar Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 14 mailas 115 sq. ft. as mentioned in Registered Deed No. 5118 of August, 1974 of Registering Authority, Jullundur,

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullandur,

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 31st March 1975

Ref. No. AP/825/Jullundur/74-75.--Whereas, I Ravinder Kumar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Singh of Gopalpur alias Bidupur Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Mahajan w/o R. K. Mahajan, 21 Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 16 marlas 165 sq. ft, as mentioned in Registered Deed No. 5120 of August 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 31-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/826/Hoshiarpur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2060 situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Manoharlal Lal son of Gokal Chand of R/o Dubbi Buzar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kisan Cold Storage & Fruit Preejvi son Industrics, Naloian, Hoshiaipur C/o Sh. Sat Paul, Managing Director.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals only at village Pargana as mentioned in the office of Registering Officer Hoshiarpur at Registration No. 2060 of August, 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 21st April 1975

Re. No. AP/827/Jullundur/74-75.—Whereas, 1, Rayinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-

lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Singh, Bishan Singh sons of Labh Singh, V. Boot, Teh & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Paro W/o Jagat Singh son of Bura Singh V. Mudh Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals 12 Marlas at Village Boot as mentioned in Registered Deed No. 4914 of August 1974 of Registering Officer, Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Juliundur.

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/828/Nakodar/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1313 situated at as per schedule

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in August, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parkash Wati ad/o Hari Chand son of Gurditta Mal R/o Sehan Teh, Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh, Tana Singh sons of Didar Singh son of Narain Singh R/o Sehan, Teh, Nakodar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 Kanals 4 Marlas at V. Sandpur, Teh. Nakodar as mentioned in the office of Registering Officer, Nakodat at Registration No. 1313 dated August 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur.

Date: 21-4-1975.

Seal:

32-76GI[75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/829/Hoshiarpur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2395 situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hoshiarpur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shif S. Rajinder Singh Rtd. Session Judge son of Shri Avtar Singh son of Shri Jawahar Singh R/o Sutehri Khurad Teh. Hoshiarpur now at 78, Sect. 5, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur D/o Hako Ram Teh, Dasuha Dist, Hoshiarpur.

(Transferee)

- *(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- *(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals and 1 Marla in village Sutehri Teh. Hoshiarpur as mentioned in Registeration No. 2395 of August, 1974 in the office of Registering Officer Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/830/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No. 2424

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dalip Singh son of Shri Sher Singh V. Garhi Fatch Khan.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh Puran Singh son of Tej Singh, Pram-

(Transferee /

- *(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- "(4) Any person interested in the property. |Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 48 kanals only at village Garih Fatch Khan as mentioned in registered No. 2124 of August, 1974 of Registering Officer, Nawanshehr.

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 21st April 1975

Ret. No. AP/831/Nakodar/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar, 5

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parkash Wati dio Hari Chand Son of Sh. Gurditta Mal Rio Schan Tch. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shi Joga Singh, Behal Singh sons of Didar Singh son of Natain Singh R/o Sehan Nakodar.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here.
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 Kanals 3 Marlas at Village Sandpur as mentioned in the office of Registering Officer Nakodar at Registration No. 1290 dated August 1974.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 21-4-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/832/Hoshiarpur/74-75.--Whereas, I, Ravinder Kumar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Inder Singh Rtd. Session Judge s/o S. Avtar Singh son of Jawahar Singh, Sutehri Khura and Hoshiarpur now at 78, Sector 5, Chandigath.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Singh son of Shri Kansha Singh alias Kanshi Ram son of Bura Ram V. Salimpur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals only at village Sukheri, Teh. Hoshiarpur as mentioned in the office of Registering Officer, Hoshiarpur at Registration No. 2378 dated August, 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/833/Nawanshehr/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering officer, at Nawanshehr in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalip Singh son of Shamsher Singh son of Balwant Singh Garhi Fateh Khan P.O. Rahon.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh Puran Singh sons of Teja Singh son of Isher Singh Pragpur Teh. N. Shehr.

(Transferee)

- (3) As pr S. No. 2 abov. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 42 Kanals 8 Marlas at V. Garhi Fateh Khan as mentioned in the office of Registering Officer Nawanshehr at Registration No. 2448 dated August, 1974.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/834/Nawanshehr/74-75.--Whereas, I, Ravinder Kumar.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawanshehi in August, 1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri Dalip Singh son of Shamsher Singh Garhi Fatch Khem.

(Transferor)

- (2) Shri Harbhagwan Singh, Gurbachan Singh and Baldev Singh sons of Dalip Singh V. Garhi Fateh Khan.

 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 67 Kanals 10 Marlas at Village Garhi Fatch Khan as mentioned in the office of Registering Officer, Nawanshehr, Registration No. 2733 dated August 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandar, the 21st April 1975

Ref. No. AP/835/Nawanshehr/74-75.—Wherens, I, Ravinder Kumar

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering officer at

Nawanshehr in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) Shri Dalip Singh son of Shamsher Singh Garhl Fatch Khan

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Gurbachan Singh, Daldev Singh sons of Dalip Singh Garhi Fateh Khan,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 67 Kanals 11 Marlas at village Garhi Fatch Khan as mentioned in the Office of Registering Officer, Nawanshehr, Registration No. 2752 dated August, 1974.

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date . 21-4-1975.

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/836/Phillaur/74-75.--Whereas, I. Ravinder

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Aug., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Jagat Singh S/o Kartar Singh V. Talwan.

(Transferor)

(2) Shij Hainek Singh, Harmel Singh V. Talwan, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2above, [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 Kanals 4 Marlas at V, Talwan as mentioned in the office of the Registering Office, Phillaur, Registration No. 2232/4032 dated August, 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975,

FORM I.T.N.S.

(2) Shi Harnek Singh, Harmel Singh sons of Mehnga Singh V. Talwan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullandur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/837/Phillaur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in Aug., 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh S/o Kartar Singh V. Talwan.

(Transferor)

*(3) As per S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals only as mentioned in the office of Registering Office, Phillaur, Registration No. 2102/3203 dated August, 1974.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur,

Date: 21-4-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/838/Phillaur/74-75.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer at Phillaur in Aug., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Jagat Singh son of Kartar Singh R/o V. Talwan, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Harnek Singh, Harmel Singh sons of Mehnga Singh V. Talwan, Teh, Phillaur. (Transferee)
- *(3) As per S. No. 2-above, [Person(s) in occupation of the property].
- "(4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Kanals 13 Marlas at V. Talwan as mentioned in the office of Registering Officer, Phillaur at Registration No. 5048 dated August, 74.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 21-4-1975.

Scal:

FORM ITNS----

(2) Pritam Kaur and Harbhajan Singh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Maniram Jadav and Zanab Md, Jowhit.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-204/C-203/Cal-1/74-75.—Whereas, 1, S. K. Chakravarty

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 85, situated at Metcalfe Street, Calculta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

5. Govt. Place North, Calcutta on 22-8-74,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pulin Krishna Roy Estate (P) Ltd. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that lower roomed brick built dwelling house together with rent rendeemed land containing an area of two cottas 9 chataks and 33 sft. at No. 85, Metcalfe Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-4-75

(1) Shri Profulla Kumar Roy,

(Transferor)

(2) M/s. Jeet Trading Co. (P) Ltd.

(Transferee)

*(3) M/s. Art. Tiles & Concrete Works (P) Ltd, Cal-46. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided northern portion of No. 11 Mahendra Chatterjee Lane, Calcutta-46 with one storied Bunglow and tank with land covering 2 Bighas, 14 Cottas, 6 Ch., 35 sft.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-75

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAJ ROAD, CALCUTA-16.

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-289/C-272/Cal-1/74-75.—Whereas, 1, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, situated at Mahendra Chatterice Lane, Cal-46, (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal on 8-8-74,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Jogendra Kumar Seth & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-198/C-207/CAL-1/74-75,—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 42H (flat No. 72 & Car parking space), situated at Shakespeare Sarani,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1117/74-75 on 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72, & car parking space in Shalimar Apartments at 42B, Shakespeare Sarani, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta, 16

(1) Shri Topandas G. Mirapuri,

(Transferor)

Date: 18-4-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-177/C-184/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakrayarty.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 83, situated at Metcalfe Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

No. 5, Govt. Place North, Cal on 7-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Pulin Krishna Roy Estate (P) Ltd. (Transferor)

- (2) Shri Mohon Singh and Shri Harjit Singh.
 (Transferee)
- "(3) Shri Ganesh Singh, (2) M/s. San Meao Coa., (3) Zinat Bibi (4) Matinr Rahaman.

 (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that lower roomed brick built dwelling house, together with piece of rent redeemed land containing by estimation an area of two cottahs, nine chittacks 22 sft at 83, Metcalfe Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-75

Seal;

(2) Shi Rampal Fodi & Ois, Trustees of Bharat Charity Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) Shri Gopal Das Mimani & Ors.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-188/C-187/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 32, situated at Fzra Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

No. 5, Govt Place North, Calcutta on 9-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Todi Properties Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room Nos. 9, 10, 12, 23, 24, 26, 38, 43, 53 & 54 measuring 999.05 sft. in the ground floor, together with related mazzenine floor at premises No. 32 Ezra St, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-4-75

Seal;

(2) Credit Union Co-operative Housing Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-196/C-208/Cal-1/74-75,—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19C, situated at Ripon Street, Calcutta,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 28-8-74 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Christan Co-operative Credit Union Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of 7 Cottahs, 12 Ch, 28 sft.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range J

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-75

(1) Todi Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 18th April 1975

Ref. No. TR-207/C-200/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakrayarty.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32, situated at Ezra Street, Calcutta,

(and more fully described in

the Schedille annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 20-8-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) 1, Shrimati Saraswati Shaw. 2, Smt, Sabitra Shaw 3, Smt. Shyama Shaw and 4, Smt. Gita Shaw.

(Transferee)

*(3) Shrimati Shyama Debi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov? able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room Nos. 5 & 6 in the ground floor measuring 278.50 sft. with related Mazzanine and underground space at premises No. 32, Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 18-4-75

Seal;

Form ITNS----

(2) Shrimati Renuka Sadhukhan,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th April 1975

Ref. No. AC-212/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, 1, S. Bhattacharyya,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 243/A, situated at Acharya Prafulla Ch. Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

 Shri Maharaj Kumar Somendra Ch'andra Nandy, & Maharani Nelima Probha Nandy.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottas 2 Ch. 25 sq. ft. Bastee land being part of 243/A Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta-6 and structure thereon.

S. BHATTACHARYYA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 14-4-1975.

Form ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th April 1975

Ref. No. AC-211/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya,

being the competent authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have 'reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65/1C, situated at Bagbazar St. Calcutta-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now; therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Shrimati Nirmala Bala Ghose.

(Transferor)

(2) S/Shri Sankar Prasad Keshari, Bhola Prasad Keshari, Sambhu Prasad Keshari, Bejoy Prasad Keshari.

(Transferee)

(3) Shri Gopal Das Daw.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Cottah, 10 Ch. 35 sq. ft. at 65/IC Bagbazar St. Calcutta-3 and structure thereon.

S. BHATTACHARYYA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 14-4-1975.

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. File No. 180 J. No. 1(312)/EG/74-75, Whereas, I, K. Subbarao,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 47-2-6 situated at Gandhipuram No. 1 Rajahmundry

No. 47-2-6 situated at Gandhipuram No. 1 Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 15-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dangeti Laxmanarao & Others, 2. Narayana Kumar, 3. Manikumar, 4. Nagaramesh— 2 to 4 being minors represented by father Laxmanarao, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shri Uppaluti Venkatarao, Kovvur, W.G. Dt.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District, Rajahmundry Municipality—Gandhipuram No. 1 Municipal Ward No. 24, Door No. 47-2-6 Daba House.

Boundaries

East-Raja Vcedhi 105 ft.

South—Compound wall of Dandanudi Venkataramarao.

West—Compound wall and site of E. Gopalarao, North—Govt, Drainage and Road.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-3-1975.

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. File No. 179 J. No. 1(201&251)KR/74-75. Whereas, I, Subbarao,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-1-109 situated at Sambamurthy Road, Hanumanpeta, Vijayawada (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vijayawada on 15-8-74 & 31-8-74 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Bushaiah, Vijayawada

(Transferor)

(2) 1. Shri Sethu Narayanarao Minor by guardian Smt. Kannam Narayanamma W/o Venkaiah, Vijayawada, 2. Smt. Muppa Ankamma W/o Naraiah, Hanumanpeta, Vijayawada.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District, Vijayawada Sub-Registrar, Vijayawada Town Municipal Ward No. 18, Present Ward No. 17, Revenue Ward No. 8, Block No. 31 N.T.S. No 932, Old Asst. No. 8437, New Asst. No. 2816, Door No. 14-1-109.

Boundaries

East—Compound wall of Smt. Makani Banumathamma South—Property of Smt. Muppa Akkamma West—Road and North—Compound wall of Batchu Sreeramulu.

S. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax.

Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-3-1975.

Form ITNS-

NOTIGE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 14th April 1975

No. C.R. 62/2828/74-75/Acq. (B).—Whereas, 1 P. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560-027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. The property being a converted land for residential houses measuring 3 acres and 34 guntas in Survey No. 30, situated at Gavipura village, Corporation Division No. 31, Bangalore city,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Basavangudi, Bangalore-560-004 Document No. 2037/74-75 on 1-8-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri M. Kannappa, 2. Shri G. M. Vemanna,
 Shri G. M. Govindaraju and 4. Shri G.
 M. Srinivasa, No. 1884, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-560-011.

(Transferor)

(2) M/s, Manjunatha House Building Co-operative Society, No. 137, 12th Main Road, Hanumanthanagar, Bungalore-560-019.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a converted land for residential houses, measuring 2 acres and 34 guntas in Survey No. .30 Gavipura village, Corporation Division No. 31, Bangalore city.

(Document No. 2037/74-75 dated 1-8-1974).

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-4-1975

Form ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 14th April 1975

Ref. No. C.R. 62/2828/74-75/Acq. (B).—Whereas, I. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Bangalore-560-027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. The property being a converted land for residential houses, measuring 2 acres and 20 guntas in Survey No. 30, situated at Gavipura village, Corporation Division No. 31, Bangalore city,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalorc-560-004, Document No. 2038/74-75 on 1-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. Kannappa, 2. Shri G. M. Vemanna,
 Shri G. M. Govinda Raju and 4. Shri G.
 M. Srinivasa, No. 1884, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-560-011.

(2) M/s. Manjunatha House Building Co-operative Society, No. 137, 12th Main Road, Hanumanthanagar, Bangalore-560-019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a converted land for residential houses, measuring 2 acres and 20 guntas in Survey No. 30, Gavipura village Corporation Division No. 31, Bangalore city.

Gavipura village, Corporation Division No. 31, Bangalore city.

(Document No. 2038/74-75 dated 1-8-1974).

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-4-1975

FORM ITNS----

(1) Shri Tara Singh S/o Ganesha Singh Vil. Sattowali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fau market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 5657, situated at Faridpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Iullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

35--76QI/75

- (2) Shri Teja Singh S/o Banta Singh, Baldev Singh S/o Khundrai Singh, Joginder Kaur W/o Gurbax Singh Village Dugri. (Transferec)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5657 of August, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 25th April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar.

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 5044 situated at V. Johal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or top ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Sant Baba Glan Singh Chela Baba Basant Singh Chela Baba Harnam Singh Nimal Kutla, V. Johal. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5044 of August, 1974 of the Registering Authority Juliundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

 Shri S. Amar Singh S/o Battan Singh V. Kukar Pind Teh. & Dist. Jullundur.

(Transferor)

Date: 25-4-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.--Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5692 situated at Jullundur (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Faqir Singh, Shri Garbax Singh Sons of Shri Shiv Singh R/o Adampur.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Dalip Kaur W/o Shri Naranjan Singh R/o Bhet Teb, Kapurthala. (Transferce)
- (3) As above S. No. 2. (Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the underknows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed of No. 5692 of August, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I. Ravinder Kumar,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the said Act to the following persons namely:

- (1) Shri Tara Singh S/o Ganesha Singh R/o Sattowali, (Transferor)
- (2) Shri Teja Singh S/o Banta ingh, Khundrai Singh & Joginder Kaur W/o Sr. Gurbax Singh R/o Dugri. (Transferee)
- (3) As per s. No. 2 above. (Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed of August, 1974 of the Registering Authority, Juliundur,

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 5548 situated at Faridpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Tara Singh S/o Ganesha Singh Vil. Satowal. (Transferor)

- (2) Shri Teja Singh, S. Banta Singh, Baldev Singh S/o Khudrai Singh, Gurbux Singh son of Maghar Singh (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 5548 of August, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

FROM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75/4220.--Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule stuated at Faridpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tara Singh S/o Shri Ganesha Singh Vil. Satowali, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Teja Singh S/o Banta Singh, Baldev Singh S/o Khudrai Singh & Joginder Kaur W/o Gurbax Singh Village Dugri. Tehsil Jullundur.

(Transferce)

- (3) Rs per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registed Deed No. 5577 of August, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5686, situated at Faridpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has

been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in August, 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh S/o Ganesha Singh Vil. Sattowali. Teh, Juliundur. (Transferor)
- (2) Shri Teja Singh S/o Banta Singh, S/o Khudrai Singh, Joginder Kaur W/o Gurbax Singh.

 (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5686 of August, 1974 of the Registering Authority Juliundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1975

Ref. No. AP/Jullundur/74-75.—Whereas, I, Ravinder Kumar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 5437 situated at Juliundur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Hazur Singh S/o Bal Singh Nangal Manohar Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S. Darshan Singh S/o Dayal Singh Nangal Manohar Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As above S. No. 2 [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5437 of August, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-12/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Land situated at Panniwala Phatta (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

36--76GI/75

- (1) Shri Gulzar Singh s/o Hira Singh s/o Bhola Singh r/o V. Daulat Pura Teh. & District Canga Nagar.

 (Transferor)
- (2) Shri Jasvinder Singh, Sukhjit Singh, Gurjeet Singh ss/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Natha Singh, Sh. Ranpinder Singh, Papinder Singh s/o Gurpinder Singh s/o Karam Singh r/o Pauniwala Phatta. Teh. Muktsar.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the vaid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1575 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Rcf. No. ASR/MLT/AP-13/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malout in August 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dara Singh s/o Hira Singh s/o Bhola Singh r/o V. Daulat Pura Teh. & District Ganga Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Jasvinder Singh, Sukhjit, Gutjeen Singh ss/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Natha Singh and Sh. Ranpinder Singh, Papinder Singh ss/o Gutpinder Muktsat.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1573 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-14/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Panniwala Phatta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Malout in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dulla Singh s/o Phalla Singh s/o Rulia Singh r/o Daulat Pura Teh. & District Ganga Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Jesvinder Singh, Sukhjit Singh, Gurjeet Singh ss/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Natha Singh & Sh. Ranpinder Singh, Papinder Singh ss/o Gurpinder Singh s/o Karam Singh r/o v. Panniwala Phatta Teh. Muktsar. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1574 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

Form 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTL/AP-15/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at V. Bhagowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Batala in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sarwan Singh s/o Darshan Singh V. Bhagowal Teh. Batala.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh, Sawan Singh & Others ss/o Shri Sunder Singh V. Bhagowal Teh. Batala.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L'and as mentioned in the Registered Deed No. 3535 of August, 1974 of the Registering Authority, Batala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MGA/AP-16/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. Shop situated at Main Bazar Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Pariety transferred as the 1008 (16 of 1008) in the office of the registered.

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Moga in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax, Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shobha Singh s/o Punjab Singh s/o Khazan Singh Moga. Mehla Singh.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Tirath, Sat Pal and Yoginder Pal ss/o Shri Mehar Chand c/o M/s. Mehar Chand & Sons, Moga.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registered Deed No. 4652 of August, 1974 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/GDB/AP-17/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gidderbaha.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chhaju Ram, Chaman Lal, Pawan Kumar ss/o Shri Sarup Chand, Surinder Kanta, Raksha Rani Ds/o Sarup Chand, Vidya Devi w/o Shri Sarup Chand, Sriganganagar.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Bachan Devi w/o Shri Pawan Kumar s/o Shri Pirthi Chand, Giddarbaha. (Transferee)
- As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 505 of August, 1974 of the Registering Authority, Gidderbaha.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

Scal:

(2) Shri Harnek Singh, Binder Singh, r/o V. Bhutiwala Tch. Mukatsar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 21st April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ASR/GDB/AP-18/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at V. Bhutiwala (and more fully described in

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gidderbaha in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 515 of August, 1974 of the Registering Authority, Gidderbaha.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. R. SAGAR,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Amritsar.

 Shri Hakam Singh s/o Shri Phuman Singh, r/o Bhutiwala Teh, Mukatsar.

Date: 21-4-1975.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Amritsar, the 21st April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/ABR/AP-19/75-76.--Whereas, I, V. R.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land situated at V. Bhangala (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

at Abohar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Land as mentioned in the Registered Deed No. 1405 of August, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of secton 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

> V. R. SAGAR, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

(1) Smt. Bibi, Udhe Kaur Ds/o Shri Bhag Singh r/o V. Bhangala. (Transferor)

(2) Shri Mithu Singh, Pila Singh, Balwinder Singh, Pritam Singh ss/o Shri Bhag Singh, V. Bhangala. (Transferee)

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT.OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MGA/AP-20/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land situated at Bagha Purana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Moga in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37-76GI/75

- (1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Kartar Singh r/o Bagha Purana. (Transferor)
- (2) Smt. Malkit Kaur w/o Shri Mukand Singh r/o Kesar Singh Wala Teh. Rampur Phul. & Amarjit w/o Shri Pritam Singh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4647 of August, 1974 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MNS/AP-21/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1/2 Shop No. 827 situated at Block No. 7 Gali No. 19 Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mansa in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Banarsi Dass s/o Shri Kheta Mal, Hans Raj S/o Shri Benarsi Dass, Mansa.

(Transferor)

(2) Dr. Santokh Singh s/o Shri Mani Singh Mansa. (Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 shop as mentioned in the Registered Deed No. 3192 of August, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/MNS/AP-22/75-76.—Whereas, I, V. R.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Shop No. 827 situated at Block No. 7 Gali No. 19 Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mansa in August 1974

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Banarsi Dass s/o Shri Kheta Mal, Hans Raj S/o Shri Benarsi Dass, Mansa.

(Transferor)

- (2) Shri Santokh Singh s/o Shri Mani Singh, Mansa. (Transferec)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

expressions EXPLANATION: -The terms and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2Shop as mentioned in the Registered Deed No. 3193 of August, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

> V. R. SAGAR, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-1975.

[PART IJI—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-23/75-76,—Whereas, L V. R.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land, situated at Near Bhanamal Dharamsala,

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Seth Bhana Mal Dharam Sala Trust Bhatinda through Shri Kesho Ram President and Shri Sohan Lal vice president ss/o Shri Bhana Mal.

(2) Ramesh Chander, Dharam Vir, Pavan Kumar Sunder Lal and Manohar Lal Gupta & Atma Ram c/o Bhanamal Dharamsala, Bhatinda, (Transferee) (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3536 of August, 1974 of the Registering Authority Bhatinda.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-234/75-76,—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

No. Land situated near Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Banarsi Dass s/o Shri Surjas Ram s/o Sirian Mal, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Ujagar Singh s/o Shri Mohan Singh s/o Shri Kakarah Singh. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3494 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-4-75.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-25/75-76—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated near Bibiwala Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to

between the Parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Banarsi Dass s/o Shri Surjas Ram s/o Shri Sirian Mal, Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Kamlesh Rani w/o Shri Ramesh Chand s/o Lala Hukum Chand, Bhatinda,

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3493 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date: 21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 1HF INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP123/75-76.—Whereas, f, V. R. SAGAR

being the competent authority under

section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land situated at Shanti Nagar, Civil Lines, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Shri Kaku Singh 1155 Ahata Badam Singh, Moga. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh s/o Shri Atma Singh, Civil Lines, Moga through Shri Chet Singh s/o Shri Gurbachan Singh Civil Lines, Moga.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4573 of August, 1974 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/Abohar/AP-27/75-76 —Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Land situated at V. Gadan Dob

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Bhagwan Kaur mother of Shri Sham Singh Wd/of Naunihal Singh V. & P.O. Gadan Dob.

(Transferor)

 Shrimati Mohinder Kaur wd/o Sham Singh s/o Naunihal Singh P.O. Gadan Dob.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1384 of August, 1974 of the Registering Authority Abohar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 21-4-75.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-28/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath s/o Shri Munshi Ram r/o Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Ganda Singh s/o Shri Hari Singh Shri Ranjeet Singh s/o Ajmer Singh r/o Jodhpur Ramana. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3586 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date: 21-4-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-29/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Land situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llabill'y of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Sat Paul s/o Shri Jagan Nath r/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Ranjeet Singh s/o Shri Ajmer Singh, Shri Ganda Singh s/o Shri Hari Singh & Smt. Balbir Kaur w/o Shri Ganda Singh r/o Jodhpur Ramana. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3585 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date: 21-4-75, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-30/75-76.—Whereas, I, V, R. SAGAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

(1) Shri Ram Nath s/o Shri Munshi Ram R/o Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s/o Ajmei Singh, Smt. Balbir Kaur w/o Shri Ganda Singh r/o Jodhpur Ramana. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3587 of August, 1974 of the Registering Authority Bhatinda.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMERITSAR

Amritsai, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/GDB/AP-31/75-76,—Whereas, I, V. R. SAGAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at V. Bhoti Wala Teh. Mukatsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha in August on 1974

tor an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hakam Chand s/o Shri Phuman Singh, Bhotiwala Tch. Mukatsar,

(Transferor)

(2) Shri Sant Singh s/o Shri Phuman Singh, Baljinder Singh s/o Harrek Singh r/o Bhotlwala Teh. Mukatsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 514 of August, 1974 of the Registering Authority, Gidderbaha.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-4-75.

Seal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/FDK/AP-32/75-76.-Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kot Kapura (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in August on 1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subacction (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri, Mohinder Singh, Joginder Singh, Barjinder Singh ss/o Mangal Singh, Kot Kapura Surgapuri Near Railway Station.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh and Darshan Singh s/o Ram Singh, Kot Kapura Near New Cinema. (Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2147 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

> V. R. SAGAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/Abohar/AP-33/75-76,—Whereas, I. V. R.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to helieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at V. Khuban (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shrimati Vidya Wati d/o Shri Ladhu Ram 5/o Ghanya Ram w/o Shri Om Parkash s/o Shri Mehtab Rai r/o Morjanda Teh, Hanumangarh,

(Transferor)

- (2) Om Parkash, Ramesh Kumar ss/o Shri Ludhu Ram r/o Hanumangarh.
 - (Transferee)
- (3) As at 8. No. 2 above '(Person in occuptation of the property).
- (4) Any person interested in the property. whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1387 of August, 1974 of the Registration Authority, Abohar.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/Abohar/AP-4/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Khuban

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Abohar in August on 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt, Parkash Devi d/o Shri Ladhu Ram s/o Shri Ghanya Ram w/o Shri Diwan Chand s/o Ishar Dass r/o Tahli Wala,

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash, Ramesh Kumar ss/o Shri Ladhu Ram s/o Ghanya Ram s/o Hanumangath, Town Distt. Ganganagar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1386 of August, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR,
Compe ent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/Abohar/AP-35/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Khuban (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in August in 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income rrising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Saroj Kumari d/o Shri Ladhu Ram s/o Ghanaya Ram & w/o Shri Babu Lal s/o Shri Lakhu Ram r/o Mandi Abohar Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Om Parkash, Ramesh Kumar ss/o Shri Ladhu Ram s/o Ghanya Ram r/o Hanumangarh Town District Ganganagar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows ato be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1385 of August, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/FDK/AP-36/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property situated at Basti Manjit Inderpura Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Pritam Kaur wd/o Bhai Gurkirpal Singh _rr/o Faridkot.

(Transferor)

 Shrimati Tej Kaur w/o Shi Partap Singh V. Sedha P.O. Jaitu Mandi Teh. & District Faridkot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2110 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/FDK/AP-37/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property Situated at Basti Manjit Inderpura, Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur wd o Bhai Gurkirpal Singh, r/o Faridkot,

(Transferor)

- (2) Smt. Harjit Kaur wd/o Shri Iqbal Singh, Kothi No. 12, Block No. XII Harinder Nagar, Kot Kapura Road, Faridkot. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2109 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-4-75.

(2) Shri Surinder Iqbal Singh S/o Shri Iqbal Singh r/o Faridkot.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) As at S. No. 2 above.

[Persons in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.

[Person who in the undersigned knows to be interested in the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Amiltar, the 21st April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ASR/FDK/AP-38/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR being the Competent Authority under section 269B of the

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Property situated at Basti Manjit Inderpura, Faridkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Faridkot in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1.1 of 1972) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2108 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

 Shrimati Pritam Kaur Wd/o Bhai Gurkirpal Singh r/o Faridkot.

Date :21-4-75.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/FZR/AP-39/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at V. Choghata Wala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur in August 1974

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

 Shri Atma Ram s/o Shri Panna Mal, through Shri Mangat Ram, Hakikat Aai, GA R/o V. Choghata Wala, Teh. & District Ferozepur. (Transferor) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Diwan Chand
 Mall Road, Ferozepur City.

(Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above.

 [Persons in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2450 of August, 1974 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Ameritsar.

Date :21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 21st April 1975

Ref. No. ASR/FZR/AP-40/75-76.—Whereas, I V. R. SAGAR

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at V. Choghata Wala

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in August 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I.

hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Atma Ram s/o Shri Panna Mal, through Shri Mangat Ram, Hakikat Rai, GA R/o V. Choghata Wala, Teh. & District Ferozepur. (Transferor)
- Shri Mool Chand s/o Shri Behari Lal, C/o Raja Talkies, Ferozepur City.

(Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the propertyl.
 - (4) Any person interested to the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2449 of August 1974 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 21-4-75.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, Dated 3-4-1975

No. C.R.62/2830/74-75/Acq. (B).—Whereas, I. R, Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Northern half portion of premises No. 16/1, situated at 4th Cross Road, New Kalasipalyam Layout, Bangalore-city (and more fully described in the Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4 Document No. 2078/74-75 on 3-8-1974

3-0-19/4

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri C. N. Rudra Murthy No. 40, Hospital Road, Bangalore-1 (2) Shri S. Mohammed Aslam, S/o Shri M. A. Sattar, No. 22, New Bamboo Bazar, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) M/S Goel Road Ways.

(Person(s) in occepation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern half portion of premises No. 16/1, 4th Cross Road, New Kalasipalyam Layout, Bangalore city (Division No. 39).

Site area measuring:-

 $\left. \begin{array}{cccc} E & W & : & 40 \\ N & S & : & 20 \end{array} \right\}$ 800 Sq. ft.

Boundaries :

E = Building No. 88

W = IV Cross

N = Godown on site No. 77

S = Portion sold to Shri Syed Hussain. (Document No. 2078/74-75 dated 3-8-1974)

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-1975

(Transferor) Se

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd April 1975

Ref. No. C.R.62/2831/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner fincome-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Southern half portion of premises No. 16/1 situated at 4th Cross Road, New Kalasipalyam Layout, Bangalore city, (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4 Document No. 2080/74-75 on 3-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri C. N. Rudra Murthy, No. 40, Hospital Road, Bangalore-1,

(Transferor)

- Shri Syed Hussain S/O Shri B. Sqed Azmatulla, Minor by guardian, Mother, Smt. Shakira Begum, No. 21, Bamboo Bazaar, Bangalore-2. (Transferce).
- *(3) M/S Goel Road Ways.

[Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Southern half portion of premises No. 16/1, 4th Cross Road, New Kalasipalayam Layout, Bangalore city (Division No. 39)

Site area measuring— E—C: 40' N—S: 20' =800 sq. ft. Boundaries :-E: Building on site 88 W: IV Cross N: half portion of same No. sold to S. Mohd. Aslam. S: Property of Pramila Bai.

(Document No. 2080/74-75 dated 3-8-1974.)

R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-4-1975

Scal:

 (1) Mrs. S. Vettath, (2) J. Paulen Vettath and
 (3) Mrs. Elizabeth Eapen No. 8 Hayes Road Cross, Bangalore-25. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th April 1975

No. C.R.62/2853/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. The property being a vacant land bearing present Municipal No. 5/17 (old No. 91) Doddigunta) Milton Street,

Cooke Town, situated at Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 1540/74-75 on 8-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Madras Diocesan Trust Association, by its duly constituted Agent, Rev. J (Jr.) Mullins, Madras. (Transferor).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant land bearing present Municipal No. 5/17 (old No. 91 Doddigunta) Milton Street, Cooke Town, Bangalore-5 Total Site area—Measuring about 12,340 Sq. ft.

Doc. No. 1540 dated 8-8-1974

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore).

Date: 18-4-1975.

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Dhanaraj, S/o Fathechand Bolaram Hyderabad (A.P.)(Transferor)

(2) Shri Iqbal Sing Keer S/o Jasavantha singh Keer, No. 206, Kazai Syed Street, Bombay-3.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, **ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 14th April 1975

C.R.62/2856/74-75/ACQ(B).—Whereas, Krishnamoorthy Inspecting Asst. Commissioner of Income-

tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being converted land measuring 1 acre and 37 guntas in S. Nos. 7/3B and 8/2B situated at Madanayakahahalli, Dasanapura Hobli, Nelmangala Taluk, Bangalore-District,

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelmangala Doc. No. 1799/74-75 on 3-8-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being converted land, measuring 1 acre and 37 guntas in S. No. 7/3B and 8/2B (A-Gs

situated at Madanayahalli, Dasanapura Hobli, Nelmangala Taluk, Bangalore District.

Boundries:

E=Giriyappa Land

W=By Approach road

N=by Portions of S. No. 8/2B and 7/3B sold this day in favour of Smt. Amrit Kaur Keer

S=by Mysore Spun cement concrette Pipe Factory. Doc. No. 1799/74-75 dated 3-8-74

> R. KRISHNAMOORTHY. Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-4-1975.

Seal:

40---76GI/75

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th April 1975

No. C.R. 62/2857/74-75/ACQ(B),—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Asst. Commissioner of Incometox, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being converted land measuring 1 acre and 37 guntas in S. Nos. 8/2B and 7/3B situated at Madanaya-kanahalli, Dasannapura Hobli, Nelmangala Taluka, Bangalore Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelamangala Doc. No. 1800/74-75 on 3-8-1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transer as agreed to between the parties has not been truly stated the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
 - v, therefore, in pursuance of section 269C, of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the id property by the issue of this notice under sub-section f section 269D of the said Act to the following , namely:—

(1) Shri Dhanaraj S/o Fathechand, Bolaram, Hyderabad. (A.P.).

(Transferor)

(2) Shrimati Amrith Kaur Keer No. 206, Kazai Syed Street. Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being converted land, measuring 1 acre and 37 guntas, in S. Nos. 8/2B and 7/3B (A.Gs)

0 0---27

Situated at Madanayakanahalli, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Banaglore-Dist.

East=Giryappa Land

West=by approach Road

North=Hanumenthiah Aswathaiah and others lands
South=by Portions of S. No. 8/2B and 7/3B sold this
day the same vendor in favour of Shri Iqbalsingh Keer.
Doc. No. 1800/74-75 dated 3-8-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-4-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 5th April 1975

No. C.R. 62/2898/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Asst. Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant site bearing Municipal No. 54, 2nd Main Road (mercuring 54, 172 sq. ft.) situated at Hanumanthapuram, Srirampuram, Bangalore-560021,

(and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surampuram, Bangalore 560021 Document No. 2061/74-75 on 28-8-1974, for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Vasudev, 2. Smt. Gowramma, 3. Shri K. Dwarakanath, No. 1302, Sriramapuram, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Shri C. Arunachalam Partner on behalf of The Sun Rise Industrials, V Main Road, Sriramapuram, Bangalore-560021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing Municipal No. 54, 2nd Main Road, Hanumanthapuram, Sriramapuram, Banga-Jore-560021.

Site Area:
$$190'+120' \times 394'+305' = 54,172 \text{ sq. ft.}$$

or
6,019 sq. Yards,

Document No. 2061/74-75 dated 28-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 9th April 1975

Ref. No. C.R. 62/2947/74-75/Acq. (B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy Inspecting Asst. Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. The property being a vacant site of remaining portion of New No. 56/43 (Old No. 10 and 52), situated at Lalbagh Road, Bangalore-560027,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Besavangudi, Bangalore-50004 Document No. 2550/74-75 on 2-9-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely:-

(1) Shri M. Satyanarayana, and Shri M. Raghavendra No. 56/42, Lalbagh Road, Bangalore-560027.

(Transferor)

(2) Shri Y. Ramachandia Naidu, S/o Shri Yellappa Naidu, No. 86, South End Road Bangalore-560004. Basavangudi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said perty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site of remaining portion of New No. 56/43 (Old No. 10 and 52), I albagh Road, Bangalore-27.

Site measuring—E—W · 60°

Boundaries-

N-S: 50'

3,000 Sq. ft.

E: Remaining portion of 56/43 W: Lalbagh Road.

N.: Property No. 44/8 of M.A. Haque,

S: Remaining portion of 56/43.

Document No. 2550/74-75 dated 2-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1975